● वर्ष-3
● अंक-28
रायपुर, रविवार
10 सितंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 10 सितंबर रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 12 सितंबर मंगलवार को प्रकाशित होगा।

जी20 सम्मेलन- दिल्ली घोषणापत्र पर सर्वसम्मति

बैठक का पहला दिन, भारत से दुबई होते हुए यूरोप तक बनेगा रेल कॉरिडोर,

नईदिल्ली। जी20 सम्मेलन का पहला दिन भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ है। पहले दिन ही दिल्ली घोषणापत्र पर सर्वसम्मति बनाकर देश ने इतिहास रच दिया है। यह वाकई हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। जो पहले नहीं हो सका वह आज हुआ है। बैठक के पहले दिन दो सत्रों को शामिल किया गया। पहले सत्र में वन अर्थ थीम पर चर्चा हुई वहीं दूसरे सत्र में वन फैमिली पर चर्चा हुई। दिल्ली घोषणापत्र के शत-प्रतिशत बिंदुओं पर सभी देशों ने अपने पूर्ण सहमति दी है। साथ ही साथ आज के बैठक की शुरुआत पर जबरदस्त रही। भारत की पहल पर पहली बार जी-20 में 55 देशों वाले अफ्रीकन यूनियन को पूर्ण सदस्यता दे दी गई। इसके बाद अब यह मंच 21 सदस्यों वाला हो गया है। एक्सपर्ट भी भारत लेकर एक बड़ी कामयाबी बता रहे हैं क्योंकि भारत ने यह तक करके दिखाया है जब रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर दुनिया दो भागों में बंटी हुई है।

बैठकों में 73 ऐसे मामले थे जो विश्व की मौजूदा समस्याओं से जुड़े थे और उनका हल निकालने पर सहमति बनी है। वहीं, 39 ऐसे मसले थे जिन पर जरूरी दस्तावेजों के साथ सहमति बनाने पर चर्चा हुई है। जी20 ने अपने नेताओं के घोषणापत्र में चन्द्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए भारत को बधाई दी। जी20 नेताओं के घोषणापत्र में कहा गया कि हम गहरी चिंता के साथ कह रहे कि अत्यधिक मानवीय पीड़ा हुई है और युद्धों एवं संघर्ष का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यूक्रेन संघर्ष पर जी20 घोषणापत्र में कहा गया है कि हमने यूएनएससी और यूएनजीए में अपनाए गए देश के रुख और प्रस्तावों को दोहराया और साथ ही कहा गया है कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल या धमकी देना अस्वीकार्य है। यह मानते हुए कि जी20 भू-राजनीतिक मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है, घोषणापत्र में स्वीकार किया गया है कि इन मुद्दों का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ सकता है। जी20 घोषणापत्र में आपूर्ति श्रृंखला, वृहद-वित्तीय स्थिरता, मुद्रास्फीति और विकास पर यूक्रेन संघर्ष के नकारात्मक प्रभाव का उल्लेख है।

घोषणा मोटे तौर पर 5 प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है

- मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास
- एसडीजी पर प्रगति में तेजी लाना
- सतत भविष्य के लिए हरित विकास समझौता
- 21वीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थान
- बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करना

इतिहास रचा गया

अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री ने लिखा कि नई दिल्ली के नेताओं की घोषणा को अपनाने के साथ इतिहास रचा गया है। सर्वसम्मति और भावना से एकजुट होकर, हम बेहतर, अधिक समृद्ध और सामंजस्यपूर्ण भविष्य के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करने की प्रतिज्ञा करते हैं। उनके समर्थन और सहयोग के लिए सभी साथी त्र20 सदस्यों को मेरा आभार। इससे पहले मोदी ने शिखर सम्मेलन में नेताओं से कहा, ''मित्रों, हमें अभी-अभी अच्छी खबर मिली है कि हमारी टीम की कड़ी मेहनत और आपके सहयोग के कारण, नयी दिल्ली जी20 लीडर्स समिट डिक्लेरेशन पर आम सहमति बन गई है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं घोषणा करता हूं कि इस घोषणापत्र को स्वीकार कर लिया गया है।''

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस मौके पर कहा कि यह बड़ा समझौता है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं। वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर यही जी-20 शिखर सम्मेलन का फोकस है।

सुनक का बड़ा ऐलान, बिल में घुस जाएंगे खालिस्तानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां जी20 शिखर सम्मेलन से इतर अपने ब्रिटिश समकक्ष ऋषि सुनक से मुलाकात की और व्यापार संबंधों को गहरा करने और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का बयान भी आया है। खालिस्तान की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने बिना किसी लाग लपेट के साफ-साफ कहा है कि चाहे वो खालिस्तान हो या किसी भी और किस्म का उग्रवाद उसे ब्रिटेन बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत के खिलाफ इस तरह की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक हिंदू परंपराओं और भारतीय मान्यताओं पर पूरा भरोसा करते हैं। यही वजह है कि उनका पहला भारत दौरा कई मायनों में अहम है। दिल्ली पहुंचते ही उन्होंने कहा था कि जी20 सम्मेलन भारत के लिए बड़ी सफलता है। भारत इसकी मेजबानी के लिए सही समय पर सही देश है। उन्होंने कहा, भारत और ब्रिटेन एक समृद्ध और टिकाऊ ग्रह के लिए काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन से इतर अपने जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

पीएम मोदी ने किया एलान

ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस के लॉन्च

नई दिल्ली। वन अर्थ पर जी20 शिखर सम्मेलन सत्र में बोलते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण और जलवायु अवलोकन के लिए जी20 सैटेलाइट मिशन% शुरू करने का भी प्रस्ताव रखा और नेताओं से %ग्रीन क्रेडिट पहल% पर काम शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आज समय की मांग है कि सभी देश ईंधन मिश्रण के क्षेत्र में मिलकर काम करें। हमारा प्रस्ताव पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण को 20 प्रतिशत तक ले जाने के लिए वैश्विक स्तर पर पहल करने का है।मोदी ने सत्र में कहा, या वैकल्पिक रूप से, हम व्यापक वैश्विक भलाई के लिए एक और मिश्रण विकसित करने पर काम कर सकते हैं, जो स्थिर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ जलवायु सुरक्षा में भी योगदान देता है। इस सत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती को देखते हुए ऊर्जा परिवर्तन 21वीं सदी की दुनिया की एक महत्वपूर्ण जरूरत है।उन्होंने कहा कि समावेशी ऊर्जा परिवर्तन के लिए खरबों डॉलर की आवश्यकता है और विकसित देश इसमें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, भारत के साथ-साथ ग्लोबल साउथ के सभी देश इस बात से खुश हैं कि विकसित देशों ने इस साल 2023 में सकारात्मक पहल की है। विकसित देशों ने पहली बार क्लाइमेट फाइनेंस (जलवायु वित्त) के लिए 100 बिलियन अमरीकी डॉलर की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने की इच्छा व्यक्त की है। 2009 में कोपेनहेगन संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में, विकसित देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने में विकासशील देशों का समर्थन करने के लिए 2020 तक प्रति वर्ष 100 बिलियन अमरीकी डॉलर प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस, जिसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता जी20 की अध्यक्षता के दौरान आगे बढ़ाना चाहता है, सभी की पहुंच के भीतर स्वच्छ और सस्ती सौर ऊर्जा लाने के लिए 2015 में नई दिल्ली और पेरिस द्वारा संचालित अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) को प्रतिबिंबित करता है। इस महीने की शुरुआत में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने एक विशेष साक्षात्कार में समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समूह के सदस्यों के बीच जैव ईंधन पर वैश्विक गठबंधन के लिए भारत का प्रस्ताव ग्लोबल एनर्जी ट्रांजिशन (वैश्विक ऊर्जा संक्रमण) के समर्थन में स्थायी जैव ईंधन तैनाती में तेजी लाने में मदद करेगा।उन्होंने कहा था, इस तरह के गठबंधनों का मकसद विकासशील देशों के लिए अपने ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए विकल्प तैयार करना है।मोदी ने कहा था, जैव ईंधन एक सर्कुलर इकॉनमी (चक्रीय अर्थव्यवस्था) के नजरिए से भी महत्वपूर्ण है।

जी20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन भारत को बड़ी सफलता मिली। बैठक में नई दिल्ली घोषणा पत्र पर सहमति बन गई और इसे पास कर दिया गया। 37 पन्नों के घोषणा पत्र में भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की नीति साफ झलकती है। पहले दिन सम्मेलन के दो सत्रों में कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

हलवा, मुरब्बा, कहवा, मुंबई पाव और श्रीअन्न... विश्व नेताओं को ऐसे जायके परोसे गए

नई दिल्ली। जी-20 समिट के लिए भारत आए विदेशी मेहमानों के सम्मान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू डिनर होस्ट कियां। मेन्यू में सभी वेजिटेरियन यानी शाकाहारी डिश शामिल की गई। मेन्यू पर भी प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा है। मेन्यू को भारत की परंपरा, रीति-रिवाज और विविधता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

शुरुआती व्यंजन - पात्रम ताजी हवा का झोंका
दही के गोले और भारतीय मसालेदार चटनी से सजे कंगनी श्रीअन्न लीफ क्रिस्प (दूध, गेहूं और मेवा युक्त)
मुख्य व्यंजन- वनवर्णम मिट्टी के गुण
ग्लेजड कॉरेस्ट मशरूम, कुटकी श्रीअन्न क्रिस्प और करी पत्ते के साथ तैयार केरल लाल चावल के साथ परोसे गए कटहल गैलेट (दूध और गेहूं युक्त)
भारतीय रोटियां - मुंबई पाव
कलौंजी के स्वाद वाले मुलायम बन (दूध और गेहूं युक्त)
- बाकरखानी
इलायची के स्वाद वाली मीठी रोटी (दूध, चीनी और गेहूं युक्त)
मिष्ठान - मधुरिमा स्वर्ण कलश
इलायची की खुशबू वाला सांवा का हलवा, अंजीर-आडू मुरब्बा और अंबेमोहर राइस क्रिस्प्स (दूध, श्रीअन्न, गेहूं और मेवा युक्त)
पेय पदार्थ - कश्मीरी कहवा, फिल्टर कॉफी और दार्जलिंग चाय
- पान के स्वाद वाली चॉकलेट लीव्स

प्रमुख समाचार

भाजपा -जद (एस) गठबंधन में नया मोड़, सीट-बंटवारे की चर्चा

नईदिल्ली। भाजपा के येदियुरप्पा के इस दावे के एक दिन बाद कि जद (एस) राजग गठबंधन में शामिल होने और कर्नाटक में चार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए सहमत हो गया है, पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि सीट-बंटवारे पर अभी चर्चा होनी बाकी है। हालांकि, उन्होंने पुष्टि की कि दोनों दल गठबंधन को लेकर सहमत हैं। 2024 की शुरुआत में होने वाले आगामी संसदीय चुनावों में एक साथ आ रहे हैं। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि जद (एस) और भाजपा दक्षिणी राज्य में लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने कहा, देवेगौड़ा जी हमारे प्रधान मंत्री से मिले और उन्होंने पहले ही लगभग 4 सीटें फाइनल कर ली हैं। मैं उनका स्वागत करता हूं। हालाँकि, आज जद (एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि येदियुरप्पा की टिप्पणी उनकी व्यक्तिगत प्रतिक्रिया थी। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, अब तक, सीट बंटवारे या किसी भी चीज़ पर कोई चर्चा नहीं हुई है। हम दो या तीन बार सौहार्दपूर्ण ढंग से मिले हैं।

माओवादियों के खिलाफ एनआईए की छापेमारी

नई दिल्ली। माओवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में कई जगह छापेमारी की। यह छापेमारी अगस्त 2023 के मामले से जुड़ी है, जब बड़ी मात्रा में विस्फोटक, ड्रोन्स और एक खराद मशीन जब्त की गई थी। एनआईए ने अब तेलंगाना के वारंगल में पांच जगहों पर और कोठागुडेम में दो जगहों पर और छत्तीसगढ़ में बीजापुर में एक जगह पर छापेमारी की गई। छापेमारी में एनआईए ने कई डिजिटल डिवाइस और संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए हैं। बरामद की गईं डिजिटल डिवाइस और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। एनआईए का मानना है कि आरोपी, माओवादियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट मुहैया करा रहे थे। इन माओवादियों ने भारत सरकार के खिलाफ लड़ाई छेड़ी हुई है, जिसे लोगों की लड़ाई बताते हैं। माओवादियों ने हाल के सालों में आतंकी घटनाओं में आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। एनआईए को आशंका है कि सुरक्षाबलों के खिलाफ लड़ने के लिए माओवादियों को हथियार सप्लाई किए जा रहे थे। एनआईए ने इस मामले में 12 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। जिनमें से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा शिवसेना में हुए शामिल

नई दिल्ली। उदयपुरवाटी विधायक और राजस्थान कांग्रेस के पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। वह शनिवार को झुंझुनू में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। राजेंद्र सिंह गुढ़ा और सीएम शिंदे दोनों ने लिबर्टी फार्म हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, राजस्थान में उद्योगों और खनन की संभावनाएं हैं...अगर हम यहां विकास करेंगे तो राज्य के बेरोजगार लोग दूसरे राज्यों में नहीं जाएंगे...शिवसेना यही काम महाराष्ट्र में कर रही है। इससे पहले, राजस्थान के पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने लाल डायरी का जिक्र करने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। राजेंद्र गुढ़ा लाल डायरी लेकर विधानसभा पहुंचे थे।

एनसीपी में कोई विभाजन नहीं, पोल पैनल को बताया

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट ने पार्टी के नाम, प्रतीक और नियंत्रण के संबंध में चुनाव आयोग के सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि पार्टी के भीतर कोई विभाजन नहीं है। एनसीपी नेता शरद पवार ने कहा कि पार्टी के खिलाफ बगावत करने वाले 40 विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया गया है। पार्टी ने विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के पास याचिका दायर की। असंतुष्ट विधायकों को पार्टी की कार्यकारी समिति और अन्य पदों से हटा दिया गया है। चुनाव आयोग ने एनसीपी के दोनों गुटों के दावों पर विचार-विमर्श किया, जिनमें पार्टी पर नियंत्रण को लेकर अलग-अलग तर्क हैं। इन दावों की जांच के लिए आयोग ने दोनों गुटों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। जबकि अजित पवार गुट ने तुरंत अपना जवाब प्रस्तुत कर दिया था, आयोग ने शरद पवार गुट को अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिए 13 सितंबर तक की मोहलत दी थी। अजित पवार गुट ने 30 जून को चुनाव आयोग को सूचित किया था।

मोरक्को में भीषण भूकंप से कम से कम 296 लोगों की मौत

नई दिल्ली। अफ्रीकी देश मोरक्को में 9 सितंबर को सुबह-सुबह भूकंप ने भीषण तबाही मचा दी है। भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गयी। यह बेहद की तेज भूकंप था जिसने मिनटों में बड़ी-बड़ी इमारतों को धराशाही कर दिया। भीषण भूकंप ने चंद सेकेंट में 296 को निगल लिया। अभी तक मोरक्को में भूकंप में मरने वाली की संख्या लगभग 300 के आसपास बताई जा रही है। यह आंकड़ा बढ सकता है। अभी बचाव कार्य जारी है। ऐसे में मौत के आकड़े स्थाई नहीं है। उत्तर अफ्रीकी देश में भूकंप का केंद्र मोरक्को के मराकेश शहर से करीब 70 किलोमीटर दूर था। भूकंप इतना जोरदातर था कि उसका असर मराकेश से करीब 350 किलोमीटर दूर राजधानी रबात में भी महसूस किया गया। मोरक्को के भूभौतिकी केंद्र के अनुसार, हाई एटलस के इघिल क्षेत्र में 7.2 की तीव्रता के साथ आए शक्तिशाली भूकंप में प्रमुख शहरों में कई इमारतें और ऐतिहासिक स्थल क्षतिग्रस्त हो गए और कई अन्य गिर गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने रिचर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी और कहा कि यह 18.5 किमी की अपेक्षाकृत उथली गहराई पर था।

क्या अब भी तमिलनाडु को नफरत वाली सोच स्वीकार है?

गतांक से आगे...

तमिल श्यामला गोपालन की बेटी कमला हैरिस हों या रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में उभरे विवेक रामास्वामी, अमेरिकी राजनीति में आज ये लोग भारतीयता के गर्व के प्रतीक हैं। लेकिन कटु सत्य यह है कि वे उसी तमिल ब्राह्मण समुदाय से आते हैं, जिनके विरोध में पेरियार, अन्नादुरै, करूणानिधि और अब उदयनिधि की जुबान आग उगलती रही है या उगल रही है।

द्रविड़ विचारधारा की सौ साल की यात्रा में ईवी रामास्वामी %पेरियार% की नास्तिक विचारधारा ने ना सिर्फ हिंदू या सनातन धर्म को खारिज किया है, बल्कि आर्यसमाज आंदोलन, विवेकानंद के रामकृष्ण मिशन के साथ ही गांधी के सनातनी चिंतन पर भी हमला बोला। इस दौर में गांधी के साथ सबसे ज्यादा जिस विवेकानंद ने समानता आधारित सनातनी विचार को बढ़ावा दिया है, उनको भी पेरियार ने नहीं बख्शा। द्रविड़ आंदोलन ने उसे भी खारिज किया है।

अगर पेरियार की नास्तिकवादी विचारधारा और अन्नादुरै के द्रविड़ आंदोलन को देखें तो शुरू में वह ब्राह्मण विरोधी नजर आता है, बाद में वह उग्र हिंदी विरोधी हो जाता है। कई बार वह उत्तर भारत विरोधी भी होता नजर आता है। यह पूरा विरोध कुल मिलाकर सनातन या हिंदू दर्शन और धर्म का विरोध बनकर रह जाता है। ऐसे में सनातन धर्म उन्मूलन वाला उदयनिधि का बयान एक तरह से पेरियार और अन्नादुरै के आंदोलन का समेकित रूप है।

आज द्रविड़ आंदोलन के लगभग सौ साल बाद इस बात की समीक्षा जरूर होनी चाहिए कि आखिर द्रविड़ आंदोलन का हासिल क्या है? आज भारत को इंदिरा नूई, सुंदर पिचाई और विवेक रामास्वामी पर गर्व होता है तो क्या उनकी तमिल पहचान को मिटा दिया जाएगा? सवाल यह है कि क्या तमिलनाडु में ऐसी प्रतिभाएं नहीं पनप सकती थीं? अगर ये प्रतिभाएं तमिलनाडु में होती तो क्या वे मौजूदा राजनीतिक दर्शन के मुताबिक पल्लवित-पुष्पित हो सकती थीं?तमिलनाडु का जैसा राजनीतिक माहौल अभी है, उसमें ऐसा हो नहीं सकता था। इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण वर्तमान तमिल राजनीति की दुनिया है, जिसमें गिनकर चार ही नाम ब्राह्मण समुदाय से उभरे हैं। ये नाम हैं, सुब्रमण्यम स्वामी, मणिशंकर अय्यर, एस जयशंकर और निर्मला सीतारामन। इनमें सुब्रमण्यम स्वामी की राजनीति दिल्ली से उभरी है। बाकी तीनों के बारे में कहा जा सकता है कि अगर कांग्रेस और भाजपा के सर्वोच्च नेतृत्व की निगाह नहीं पड़ी होती तो क्या वे राजनीति की दुनिया में बड़े नाम बन सकते थे, इसके बावजूद कि वे अपने अपने क्षेत्र की योग्य प्रतिभाएं हैं।

रामास्वामी पेरियार और अन्नदुरै के आंदोलन के बरक्स राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आंदोलन को देखिए। संघ को वितंडा और विखंडनवाद से जोड़ कर देखा जाता है। अक्सर बांटने का आरोप उस पर लगाया जाता है। विडंबना ही है कि विखंडन का यह आरोप पेरियारवादी भी लगाते हैं, जिन्होंने समाज को उच्छृंखलता के हद तक बांटा और एक छोटे समुदाय को सबसे ज्यादा नकारात्मक तरीके से निशाना बनाया है।इसके उलट संघ समन्वय की विचारधारा पर चलता रहा। इसकी वजह से उसका विस्तार देखिए। वह तकरीबन पूरे भारत में फैल चुका है। वह समाज के तमाम वर्गों के बीच अपनी मजबूत पैठ बना चुका है। उसकी वैचारिकी देश की सत्ता की केंद्रीय ताकत बन चुकी है। लेकिन रामास्वामी पेरियार की वैचारिकी को देखिए, वह तमिलनाडु से बाहर अपने विस्तार के बारे में सोच भी नहीं सकती।

अब एक सवाल यह भी उठता है कि क्या तमिलनाडु अब भी वैसा ही है, जैसा 1960 के दशक में था, जब वह हिंदी और उत्तर भारत के विरोध के नाम पर उबल पड़ता था या ब्राह्मण विरोध में आगे आता था? इस सवाल का जवाब तलाशते वक्त उस पीढ़ी के विचार को भी जानना चाहिए, जिसने हिंदी विरोधी आंदोलन में हिंदी से किनारा कर लिया। अब उस पीढ़ी को हिंदी ना सीख पाने का अफसोस है। उसे लगता है कि ऐसा करके उसने अखिल भारतीय अवसर खोया है। इसीलिए वह पीढ़ी अगर चाहती है कि उसका बच्चा अखिल भारतीय सेवा में जाए तो हिंदी सिखाना नहीं भूलती।

इसलिए उदयनिधि की द्रविड़ वैचारिकी को आज देखना होगा कि उसकी सोच कहां पहुंची? क्या उसे तमिलनाडु अब भी वैसे ही स्वीकार करेगा जैसे एक दौर में स्वीकार कर चुका है?

मैं सीएम को हराने वाला हूं : विजय बघेल

सरगुजा संभाग के 14 विधानसभा क्षेत्रों में संकल्प पत्र के लिए लोगों का सुझाव लेने पहुंचे सांसद

अंबिकापुर। भाजपा के घोषणापत्र समिति के संयोजक और पाटन से भाजपा के प्रत्याशी सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रदेश में किसान प्रताड़ित हैं। किसानों के साथ दादागिरी करते हुए उन्हें वर्मी कंपोस्ट थमाया जा रहा है। प्रदेश में किसानों को धान की कीमत को लेकर झूठ बोला जा रहा है। उनका भरोसा नहीं है, कांग्रेस के लोग धान का समर्थन मूल्य पांच हजार भी बोल सकते हैं, उन्हें देना ही नहीं है।

सरगुजा संभाग के 14 विधानसभा क्षेत्रों में संकल्प पत्र के लिए लोगों का सुझाव लेने पहुंचे सांसद विजय बघेल ने कहा कि वे भाजपा का घोषणापत्र बनाने के लिए प्रदेश के सभी 90 विधानसभा तक पहुंचेंगे। भाजपा का सुझाव पेटी सभी विधानसभाओं में रखा गया है। सरगुजा संभाग में वे 13 सितंबर तक रहेंगे। घोषणा पत्र समिति लोगों के बीच में जा रही है और हम लोगों के मन की बात जान रहे हैं। हर वर्ग को सरकार से अपेक्षाएं रहती हैं। विजय बघेल ने कहा कि घोषणा पत्र से सरकार बनती है और नहीं बनती है। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने जनता के साथ धोखा और फरेब किया। उसका लोगों के मन में दर्द है पछतावा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, दैनिक वेतन भोगी

से लेकर मंत्रालय के कर्मचारी, किसान, बेरोजगार, युवाओं सभी में सरकार के प्रति आक्रोश है। बड़े उद्योगपति, व्यापार, डाक्टर, सीए, चेंबर ऑफ कामर्स के लोग हमें सुझाव दे रहे हैं। लोग समझ गए हैं कि भाजपा जो कहती है, करती है और कांग्रेस जो कहती है, करती नहीं है। विजय बघेल ने दावा किया भाजपा सरगुजा संभाग की सभी 14 सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

सांसद विजय बघेल ने सेंट्रल पूल में चावल खरीदी का कोटा घटाए जाने को लेकर कहा कि पिछले वर्षों में छत्तीसगढ़ में जितना चावल उत्पादन हुआ, उसे आधार बनाकर केंद्र सरकार ने कोटा तय किया है। हमारी सरकार आई तो खेती को उद्योग में बदला जाएगा। समर्थन मूल्य पर धान बेचने के अलावा किसान अपने चावल की मिलिंग कर स्वयं बेचेंगे। किसानों को मार्केटिंग प्लेटफार्म भी देंगे। बघेल ने कहा कि भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र जल्द जारी होगा। भाजपा का घोषणापत्र कांग्रेस से बेहतर होगा।

पाटन की जनता हराएगी मुख्यमंत्री को

पाटन विधानसभा चुनाव को लेकर सांसद विजय बघेल ने कहा कि पाटन की जनता मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को हराएगी। जिस मुख्यमंत्री से पूरा प्रदेश आज आक्रोशित है, उनसे पाटन की जनता आक्रोशित नहीं होगी क्या? उन्होंने कहा कि पाटन की जनता सबसे ज्यादा अभिषप्त है। पाटन की जनता अपने आप को ठगा महसूस कर रही है। पांच बार विधायक बनाकर भूपेश बघेल को जनता ने मुख्यमंत्री बनने का मौका दिया, जिसे वे अपनी गलती मान रहे हैं। पाटन की जनता मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को हराएगी। वे दो सीटों से लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, ऐसा भी मैंने सुना है।

जिसकी किस्मत में होगा बनेगा सीएम

इस सवाल पर कि क्या भाजपा के सत्ता आने पर वे मुख्यमंत्री कैंडिडेट होंगे इस पर सांसद विजय बघेल ने कहा कि मेरे मन में ऐसी कोई बात नहीं है। लोगों का प्यार है और मैं उसी रूप में रहना चाहता हूं। जिसकी किस्मत में होगा वे कमान संभालेंगे। हम अपना काम करेंगे।

मंत्री सिंहदेव सज्जन, लेकिन काम नहीं करते

भाजपा सांसद विजय बघेल ने टीएस सिंहदेव को लेकर कहा कि वे बहुत सरल एवं सीधे हैं। सज्जन हैं। लेकिन काम नहीं करते। विजय बघेल ने कहा कि कई मौकों पर वे अपना दर्द बयां करते हैं। सिंहदेव मुझे भी सम्मान देते हैं। वे आदरणीय हैं और शायद इसलिए भी सम्मान देते हैं कि मैं भूपेश बघेल को हराने वाला हूं।

दामापुर चौकी के सामने युवक का शव रखकर प्रदर्शन

पंडरिया। दामापुर चौकी के सामने सैकड़ों ग्रामीणों ने एक युवक का शव रखकर प्रदर्शन किया.इस युवक की मौत यूपी के चित्रकूट जिले में हुई थी।जिसका शव मारकुंडी थाना क्षेत्र के रेलवे ट्रैक पर मिला था। परिजनों का आरोप है कि युवक ने गांव की जिस लड़की को भगाकर शादी की थी उसके पिता ने ही हत्या के बाद शव को रेलवे ट्रैक में फेंका है।क्योंकि लड़की का पिता युवक और अपनी बेटी को लखनऊ से वापस ट्रेन में ला रहा था।वहीं इस मामले में पुलिस ने परिवार को जांच का भरोसा दिया है।वहीं प्रदर्शन को देखते हुए थाने के सामने भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

पूरा मामला थाना कुंडा के दामापुर चौकी के टाटाकासा गांव का है। पुलिस के मुताबिक कुंवर सिंह यादव ने गांव की ही एक लड़की को लेकर भाग गया। इसके बाद लड़की के पिता ने 14 अगस्त को थाने में बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। 5 सितंबर को लड़की और लड़के की लोकेशन लखनऊ यूपी में मिली।जिसके बाद लड़की के पिता पुलिस लेकर दोनों को लेने लखनऊ गए।जहां पता चला कि दोनों ने शादी कर ली है।इसके बाद पुलिस के साथ लड़की और लड़के को वापस लाया जा रहा था।तभी रास्ते में लड़का ट्रेन से नीचे उतर गया।अगले दिन लड़के का शव चित्रकूट के मारकुंडी रेलवे ट्रैक पर मिला।

मृतक कुंवर सिंह यादव के शव का पोस्टमार्टम करने के बाद युवक के शव को यूपी पुलिस ने दामापुर भिजवा दिया।जहां शनिवार को परिजन सैकड़ों की तादात में ग्रामीणों के साथ प्रदर्शन करने लगे।ग्रामीणों ने युवक के शव को थाने के सामने रखकर प्रदर्शन किया।इसके बाद स्थिति बिगड़ती देख थाने की सुरक्षा बढ़ाई गई।प्रदर्शनकारी दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

कांकेर की महिला शिक्षक 15 साल से बरसात में उफनती नदी पार कर बच्चों को पढ़ाने जाती हैं स्कूल

कांकेर। चारों तरफ घने जंगल, कमर तक पानी और हाथ में झोला। देखने में एक आम औरत। लेकिन ये आम औरत भविष्य गढ़ने का काम करती हैं। यानी ये एक टीचर हैं। वह कांकेर जिले के संवेदनशील क्षेत्र कोयलीबेड़ा के केसेकोडी गांव के स्कूल में पढ़ाती हैं, लेकिन स्कूल तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं है। खासकर बारिश के दिनों में काफी मुश्किल होती है।

इस महिला टीचर का नाम लक्ष्मी नेताम है। वह सरकारी स्कूल में टीचर हैं। अक्टूबर 2008 में उनकी सरकारी नौकरी लगी। पहली पोस्टिंग कांकेर जिले के नक्सल संवेदनशील कोयलीबेड़ा के केसेकोडी प्राथमिक स्कूल में हुई, तब से ये उसी स्कूल में हैं। यानी पिछले 15 साल से लक्ष्मी उसी स्कूल में पढ़ा रही हैं। स्कूल में 20 बच्चे हैं। जिन्हें पढ़ाने के लिए लक्ष्मी परेशानी के बावजूद हर रोज स्कूल पहुंचती है। ज्यादा दिक्कत बारिश के दिनों में होती है, बारिश के समय लक्ष्मी को नदी पार कर स्कूल जाना पड़ता है। बारिश में होने वाली परेशानी के बावजूद इस महिला टीचर के अपना ट्रांसफर शहर या उसके आसपास नहीं कराने के पीछे भी बड़ी वजह है।

लक्ष्मी नेताम ने कहा मैं तो खुद आमाबेड़ा जैसे जंगल गांव की रहने वाली हूं। मैं बचपन से खुद समस्याओं के बीच रहकर पढ़ी हूं। इस वजह से इस क्षेत्र के बच्चों की परेशानी अच्छे से समझती हूं। मेरी नौकरी भी जंगल में ही लगी

है। मैं बस अपनी ड्यूटी कर रही हूं।

आम दिनों में तो किसी तरह लक्ष्मी अपनी स्कूटी से ऊबड़ खाबड़ रास्ते को पार करते हुए स्कूल पहुंच जाती है। लेकिन बारिश के दिनों में स्कूल पहुंचना काफी मुश्किल होता है। कोयलीबेड़ा से नदी तक महिला टीचर अपनी गाड़ी से आती है। फिर नदी पार कर केसेकोडी स्कूल तक पैदल जाना पड़ता है। कई बार तेज बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ जाता है। कई बार तो ऐसा हुआ है कि छाती व गले तक पानी को पार कर उसे स्कूल पहुंचना पड़ा है।

लक्ष्मी नेताम के सेवा काल में एक बार ऐसा भी समय आया जब वह किसी तरह से नदी पार कर कोयलीबेड़ा से केसेकोडी तक तो चली गई लेकिन वापस लौटते समय नदी में बाढ़ आ गई। ऐसे में उसे पास के गांव मरकानार लौटना पड़ा। शाम होते तक भी बाढ़ का पानी नहीं उतरने पर उस रात लक्ष्मी अनजान लोगों के घर ही रुकी।

गरीब बच्चों को करती है मदद- लक्ष्मी बताती हैं कि जिस स्कूल में वो पढ़ाती है। वहां 20 बच्चे हैं। कई बच्चे काफी गरीब है। जो पेन पेंसिल भी नहीं खरीद पातें। उन्हें वो अपनी सैलरी से पढ़ने लिखने के लिए पेन पेंसिल, कॉपी लेकर देती है। साथ ही किसी भी हालत में स्कूल नहीं छोड़ने की सलाह देती हैं।

दूसरे टीचर भी नदी पारकर पहुंचते हैं स्कूल- कोयलीबेड़ा से नदी पारकर स्कूल पहुंचने वाली लक्ष्मी नेताम अकेली शिक्षिका नहीं है। उनके साथ पांच पुरुष शिक्षक भी है, जो इसी तरह बारिश के मौसम में बाढ़ के पानी को पार कर स्कूल पहुंचते हैं। इसके अलावा अन्य विभागों में काम करने वाले कर्मचारियों को भी ऐसे ही नदी पार करनी पड़ती है।

ऐसे शिक्षकों को मोटिवेट करने की जरूरत- नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों को सरकार फ्री कोचिंग दे रही है। इस कोचिंग के जरिए बच्चे नवोदय और सैनिक स्कूल की इंट्रेंस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में हुई बातचीत में बच्चों ने बड़े होकर टीचर और डॉक्टर बनने की इच्छा जाहिर की। कुछ बच्चों ने बताया कि वे टीचर बनकर अपने गांव में ही पढ़ाना चाहते हैं। वहीं कुछ बच्चों ने डॉक्टर बनकर गांव के लोगों का इलाज करने की बात कहीं। लक्ष्मी नेताम ने भी अपनी पढ़ाई के दौरान ऐसा ही कुछ सोचा होगा, जिसे आज वो पूरा कर रही हैं। जरूरत है ऐसे शिक्षकों को प्रेरित और सम्मानित करने की ताकि उन्हें कभी भी ये काम करने में खींज महसूस ना हो और वो दूसरे शिक्षकों के लिए प्रेरणा बने।

सुकमा में 6 भालुओं ने खेत से लौट रहे व्यक्ति पर किया हमला, हालत गंभीर

सुकमा। बस्तर संभाग का सुकमा जिला नक्सल प्रभावित होने के साथ ही जंगली जानवरों से भरा पड़ा है। जिससे यहां के ग्रामीणों का सामना अक्सर जंगली जानवरों से हो जाता है। मानसून के दिनों में जंगली जानवरों का खतरा और भी बढ़ जाता है। शुक्रवार को सुकमा में एक ग्रामीण पर भालुओं के झुंड ने हमला कर दिया। जिससे ग्रामीण मरने की कगार पर पहुंच गया है।

सुकमा जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर बेलवापाल गांव का निवासी मांडवी हूंगा अपने घर से फसल देखने के लिए खेत की ओर गया था। शाम को खेत से वापस लौटते समय अचानक भालुओं का झुंड उसके सामने आ गया। एक दो नहीं बल्कि 6 भालुओं ने उसे घेर लिया। वो अकेला था और उसके चारों तरफ इतने सारे भालु। इसे देखकर वह घबरा गया। तुरंत सभी भालुओं ने उस पर हमला कर दिया और उसे नोंचने लगे। हमले के दौरान ग्रामीण जोर जोर से चीखने लगा। उसकी आवाज सुनकर आसपास के खेत में मौजूद लोग दौड़े दौड़े आए और हल्लाकर भालुओं को भगाया।

भालू तो भाग गए लेकिन तब तक मांडवी हूंगा गंभीर रूप से घायल हो चुका था। भालुओं ने उसके मुंह, सिर, हाथों को

नोंच लिया था। लोगों ने 108 संजीवनी एक्सप्रेस को भालू के हमले की सूचना दी। जानकारी लगते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और उसे सुकमा जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने घायल ग्रामीण का प्राथमिक इलाज किया। घायल ग्रामीण की बुरी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बस्तर जिले के मेडिकल कॉलेज डिमरापाल रवाना कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि घायल ग्रामीण की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

मनेंद्रगढ़ में शहर में घूमता दिखा भालू

एमसीबी। मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में भालू के शहर में घूमने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसके बाद लोग दहशत में हैं। ये वीडियो वायरल होने के बाद अक्सर शहर में सुबह शाम घूमने वाले लोग दहशत में हैं।

भालू के मनेंद्रगढ़ शहर में घूमने का वीडियो सामने आया। भालू शनिवार को मनेन्द्रगढ़ शहर के शासकीय विवेकानंद कॉलेज के पास घूम रहा था। इसी दौरान किसी ने इसका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। भालू के शहर में घूमने की जानकारी लोगों ने वन विभाग मनेंद्रगढ़ को दी है। वन विभाग भालू पर नजर बनाए हुए हैं।

कोरिया, मनेंद्रगढ़, सूरजपुर, कांकेर, और बस्तर में शहर के आसपास बस्ती से सटी पहाड़ी व जंगल में साल 2015 में भालुओं के लिए जामवंत योजना के तहत रहने योग्य बनाया गया। लाखों रुपये खर्च कर भालुओं की पसंद के पेड़ लगाए गए। इन पेड़ों में अमरूद, जामुन, बेर, मकोय, गुलर व आम के पौधे लगाए गए ताकि इनसे भालू अपना पेट भरकर जंगल में ही रहे। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। देखभाल के अभाव में पौधे सूख गए। जिससे भोजन पानी की तलाश में भालू जंगल से निकलकर शहर और गांवों की ओर आ रहे हैं। इससे कई बार लोगों की जान भी खतरें में पड़ रही है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

छत्तीसगढ़ के न्यायाधीशों के तबादले किए गए

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जिला एवं

सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार साहू का बलरामपुर-रामानुजगंज तबादला किया है। उनकी जगह पर फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रमाशंकर प्रसाद पदस्थ किए गए हैं। रायपुर के सीजेएम भूपेंद्र कुमार वासनीकर का कांकेर, राजनांदगांव के सीजेएम दिग्विजय सिंह को रायपुर तथा कबीरधाम के एसीजेएम ओम प्रकाश साहू का राजनांदगांव स्थानांतरण किया गया है। रायपुर की सिविल जज दिव्या गोयल को सक्ती तथा बिलासपुर में सिविल जज नीरज श्रीवास्तव का रायगढ़ तबादला किया गया है। सिविल जज एंट्री लेवल पर खुशबू जैन को महासमुंद में पोस्टिंग दी गई है।

5-6 हजार किसान रोज करा रहे आधार कार्ड की एंट्री

बेमेतरा। पहले से पंजीकृत किसानों को धान बेचने हेतु इस वर्ष 2023-24 में धान पंजीयन के नॉमिनी नामांकन कर कैरी फारवर्ड करवाना अनिवार्य है क्योंकि धान बेचने हेतु आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अपनाया जाएगा। यदि किसान धान बेचने के लिए नॉमिनी को नामांकित करना चाहते है तो उन्हें अपने नॉमिनी का आधार की जानकारी भी समिति में अनिवार्य रूप से अपडेट करानी होगी। इससे किसानों को यह फायदा होगा कि किसान यदि धान बेचने आने में असमर्थ है तो उसके द्वारा भरा गया नॉमिनी मंडियों या सहकारी समिति केन्द्रों में धान बेच सकते हैं। रोज़ 5000-6000 कृषकों के द्वारा आधार कार्ड नंबर की एंट्री कराई जा रही है। विगत वर्षों में धान विक्रय करने वाले किसानों का नॉमिनी जुड़वाना और आधार बायोमैट्रिक अनिवार्य किया गया है। उप संचालक कृषि श्री मोरध्वज डड़सेना ने सभी समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले किसानों से अपील की है कि अपने आधार कार्ड एवं नॉमिनी के आधार कार्ड नंबर की एंट्री सहकारी समितियों में शीघ्र ही कराये।

11 को मुक्तिबोध की पुण्यतिथि पर व्याख्यान का आयोजन

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील लेखक संघ

भिलाई-दुर्ग द्वारा 11 सितंबर को स्व. गजानन माधव मुक्तिबोध की पुण्यतिथि पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर-7 स्थित कल्याण कॉलेज में दोपहर 12 बजे से किया गया है। यह जानकारी छत्तीसगढ़ प्रगतिशील लेखक संघ भिलाई-दुर्ग द्वारा दी गई। व्याख्यान माला के प्रमुख अतिथि वक्ता वरिष्ठ आलोचक प्रोफेसर सियाराम शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार श्री रवि श्रीवास्तव होंगे। इनके अलावा वरिष्ठ कथाकार डा. नलिनी श्रीवास्तव, संस्मरण और विशेष अतिथि के रुप में प्रोफेसर आरपी अग्रवाल (प्राचार्य कल्याण महाविद्यालय) उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कथाकार लोक बाबू करेंगे।

नाव पलटने से लापता सभी को सकुशल बचा लिया गया

दंतेवाड़ा। बारसूर थाना क्षेत्र के कोडनार घाट में नाव पलटने से इसमें सवार 7 ग्रामीण लापता हो गए थे। मिली जानकारी के अनुसार इसमें से एक ग्रामीण तैरकर सबसे पहले बाहर आने में कामयाब हुआ इसके बाद दो अन्य ग्रामीण भी तैरकर बाहर आ गये, बाकी बचे चार ग्रामीणों को एसडीआरएफ की टीम ने चार घंटे के बाद सकुशल बचा लिया इस तरह लापता सभी सातों ग्रामीण बच गए हैं। बता दें कि ये हादसा उस समय हुआ था जब सभी ग्रामीण बारसूर साप्ताहिक बाजार से लकड़ी की डोंगी पर सात लोग सवार होकर वापस लौट रहे थे, तभी बीच नदी में नाव पलट गई थी। जिसमें सवार चार लोग एक बजे से पांच बजे तक एक पेड़ के सहारे ही बीच नदी में फंसे रहे। एसडीआरएफ की टीम पहुंचने के बाद बीच नदी से चारों ग्रामीणों को निकाला गया। वहीं तीन ग्रामीण जिसमें गंगू व अन्य तैर कर नदी से निकलने में कामयाब हो गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इंद्रावती नदी में सात ग्रामीणों केडूबने की खबर के बाद एसपी दंतेवाड़ा सहित जिला प्रशासन अमला मौके पर पहुंचा।

खेमेश्वरी बैंकिंग सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत दूरस्थ क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने वाली प्रदेश की बीसी सखियों को विगत दिवस सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मैनपुर विकासखंड के धुरवागुडी पंचायत की श्रीमती खेमेश्वरी तिवारी को भी दूरस्थ क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने और स्थानीय लोगों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए सर्वाधिक लेन देन करने के मामले में डिजिटल मड़ई में पुरस्कृत किया गया। श्रीमती तिवारी बैंक सखी के रूप में कार्य करते हुए 22 लाख रुपए से अधिक की राशि मासिक औसत लेन देन की है। इसके माध्यम से वह दूरस्थ क्षेत्रों के गावों में जाकर पेंशन, छात्रवृत्ति और आधार संबंधित वित्तीय लेन देन की घर पहुंच सेवाएं प्रदान कर रही है। जिससे ग्रामीणों को घर पहुंच बैंकिंग सेवाएं मिल रही है। रायपुर में आयोजित डिजिटल मड़ई कार्यक्रम में सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग आर प्रसन्ना और अधिकारियों की उपस्थिति में श्रीमती तिवारी को सम्मानित किया गया।

बसना विधानसभा की सीट पर आदिवासी वोटर्स का दबदबा

महासमुंद। छत्तीसगढ़ की बसना विधानसभा सीट एक सामान्य सीट है, जो महासमुंद जिले में आती है। बसना विधानसभा सीट कांग्रेस पार्टी का गढ़ मानी जाती है। छत्तीसगढ़ अलग राज्य बनने के पहले से ही बसना में यहां के राजा महेंद्र बहादुर सिंह कांग्रेस से विधायक रहे। जिसके बाद विधायक के रूप में उनके भतीजे देवेंद्र बहादुर सिंह यहां से विधायक हैं। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर इस सीट से भाजपा ने अभी तक प्रत्याशी की घोषणा नहीं की। कांग्रेस पार्टी एक बार फिर राजपरिवार के साथ आगे बढ़ सकती है। यहां से मौजूदा विधायक देवेंद्र बहादुर को कांग्रेस दोबारा प्रत्याशी बना सकती है।

यहां पिछले विधानसभा चुनावों पर नजर डालें, तो 1993 में यहां वर्तमान विधायक देवेंद्र बहादुर सिंह के चाचा महेंद्र बहादुर सिंह विधयक बने, जो इस रियासत के राजा भी थे। वह 1993 से 1998 तक निर्दलीय विधायक रहे। जिसके बाद 1998 में दूसरी बार कांग्रेस से विधायक बने। 2003 के चुनाव में भाजपा के त्रिविक्रम भोई ने महेंद्र बहादुर को 2 हजार से भी ज्यादा मतों से हराकर इतिहास रच दिया। 2008 के चुनाव मे कांग्रेस से महेंद्र बहादुर सिंह के भतीजे देवेंद्र बहादुर को जीत मिली। 2013 के विधानसभा चुनाव में रूप कुमारी चौधरी ने कांग्रेस के देवेंद्र बहादुर को 6 हजार 239 मतों के अंतर से हरा दिया। 2018 विधानसभा में राजघराने से देवेंद्र बहादुर सिंह फिर विधायक चुने गए।

बसना विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 15 हजार 140 मतदाता है। जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 1 लाख 8 हजार 306

है। वहीं पुरुष मतदाताओं की संख्या 1 लाख 6 हजार 829 है। इनमें ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या 5 है।

जातिगत समीकरण- बसना विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक मतदाता आदिवासी समाज से आते हैं, जिनकी संख्या 65 हजार है। वहीं कोलता समाज के मतदाताओं की संख्या 40 हजार है। अघरिया समाज के लगभग 30 हजार मतदाता हैं। यहां के मतदाता सिर्फ विकास को देखकर अपना विधायक चुनते है। पिछले 2018 के चुनाव में यहां 85 ।85 प्रतिशत मतदान हुआ था।

समस्याएं- बसना में सड़कों, पुलों, सरकारी भवनों के जरिए विकास की चमक तो पहुंची है। लेकिन कुछ क्षेत्रों में गर्मी के मौसम में पेयजल का संकट अब भी बरकरार है। यहां के लोग किसानी और वनोपज अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। किसानों के लिए खेतों की सिंचाई की समस्या अब भी बनी हुई है। गर्मी के दिनों में भूजल नीचे जाने से पानी की समस्या रहती है। वहीं रेललाइन से जोड़ने की सालों पुरानी मांग अभी भी अधूरी है। स्कूलों में शिक्षकों की कमी लगातार बनी रहती है। उच्च शिक्षा व्यवस्था भी चरमराई हुई है। साथ ही यहां औद्योगिक क्षेत्र नहीं है, जिससे गरीब वर्ग के लोग पलायन कर जाते है।

2018 चुनाव का नतीजा- विधानसभा चुनाव 2018 में बसना विधानसभा से कांग्रेस के देवेंद्र बहादुर सिंह ने आईएनडी प्रत्याशी सम्पत अग्रवाल को करीब 17 हजार वोटों से हरा दिया। वहीं दूसरे स्थान पर रहे आईएनडी प्रत्याशी सम्पत अग्रवाल को 50,027 वोट मिले। इस सीट पर भाजपा 36,394 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रही।

मनेंद्रगढ़ के सरकारी स्कूल में बच्चों की जान से खिलवाड़

■ साफ कराई जा रही पानी की टंकी, वीडियो वायरल

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। जिले के एक सरकारी स्कूल की छत पर बच्चों से टीचर ने टंकी साफ करवाया. बच्चों का टंकी साफ करते हुए वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने पर जब शिक्षक से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि प्यून नहीं आया है। इसलिए बच्चों को छत के ऊपर टंकी साफ करने के लिए भेजा गया। वीडियो वायरल होने के बाद स्कूल प्रशासन की ओर से सफाई दी जा रही है। स्कूल प्रशासन ने कहा है कि बच्चों के स्वास्थ्य के लिए उन्हें टंकी साफ करने को कहा है । इस पूरे मामले में स्कूल की लापरवाही सामने आ रही है।

दरअसल, ये पूरा वाकया जिले के ग्राम पंचायत लोहारी मिडिल स्कूल का है। बताया जा रहा है कि शिक्षक ने नल की टोटी से गंदा पानी आने पर छात्रों को टंकी साफ करने छत पर चढ़ाया। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखने को मिल रहा है कि स्कूल के छात्र टंकी पर चढ़कर गंदा पानी बाहर निकाल रहे हैं। ग्रामीणों ने इस बारे में बताया कि पिछले चार दिन से बारिश हो रही है। संभवत: छत पर काई जमी होगी। ऊपर से छत के ऊपर रखी टंकी पर चढ़ना, बच्चों के जान से खेलना है। जिला शिक्षाधिकारी अजय मिश्रा ने कहा मुझे जानकारी नहीं है। मैं रायपुर मीटिंग के लिए आया हूं।

बता दें कि इस मिडिल स्कूल में 90 बच्चों को पढ़ाने के लिए 5 शिक्षक तैनात हैं। इस बारे में गांव के उप सरपंच रामेश्वर साहू ने कहा कि मैंने बच्चों को ऊपर चढ़ा देखा और शिक्षक से पूछा, तो वे बोले प्यून नहीं आया है। यानी कि प्यून के न आने पर बच्चों से शिक्षक ने टंकी साफ करवाया है। बीईओ सुरेंद्र जायसवाल ने कहा मुझे जानकारी मिली है. वीडियो वायरल हुआ है, जो कि गलत है। इस पूरे मामले में स्कूल के प्रधान पाठक ने सफाई दी है। प्रधान पाठक सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि स्वच्छता पखवाड़ा चल रहा है। बारिश होने से नल की टोटी से गंदा पानी आ रहा था। बच्चे बीमार पड़ते, इसलिए टंकी को साफ करने के लिए बच्चों को चढ़ाया गया था।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

भाजपा से अभी सीट शेयरिंग फाइनल नहीं : कुमारस्वामी

बेंगलुरु। भाजपा के येदियुरप्पा के इस दावे के एक दिन बाद कि जद (एस) राजग गठबंधन में शामिल होने और कर्नाटक में चार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए सहमत हो गया है, पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि सीट-बंटवारे पर अभी चर्चा होनी बाकी है। हालांकि, उन्होंने पुष्टि की कि दोनों दल गठबंधन को लेकर सहमत हैं। 2024 की शुरुआत में होने वाले आगामी संसदीय चुनावों में एक साथ आ रहे हैं। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि जद (एस) और भाजपा दक्षिणी राज्य में लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने कहा, देवेगौड़ा जी हमारे प्रधान मंत्री से मिले और उन्होंने पहले ही लगभग 4 सीटें फाइनल कर ली हैं। मैं उनका स्वागत करता हूं। हालाँकि, आज जद (एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि येदियुरप्पा की टिप्पणी उनकी व्यक्तिगत प्रतिक्रिया थी।

सनातन धर्म पर हमला करना एक फैशन बन गया : नकवी

नईदिल्ली। सनातन धर्म पर द्रमुक नेताओं की टिप्पणियों पर हमला बोलते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि सनातन धर्म पर हमला करना निराश बिरादरी के लिए एक फैशन बन गया है, लेकिन उनका दिवालियापन उल्टा पड़ेगा। यहां भाजपा के राष्ट्रव्यापी मेरी माटी, मेरा देश अभियान में भाग लेते हुए नकवी ने कहा कि सनातन धर्म भारत की आत्मा है और जो लोग उस आत्मा पर हमला करने की कोशिश कर रहे हैं, वे नष्ट हो जाएंगे। नकवी के कार्यालय से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया कि अगर कोई पृथ्वी पर सबसे पुराने विश्वास सनातन धर्म पर हमला करता है, तो यह उनकी मानसिक बीमारी को दर्शाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, सनातन धर्म पर हमला करना कुंठित बिरादरी के लिए एक फैशन बन गया है, लेकिन सनातन को कोसने वाली ब्रिगेड का निंदनीय दिवालियापन उल्टा पड़ेगा।

भ्रष्टाचार मामले में चंद्रबाबू नायडू गिरफ्तार

हैदराबाद। भ्रष्टाचार के एक मामले में अपनी गिरफ्तारी के बाद चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और मामले की एफआईआर में उनके नाम का जिक्र नहीं है। इस बीच, उनके बेटे नारा लोकेश और पार्टी के अन्य नेताओं ने उनकी गिरफ्तारी का विरोध किया। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को शनिवार को कौशल विकास घोटाला मामले में भ्रष्टाचार के सिलसिले में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने गिरफ्तार कर लिया। मामले में टीडीपी विधायक और पूर्व मंत्री गंता श्रीनिवास राव और उनके बेटे गंता रवितेजा को भी गिरफ्तार किया गया था। अपनी गिरफ्तारी के बाद चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने कहा मैं लोगों और कैडरों दोनों से अनुरोध कर रहा हूं, मैंने आज कुछ भी गलत नहीं किया है।

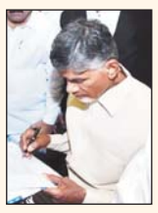

कांग्रेस में चंद्रबाबू की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया को लेकर असमंजस

हैदराबाद। भाजपा टीडीपी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देने वाली पहली पार्टियों में से एक थी। इसके राज्य प्रमुख दग्गुबाती पुरंदेश्वरी ने पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि यह उचित नोटिस दिए बिना, उनका नाम लिए बिना लिया गया था। जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने भी गिरफ्तारी की निंदा की है। पार्टी प्रमुख और अभिनेता से नेता बने के पवन कल्याण ने पुलिस की कार्रवाई को सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अलोकतांत्रिक शासन का प्रतिबिंब बताया। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष एस मस्तान ने कहा कि वे घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं और बाद में एक बयान जारी करेंगे। कल्याण ने अपने बयान में कहा कि आंध्र प्रदेश राज्य में बिना बुनियादी सबूत दिखाए देर रात गिरफ्तारी की व्यवस्था अपनाई जा रही है। सभी ने देखा कि पिछले साल अक्टूबर में विशाखापत्तनम में पुलिस ने हमारी पार्टी के साथ कैसा व्यवहार किया। हमारे जनसेना नेताओं पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाकर जेल में डाल दिया गया।

शरद पवार गुट ने अजित पवार पर साधा निशाना

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जब से रांकपा के कुछ विधायकों के शिंदे गुट में शामिल हुए हैं तब से चर्चाएं जोरों पर हैं कि शरद पवार की बनाई पार्टी टूट गई। लेकिन शरद पवार कई बार बोल चुके हैं कि उनकी पार्टी का कोई विभाजन नहीं हुआ है। वहीं, शनिवार को राकांपा के शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट ने कहा कि पार्टी में कोई विवाद नहीं है, सिवाय इसके कि कुछ शरारती व्यक्ति अपनी निजी महत्वाकांक्षाओं के लिए संगठन से अलग हो गए हैं। एक बयान में, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने कहा कि चुनाव आयोग (ईसी) ने अजित पवार द्वारा दायर एक याचिका पर उसकी प्रतिक्रिया मांगी थी, और पार्टी ने चुनाव आयोग को अपनी प्रारंभिक प्रतिक्रिया सौंपी थी। शरद पवार गुट ने कहा कि हमने अजित पवार के बार-बार आने वाले विरोधाभासी रुख को स्थापित किया है और कैसे उन्होंने बिना किसी कानूनी या भौतिक आधार के चुनाव आयोग के समक्ष दावा किया है। इसमें कहा गया है कि हमने चुनाव आयोग को सूचित किया है कि पार्टी के भीतर कोई विवाद नहीं है।

जी20 समिट के जरिए भारत को मिली नई पहचान

सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर हो रहा काम

नईदिल्ली। दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को जी20 शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्राध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक हो चुकी है। जी20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन को पूरी दुनिया में देखा है जिससे भारत का कद पूरी दुनिया में बढ़ा है। इस सम्मेलन में कई ऐसे पहलु सामने आए हैं जिन पर चर्चा होना बाकी है। विदेश मामलों से विशेषज्ञ रविंदर सिंह रॉबिन से प्रभासाक्षी के संपादक नीरज कुमार दुबे ने जी20 सम्मेलन के आयोजन, ग्लोबल साउथ, भारत, खालिस्तान जैसे कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए है।

भारत ने जी20 शिखर सम्मेलन को कूटनीतिक आयोजन में बदला है। पूरे साल भर में 60 शहरों में 200 बैठकों के आयोजन के साथ अब जी20 शिखर सम्मेलन की बैठक दिल्ली में हो रही है, जिसके साथ इसका समापन होगा। शिखर सम्मेलन में सभी राष्ट्राध्यक्षों के साथ संयुक्त बयान जारी करने का अहम पड़ाव अभी शेष है। इस संबध में विशेषज्ञ रविंदर सिंह रॉबिन ने कहा कि भारत के लिए सभी देशों को एक प्लेटफॉर्म पर लाना और साझा बायन जारी करना बड़ी चुनौती हो सकती है। दरअसल इस बार सम्मेलन कई मुद्दों पर बंटा हुआ है, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध सबसे बड़ा मुद्दा है। इस बार जी20 सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग ने हिस्सा नहीं लिया है, जिससे फैसला लेना मुश्किल हो सकता है।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हमेशा ही सबका साथ और सबका विकास की भावना से काम किया है। अब यही मंत्र वैश्विक स्तर पर भी देखने को मिल रहा है, जिससे उम्मीद है कि सभी नेता और देश एकजुट होंगे। कई देश रूस-यूक्रेन युद्ध के खिलाफ है, जिसे देखते हुए भारत सोच समझ कर काम कर रहा है।

ग्लोबल साउथ पर भी होगी चर्चा

इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में ही अफ्रीकन संघ जो कि 55 देशों का संघ है, उसे जी21 का हिस्सा बनाया गया है। हालांकि ये पहला मौका नहीं था जब अफ्रीकन संघ को जी21 में शामिल करने की पहल की गई हो। इससे पहले रूस और चीन भी अफ्रीकन संघ को जी20 में शामिल करने की मांग कर चुके है। मगर ये भारत की धरती पर भारत की अध्यक्षता में ही संभव हो सका है कि अफ्रीकन संघ को जी21 का सदस्य बनाया गया है। ऐसे में

अफ्रीकन संघ को जी21 में शामिल करने का श्रेय पूरी तरह से भारत को ही जाता है। मगर अब देखने को मिलेगा कि अफ्रीकन संघ को जी21 का हिस्सा बनाने की श्रेय लेने की होड़ भी देशों में लगेगी। अफ्रिकन संघ के जी20 में शामिल होने से विकसित देशों को भी नया बाजार मिलेगा। वहीं अफ्रिकन देश जो वर्तमान में वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं उनके लिए आने वाले समय में सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने साउथ ग्लोबल का जिक्र करते हुए कहा कि भारत कुछ ही समय में विकसित देशों की सूची में शामिल होगा। ऐसे में आने वाले समय में ग्लोबल साउथ भी बेहद अहम रहने वाला है।

खालिस्तान के मुद्दे पर बातचीत जरूरी

विदेश मामलों से विशेषज्ञ रविंदर सिंह रॉबिन ने कहा कि खालिस्तान को लेकर बातचीत होना कोई नई बात नहीं है। खालिस्तान को लेकर वर्षों से बात हो रही है। कई देशों का कहना है कि हम बोलने की स्वतंत्रता देते है। विभिन्न देशों में खालिस्तानियों द्वारा होने वाले प्रदर्शन पर सरकारें कहती है कि कानूनी दायरे में प्रदर्शन करने पर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। हिंसा होने की स्थिति में ही सरकार कदम उठा सकती है। उन्होंने कहा कि खालिस्तानियों को रोकने के लिए विभिन्न देशों को उनके खिलाफ सख्त कदम उठाने जरुरी है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी सदस्यता

गौरतलब है कि जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस भारत आए है। एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र परिषद का स्थायी सदस्य बनाने का फैसला करना सदस्यों देशों का कम है। सुरक्षा परिषद में कौन होगा और कौन नहीं ये फैसला मेरा नहीं है। हमें ऐसी सुरक्षा परिषद की आवश्यकता है जो दुनिया का प्रतिनिधित्व कर सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो सुरक्षा परिषद है वो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की दुनिया का प्रतिनिधित्व करती है। मगर आज की दुनिया बेहद अलग है।

बता दें कि आज के समय में भारत एससीओ, आसियान, समेत कई विभिन्न सम्मेलनों में अहम भूमिका निभाता है। अगर भारत को अन्य देशों का साथ मिल जाए तो भारत भी संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बन सकता है। हालांकि ये उपलब्धि हासिल करने के लिए भी खास प्रक्रिया का पालन करना जरुरी होगा।

जी20 नहीं जी21 कहिए, सम्मेलन में मोदी ने किया ऐलान, कहा- साथ मिलकर चलने का समय है

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का फोकस जी20 को जी21 बनाने पर है। इस बयान के बाद संभावना जताई जा रही है कि अफ्रीकन देश के ग्रुप को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अफ्रीकी देश को भी ग्रुप में आधिकारिक तौर पर शामिल करने पर बात करेंगे। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबके साथ की भावना से ही भारत ने ये प्रस्ताव सभी के समक्ष रखा था, जिसमें कहा गया था कि अफ्रीकन यूनियन को भी जी20 की स्थायी सदस्यका मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोदी ने विश्व नेताओं की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा कि मुझे भरोसा है कि इस प्रस्ताव पर हम सभी की सहमति है। सभी की सहमति से कार्यवाही शुरू होने से अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता के लिए आमंत्रित करते हैं। अफ्रीकी संघ को जी20 का सदस्य बनाने संबंधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रस्ताव इस प्रभावशाली समूह के सभी सदस्य देशों ने शनिवार को स्वीकार कर लिया। इसी के साथ ग्लोबल साउथ का यह प्रमुख समूह दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं के विशिष्ट समूह में शामिल हो गया। इसके बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर कोमोरोस संघ के राष्ट्रपति और अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष अजाली असौमानी को जी20 मंच की मेज पर उनकी सीट तक ले गए।

मेहमानों से हकीकत छुपाने की जरूरत नहीं : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को सरकार पर आरोप लगाया कि वह जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर और झुग्गियों को ढक रही है या ध्वस्त कर रही है। आवारा जानवरों को बंद कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे मेहमानों से भारत की हकीकत को छिपाने की कोई जरूरत नहीं है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें झुग्गियों को हरी चादरों से ढका हुआ दिखाया गया है। दो दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता भाग ले रहे हैं।

राहुल गांधी ने ट्विटर एक पोस्ट में कहा, भारत सरकार हमारे गरीब लोगों और जानवरों को छिपा रही है। हमारे मेहमानों से भारत की हकीकत को छिपाने की कोई जरूरत नहीं है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष वर्तमान में विदेश दौरे पर हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जी-20 का उद्देश्य विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की एक उत्पादक सभा होना है, जिसका मकसद वैश्विक समस्याओं से सहयोगात्मक तरीके से निपटना है। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भले ही इससे दूर हों, लेकिन प्रिंस प्रोटेमकिन (रूसी सैन्य शासक) झुग्गियों को या तो ढककर रख रहे हैं या उन्हें ध्वस्त कर दिया गया है, जिससे हजारों लोग बेघर हो गए हैं। प्रधानमंत्री की छवि को बचाने के लिए आवारा पशुओं को बेरहमी से पकड़ा गया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया।

विपक्षी दल ने झुग्गियों को ढंकने के वीडियो के अलावा जी 20 शिखर सम्मेलन से पहले आवारा कुत्तों और जानवरों के प्रति क्रूरता के वीडियो साझा किए। कांग्रेस द्वारा साझा किए गए वीडियो में एक झुग्गी निवासी ने कहा, सरकार हमें कीड़े मानती है। क्या हम इंसान नहीं हैं। पार्टी ने एक्स पर कहा, जी-20 से पहले मोदी सरकार ने अपनी नाकामी छिपाने के लिए उनके घरों को पर्दे से ढक दिया है, क्योंकि

राजा गरीबों से नफरत करता है।

कांग्रेस ट्वीट किया, जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारी के दौरान मोदी सरकार द्वारा सड़क पर बेगुनाह कुत्तों के साथ की गई क्रूरता को देखने के लिए यह वीडियो देखें। उन्होंने कहा, कुत्तों को उनकी गर्दन से घसीटा जा रहा है, डंडों से पीटा जा रहा है और पिंजरों में डाला जा रहा है। उन्हें भोजन और पानी से वंचित किया जा रहा है, और उन्हें अत्यधिक तनाव और भय के अधीन किया जा रहा है। विपक्षी दल ने कहा, यह जरूरी है कि हम इस तरह के भयावह कृत्यों के खिलाफ आवाज उठाएं और इन बेजुबान पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करें।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक वीडियो शेयर कर पूछा कि क्या जी20 नेताओं के भारत पहुंचने पर क्या वाकई एड शीरन का शेप ऑफ यू बजाया जा रहा था। श्रीनेत द्वारा साझा किए गए वीडियो में शेप ऑफ यू का शास्त्रीय गायन सुना जा सकता है। एक अन्य वीडियो शेयर करते हुए श्रीनेत ने कहा कि ओमान के राष्ट्राध्यक्ष अजीब लग रहे थे और सांस्कृतिक समारोह में अचानक चले गए। श्रीनेत ने कहा, आखिर हमारे राजनयिकों के साथ क्या गलत है? क्या मेहमानों की संस्कृति संवेदनशीलता पर कोई इनपुट और पृष्ठभूमि नहीं की गई है? ओमान राज्य के प्रमुख अजीब लग रहे थे और अचानक चले गए।

खेल
प्रमुख समाचार

टीम इंडिया और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला आज

कोलंबो। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम रविवार को एशिया कप में दूसरी बार पाकिस्तान से भिड़ेगी। भारतीय टीम प्रबंधन का ध्यान टीम के लक्ष्यों पर तो लगा हुआ है लेकिन साथ ही वह पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर अपने सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों को उतारना चाहेगा। लेकिन इसके लिए उन्हें राहुल-किशन के चयन की पहेली का जवाब ढूंढने की जरूरत होगी। साथ ही वे उम्मीद करेंगे कि मुकाबले में बारिश की बाधा नहीं पड़े जिसके लिए सोमवार को विवादास्पद 'रिजर्व' दिन रखा गया है। सुपर फोर मैच में दोनों टीम दमखम दिखाएंगे। ग्रुप चरण मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। एशिया कप 2023 के सुपर फोर राउंड में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा। अगर वनडे में टीम इंडिया और पाकिस्तान आमने-सामने भिड़ंत की बात करें तो दोनों टीमों ने 133 मैच खेले हैं। भारत ने 55 मैच जीते हैं, जबकि पाकिस्तान ने 73 मुकाबले जीते हैं। एशिया कप टूर्नामेंट में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर रिकॉर्ड है। एशिया कप टूर्नामेंट (केवल वनडे) में 14 मुकाबलों में से भारत ने 7 मैच जीते हैं जबकि पाकिस्तान ने 5 मैच जीते हैं।

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

पाकिस्तान- बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला शफीक, फखर जमां, इमाम उल हक, सलमान अली आगा, इफ्तिखार अहमद, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद हारिस, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, फहीम अशरफ, हारिस रऊफ, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, शाहीन अफरीदी, सऊद शकील, तय्यब ताहिर (ट्रैवलिंग रिजर्व)।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

व्हीआई ने स्पेक्ट्रम उपयोग और लाइसेंस फीस का 50% चुकाया

नईदिल्ली। वोडाफोन आइडिया (व्हीआई) ने मार्च तिमाही में लाइसेंस और स्पेक्ट्रम का उपयोग करने के लिए अपनी सरकारी फीस का आधा भुगतान कर दिया है। उन्होंने दूरसंचार विभाग से यह भी वादा किया है कि वे जून तिमाही के लिए ब्याज सहित 90% फीस का धीरे-धीरे भुगतान करेंगे। सरकारी अधिकारियों ने कहा है कि यदि दूरसंचार कंपनी (टेल्को) अपने भुगतान वादों को पूरा करती है, तो दूरसंचार विभाग बैंक गारंटी का उपयोग नहीं करेगा। लेकिन अगर टेलीकॉम कंपनी भुगतान करने में विफल रहती है, तो दूरसंचार विभाग उन गारंटियों को भुना लेगा। इसके अतिरिक्त, दूरसंचार विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वे अभी तक कंपनी के लिए किसी भी संभावित निवेशक से नहीं मिले हैं। एक जानकार अधिकारी के मुताबिक, वोडाफोन आइडिया ने हमें सूचित किया है कि उन्होंने विभिन्न निवेशक समूहों के साथ बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

अडाणी समूह ने हरित अमोनिया हरित हाइड्रोजन के विपणन के लिए कोवा से मिलाया हाथ

नयी दिल्ली। अडाणी समूह ने शुक्रवार को कहा कि उसके उत्पादित हरित अमोनिया एवं हरित हाइड्रोजन के विपणन के लिए उसने जापानी व्यापारिक घराने कोवा समूह के साथ एकसंयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए हाथ मिलाया है। अडाणी समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया, 'अडाणी एंटरप्राइजेज के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अडाणी ग्लोबल पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर ने आठ सितंबर को कोवा होल्डिंग्स एशिया पीटीई लिमिटेड (सिंगापुर) के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए।' संयुक्त उद्यम में अडाणी और कोवा की 50-50 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। हालांकि समूह की तरफ सेसमझौते पर कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं मुहैया कराई गई।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 6000 एटीएम पर शुरू की यूपीआई सुविधा

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने देशभर में अपने करीब 6,000 एटीएम पर यूपीआई एटीएम सुविधा शुरू कर दी है। बैंक ने शुक्रवार को यह घोषणा की। बीओबी की ओर से जारी बयान के अनुसार, वह भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के समन्वय से एनसीआर कॉरपोरेशन द्वारा संचालित यूपीआई एटीएम शुरू करने वाला देश का पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है। बैंक ने कहा कि उनके व अन्य बैंकों के ग्राहक यूपीआई-सक्षम मोबाइल ऐप के जरिए अपने डेबिट कार्ड का उपयोग किए बिना बैंक ऑफ बड़ौदा यूपीआई एटीएम से नकदी निकाल सकते हैं। बयान के अनुसार, इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विड्रॉल (आईसीसीडब्ल्यू) तकनीक के जरिए यूपीआई एटीएम क्यूआर-आधारित निर्बाध नकदी निकासी संभव बनाता है, जिससे नकदी निकालने के लिए कार्ड की जरूरत नहीं होती है।

सात तक चरणबद्ध तरीके से खत्म हो जाएगा आईसीसीआर

मुंबई। आरबीआई इंक्रीमेंटल कैश रिजर्व रेशियो (आईसीसीआर) को चरणबद्ध तरीके से 7 अक्तूबर तक पूरी तरह खत्म करेगा। शनिवार को आईसीसीआर 25 फीसदी से कम किया जाएगा। इसके बाद 23 सितंबर को 25 फीसदी और हटा दिया जाएगा। बाकी 50 फीसदी सात अक्तूबर को हटाया जाएगा। दरअसल, 2000 रुपये के नोट को परिचालन से बंद करने के फैसले के बाद बैंकों में नकदी बढ़ गई थी। इसे नियंत्रित करने के लिए आरबीआई ने आईसीसीआर लागू किया था। जब भी बैंक में नकदी तेजी से बढ़ती है इससे निपटने को आरबीआई अतिरिक्त आईसीसीआर शुरू करता है। इसका मतलब बैंकों को पहले से तय सीमा से ज्यादा पैसा आरबीआई के पास रखना होता है। आईसीसीआर खत्म होने से बैंकों को उनका पैसा वापस मिलेगा। इससे बैंक ज्यादा कर्ज दे पाएंगे।

बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण पाने की कठिन है चुनौती

डॉ. जयंती लाल भण्डारी

इस समय बढ़ती हुई महंगाई लोगों की जेब पर भारी पड़ रही है। खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति संबंधी चिंताओं के बीच इस समय सऊदी अरब और रूस द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती के निर्णय से कच्चे तेल की कीमतें पिछले 10 माह के उच्चतम स्तर लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने से महंगाई की चुनौती और कठिन हो गई है।

ऐसे में सरकार के लिए महंगाई कम करना बड़ा मुद्दा बन गया है। यद्यपि केंद्र सरकार ने 29 अगस्त को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपए घटाकर बड़ी राहत दी है, लेकिन आम आदमी सरकार से खाद्य पदार्थों की कीमतों के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल के दामों में कुछ कमी की भी अपेक्षा कर रहा है।

हाल ही में 5 सितंबर को रिजर्व बैंक

ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जुलाई 2023 में जो मुद्रास्फीति सप्लाई चेन के झटकों के कारण ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है, उसे कम करने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुसार जून 2023 में जो खुदरा महंगाई दर 4 187 फीसदी थी, वह माह जुलाई में 15 महीने के उच्चतम स्तर 7 144 प्रतिशत पर पहुंच गई है। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण खुदरा महंगाई दर केंद्र सरकार के 6 प्रतिशत की तय ऊपरी सीमा से अधिक है।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 5 14 फीसदी कर दिया है। इस समय खाद्य कीमतों में तेज बढ़ोत्तरी के कई कारण उभरकर दिखाई दे रहे हैं। काला सागर अनाज समझौता खत्म करने के रूस के फैसले और गेहूं उपजाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में बारिश नहीं होने के कारण अनाज के दाम बढ़ गए हैं।

देश में फसलों पर सफेद मक्खी के प्रकोप और मानसूनी बारिश के असमान वितरण से भी सब्जियां महंगी हुई हैं। स्थिति यह है कि सीमित आपूर्ति के कारण देश में थोक गेहूं की कीमतें पिछले दो महीनों में तेजी से बढ़ी हैं। स्थिति यह है कि महंगाई नियंत्रण के इन विभिन्न प्रयासों के बावजूद अभी खाद्य महंगाई नियंत्रित नहीं है।

वित्त मंत्रालय ने भी जुलाई 2023 की अपनी रिपोर्ट में आगाह किया है कि वैश्विक तथा क्षेत्रीय अनिश्चितताओं और देश के भीतर आपूर्ति में अड़चनों की वजह से आने वाले महीनों में भी महंगाई ऊंची बनी रह सकती है। ऐसे में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति बढ़ाने और खुदरा महंगाई दर पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को अधिक कारगर उपायों के साथ आगे आना होगा। देश में जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज की जानी होगी। खाद्य पदार्थों के थोक एवं खुदरा व्यापारियों के लिए भी उपयुक्त भंडारण सीमा लागू की जानी होगी।

दुनिया में सहयोग बढ़ाने की भारत ने की पहल

चंद्रभूषण

बड़ी ताकतों की आपसी प्रतिस्पर्धा और उनमें आपसी सहयोग की जरूरतों के बीच उलझी दुनिया में जी20 एक ऐसे मंच के रूप में उभरा है, जहां असल राजनीति का खेल खेला जाता है। यह मंच दुनिया की जीडीपी का 85%, व्यापार का 75% और ग्लोबल वॉर्मिंग और व्यापक स्तर पर प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। इन देशों के बिना दुनिया आगे नहीं चल सकती। भारत की जी20 की अध्यक्षता इस मंच के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है। भारत को विश्व राजनीति के एक कठिन दौर में जी20 की अध्यक्षता मिली है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के कारण पश्चिमी देशों और रूस के बीच संबंध खराब हो गए हैं, शायद कोल्ड वॉर वाले दौर से भी बदतर हालात हैं आज। चीन-अमेरिका के संबंध ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं। भारत-चीन संबंध भी काफी ख़राब हो गए हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी कोविड से हुए नुकसान से उबरने के लिए संघर्ष कर रही है। जलवायु परिवर्तन के चलते आ रहीं आपदाएं दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाने लगी हैं। हाल में हुई जी20 मिनिस्टर लेवल की मीटिंगों में जिस तरह से सर्वसम्मति का दस्तावेज गायब रहा है, इस बैकग्राउंड में उसे अप्रत्याशित नहीं कहा जा सकता। अब इस बात को लेकर अनिश्चितता है कि दिल्ली में 9-10 सितंबर को हो रही लीडरशिप समिट एक संयुक्त मसौदा तैयार कर पाएगी या नहीं। एक तरफ रूस-चीन और दूसरी तरफ विकसित देशों के बीच जो खाई बन चुकी है, उसे पाटना मुश्किल लगता है। फिर भी, मौजूदा मतभेद भारत के इस अध्यक्षता काल की अहम उपलब्धियों की चमक कम नहीं करते। जी20 का भारत का कार्यकाल एक परिवर्तनकारी अजेंडे के लिए याद किया जाएगा जो यथास्थिति को चुनौती देता है और वैश्विक सहयोग की पुनर्कल्पना करता है। भारत की अध्यक्षता ने ग्लोबल साउथ (इसमें अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरेबियन, एशिया और ओशिनिया के क्षेत्रों के विकासशील देश शामिल हैं) पर ध्यान केंद्रित करके अभूतपूर्व काम किया है। ग्लोबल साउथ में दुनिया की सबसे अधिक आबादी रहती है। उनके सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं, लेकिन वे एक समृद्ध दुनिया बनाने का अवसर भी देते हैं। जी20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करने की वकालत करके भारत ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि ग्लोबल साउथ की आवाज न सिर्फ सुनी जाए, बल्कि इसे बढ़ावा भी दिया जाए। इसके अलावा, सतत विकास लक्ष्यों के लिए इन देशों को अधिक पैसा देने का आह्वान भी भारत द्वारा की गई एक बड़ी पहल है। जिस तरह से भारत ने इन देशों को इस मंच पर एक जगह दी है, उसे भविष्य के जी20 सम्मेलन नजरअंदाज नहीं कर सकते। कई लोग भारतीय अध्यक्षता में जी20 को 'फाइनेंस जी20' भी कहते हैं क्योंकि भारत ने अपनी प्रेसिडेंसी में पहले से कहीं अधिक स्पष्ट रूप से एक निष्पक्ष वैश्विक वित्तीय प्रणाली स्थापित करने के लिए मौलिक सुधार का आह्वान किया है। अनुचित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था की कड़वी सचाई यह है कि गरीब अफ्रीकी देश फिलहाल कर्ज पर अमेरिका की तुलना में चार गुना अधिक और अमीर यूरोपीय देशों की तुलना में आठ गुना अधिक ब्याज देते हैं। कर्ज संकट प्रबंधन, विश्व बैंक और अन्य बहुपक्षीय विकास बैंकों के सुधार और अंतरराष्ट्रीय वित्त प्रणाली के बदलाव पर भारत ने ठोस प्रस्ताव रखे हैं जिनका भविष्य में बहुत बड़ा असर होगा। भारत ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) की जरूरत पर जोर देने के लिए अपनी अध्यक्षता का उपयोग किया है।

मोदी को मिली ओबीसी राजनीति की काट

अजय सेतिया

नीतीश कुमार ने एनडीए में रहते हुए नरेंद्र मोदी के खिलाफ गड्ढा खोदना शुरू कर दिया था। नीतीश कुमार ने 2019 में ही लालू यादव के साथ सांठगांठ करके बिहार विधानसभा से जातीय जनगणना का प्रस्ताव पास करवा लिया था। अगले साल 2020 में एक बार फिर विधानसभा में प्रस्ताव पास करवाया गया। 2021 में वह बिहार का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले और उनसे आग्रह किया कि देश भर में जाति आधारित जनगणना होनी चाहिए। सरकार में शामिल प्रदेश भाजपा को भी मजबूरी में नीतीश कुमार और लालू यादव की मांग का समर्थन करना पड़ा था। लेकिन मोदी सरकार ने जाति आधारित जनगणना का प्रस्ताव ठुकरा दिया, तो नीतीश ने एलान किया कि बिहार में राज्य सरकार जाति आधारित जनगणना करवाएगी। 2022 में एनडीए से बाहर आकर लालू यादव के समर्थन से फिर मुख्यमंत्री बन गए, और पहला काम यह किया कि उन्होंने बिहार में जातीय सर्वे करवा भी लिया है। एक एप में सारी जानकारियाँ एकत्र कर ली गई हैं, जिसे नीतीश सरकार कभी भी जारी कर सकती है। जाति आधारित जनगणना का मूल उद्देश्य यह है कि ओबीसी वर्ग को उसकी जनसंख्या के आधार पर आरक्षण का लाभ दिया जाए। जो आंकड़े तैयार किए गए हैं, उनमें बताया जाएगा कि किस जाति की कैसी शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति है। जाति आधारित जनगणना करवा कर नीतीश कुमार और लालू यादव ने पूरे देश में हिन्दुओं को 1989 की तरह जातीय आधार पर बांटने की गहरी साजिश रची थी।

1989 में लालू यादव, शरद यादव और मुलायम सिंह के दबाव में ही वीपी सिंह सरकार ने मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करके ओबीसी आरक्षण लागू किया था, जिसके खिलाफ देश भर में दंगे भड़क उठे थे। स्वर्ण जातियों के अनेक छात्रों ने आरक्षण के खिलाफ आत्मदाह किया था। पूरे देश में जातीय वैमनस्यता पैदा हो गई थी और पूरा देश जातीय हिंसा की चपेट में आ गया था। उसके जवाब में मंडल आयोग की सिफारिशों से बिखरे हिन्दुओं को फिर से एकजुट करने के लिए भाजपा ने श्रीरामजन्मभूमि आन्दोलन को तेज किया और लालकृष्ण आडवानी ने श्रीराम रथयात्रा शुरू की। आडवानी का रथ जब बिहार पहुंचा तो बिहार के मुख्यमंत्री लालू यादव ने उन्हें गिरफ्तार करवा लिया था। जवाब में भाजपा ने वीपी सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया और वीपी सिंह सरकार गिर गई। इसी से कमंडल राजनीति का उदय हुआ, जिसके अंतर्गत रामजन्मभूमि आन्दोलन ने फिर से हिन्दुओं को एकजुट किया। 1992 में बाबरी ढांचा टूट गया, 1996 से भाजपा का ग्राफ बढ़ता गया और मंडल राजनीति का ग्राफ गिरता गया। धीरे धीरे यूपी में मुलायम सिंह की राजनीति खत्म हो गई, और बिहार में लालू के बाद नीतीश की राजनीति भी खत्म हो रही थी। इसीलिए दोनों ने एक बार फिर जाति आधारित राजनीति का दांव खेला है। इसे वे चुनावी जीत का मंत्र मानते हैं।

इसीलिए नीतीश कुमार, लालू यादव और अखिलेश यादव ने इंडी एलायंस की मुम्बई बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव में जाति आधारित जनगणना की मांग जुड़वाने की कोशिश की थी, जिसका ममता बनर्जी, केजरीवाल और उद्धव ठाकरे ने विरोध किया। जब प्रस्ताव में जाति आधारित जनगणना पर गहरे मतभेद हो गए तो प्रस्ताव ही पास नहीं हो सका। लेकिन बिहार की हो चुकी जातीय जनगणना चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के लिए भारी पड़ सकती है, यहाँ तक कि उसका असर उत्तरप्रदेश की चुनावी राजनीति पर भी पड़ सकता है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के हाथ में नीतीश, लालू, अखिलेश की जातीय राजनीति का माकूल जवाब मिल गया है। यूपीए शासनकाल के दौरान फरवरी 2014 में पिछड़ा वर्ग आयोग ने आरक्षण की वास्तविक स्थिति का आकलन करवाने की सिफारिश की थी, जिसे मनमोहन सरकार ने मंजूरी दे दी थी। आकलन यह किया जाना था कि ओबीसी वर्ग को आरक्षण का कितना लाभ मिला, किन जातियों को कितना लाभ मिला, और कौन सी जातियां लाभ उठाने से वंचित रह गई। इसका उद्देश्य था कि जो जातियां आरक्षण का लाभ उठाने में वंचित रह गई, उन्हें कैसे मुख्यधारा में लाकर लाभ दिया जाए। आयोग ने यह सब काम करवाने के लिए मनमोहन सरकार से बजट माँगा था, लेकिन मनमोहन सरकार पैसा अलॉट करती, उससे पहले ही लोकसभा चुनाव आ गए और कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई। खुद ओबीसी समाज से आने वाले नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, उन्हें पता था कि ओबीसी आरक्षण का लाभ कुछ जातियों तक ही सीमित रह गया था। इसलिए उन्होंने 2017 में दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस रोहिणी की अध्यक्षता में एक अध्ययन कमेटी बना दी। शुरू में कमेटी को अध्ययन के लिए सिर्फ 12 हफ्ते का समय दिया गया था, लेकिन जैसा कि होता है, कोई कमेटी अगर किसी पूर्व जज की अध्यक्षता में हो तो हफ्तों का काम सालों में होता है। कार्यकाल बढ़ते बढ़ते अब यह रिपोर्ट आ गई है।

जस्टिस रोहिणी ने यह रिपोर्ट 31 जुलाई को राष्ट्रपति को सौंपी है। छह साल की मेहनत से तैयार इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ओबीसी आरक्षण का लाभ सिर्फ दबंग जातियों ने ही उठाया है, अब उन जातियों को आरक्षण के लाभ से वंचित किया जाना चाहिए। यह रिपोर्ट अगले चुनाव में नीतीश-लालू की जातीय राजनीति की काट में मोदी के लिए तुरुप का पत्ता बन सकता है। जिसने ओबीसी राजनीतिक परिवारों की टेंशन बढ़ा दी है। यह रिपोर्ट संसद के विशेष सत्र में रखी जाएगी, और आरक्षण का लाभ उठाने वाली नेताओं की जातियों को देश के ओबीसी समाज में बेनकाब किया जाएगा। नरेंद्र मोदी और भाजपा को बिहार और उत्तर प्रदेश में लालू, नीतीश और अखिलेश की राजनीति की न सिर्फ काट मिल गई है, बल्कि पिछड़ी जातियां ही इन दोनों राज्यों में इन तीनों नेताओं के खिलाफ खड़ी हो जाएंगी। कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण का 95 फीसदी लाभ सिर्फ 25 प्रतिशत ओबीसी जातियों ने उठाया, जबकि अति पिछड़ी 75 प्रतिशत जातियों को कोई लाभ नहीं मिला। करीब 983 जातियों को सरकारी नौकरियों और कालेजों में एडमिशन का लाभ बिलकुल नहीं मिला। रिपोर्ट में देश की 2663 पिछड़ी जातियों की पहचान की गई है। इस रिपोर्ट में ओबीसी जातियों को तीन वर्गों में बांटने की सिफारिश की गई है, जिनमें करीब डेढ़ हजार जातियों को ए श्रेणी में रख कर उन्हें दस प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई है। ये वो जातियां हैं, जिन्हें पिछले 34 साल से ओबीसी आरक्षण का लाभ नहीं मिला। बी श्रेणी में उन एक हजार जातियों को रखा गया है, जिन्हें आरक्षण का लाभ बहुत ही कम मिला। सी श्रेणी में उन बाकी की डेढ़ सौ जातियों को रखा गया है जिन्होंने आरक्षण का 95 फीसदी लाभ उठाया है। यह रिपोर्ट ओबीसी के नाम पर 34 साल तक अपनी राजनीति चमकाने वालों को ओबीसी समाज में ही नंगा करने का काम करेगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

पाशुपतब्रह्मोपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

यह आकाश त्रिशक्ति युक्त (सत, रज, तम) मायारूप में मेरा ही स्वरूप है। मेरे सिवाय अन्य और कुछ भी नहीं है। तमोगुणी मायारूप- रुद्र हैं, विष्णु सतोगुणी मायारूप हैं और ब्रह्मा रजोगुणी माया रूप हैं। इन्द्रादि देवता रजोगुण एवं तमोगुण से ओत-प्रोत हैं। इनमें से कोई भी देव सात्त्विक नहीं हैं। एक मात्र केवल अघोर (शिव) ही सर्वसाधारण सामान्य रूप वाले हैं।

समस्त यज्ञों के कर्त्ता - पशुपति रुद्र भगवान् हैं, भगवान् विष्णु यज्ञ के अध्वर्यु हैं तथा इन्द्रदेव होता (मंत्र बोलने वाले) हैं। महेश्वर ब्रह्म के मानस रूप ब्रह्म ही इस यज्ञ के भोक्ता हैं। उस मानस ब्रह्म का रूप ही हंसः सोऽहं है। इस तन्मयता की प्राप्ति हेतु जो यज्ञ सम्पन्न किया जाता है, वही नाद अनुसंधान है। तन्मय (उस चैतन्यमयता) का विकार ही जीव है। [हंस साधना और सोऽहं साधना एक ही कही गई है। एक ओर से हंसः यही नाद दूसरी ओर से सोऽहं भाषित होता है। भाव रूप में मैं वह ही हूँ (हंसः) तथा वह मैं ही हूँ (सोऽहं) यह दोनों भाव तत्त्वतः जीव और ब्रह्म के एकत्व के ही बोधक हैं।]

(वह) हंस परमात्मा का स्वरूप है। (वह) हंस बाह्य एवं अन्त में विचरण करता रहता है। अन्तः के अनवकाश वाले स्थल में यह हंस सुपर्णमय (ईश्वर-परब्रह्म) रूप में विद्यमान रहता है। छियानवे तत्त्व तन्तुओं के रूप में व्यक्त होने वाला, चित् के तीन सूत्रों (सत, चित् आनन्द) से चिन्मय लक्षणों वाला त्रिगुणित होने से नौ तत्त्वों वाला, ब्रह्मा, विष्णु और महेश रूप तीन अग्नियों से संयुक्त, चिद् ग्रन्थियों से बँधा हुआ, अद्वैत ग्रन्थि (ब्रह्मग्रन्थि) से युक्त यज्ञ के सामान्य अंग-रूप में बाह्य एवं अन्तःकरण को प्रकाशित करने वाला यज्ञोपवीत, ब्रह्म के लक्षणों से युक्त हंस रूप है।

[यहाँ यज्ञोपवीत की व्याख्या ब्रह्मसूत्र के रूप में की गई है। स्थूल यज्ञोपवीत का निर्माण जिन चेतन तत्त्वों के आधार पर किया जाता है, यहाँ उनका उल्लेख ऋषि कर रहे हैं। यज्ञोपवीत बनाने में चार अंगुलों अथवा उस माप को किसी वस्तु पर कच्चे सूत्र के तीन तारों को 96 बार लपेटा जाता है। उसे बटकर तिहरन करके पुनः बटते हैं। इस प्रकार एक लड़ में 9 तार हो जाते हैं। इसे तीन लड़ों वाले यज्ञोपवीत रूप में ग्रथित किया जाता है। प्रारंभिक ग्रंथियों के बाद अंत में ब्रह्मग्रन्थि लगाई जाती है। इन्हीं का विश्लेषण ऋषि ने किया है। अन्य बातें तो मन्त्रार्थ में स्पष्ट हैं, केवल 96 तत्त्वों का उल्लेख नहीं है। इसका स्पष्टीकरण सामवेदीय छान्दोग्य परिशिष्ट में इस प्रकार दिया गया है तिथिवारञ्च नक्षत्रं तत्त्ववेदगुणान्वितम। कालत्रयं च मासाश्च ब्रह्मसूत्रं हि षण्णवम अर्थात् तत्त्व 25, गुण 3, तिथि 15, वार 7, नक्षत्र 27, वेद 4, काल 3 तथा मास 12 इस प्रकार कुल 96 तत्त्व वाला ब्रह्मसूत्र है।] इस प्रकार यह उपवीत के लक्षणों से युक्त सूत्र (ब्रह्मसूत्र) यज्ञ रूप है अर्थात् यह ब्रह्म का प्रतीक रूप है।

क्रमशः...

गोविन्द बल्लभ पंत

प्रदीप कुमार सिंह

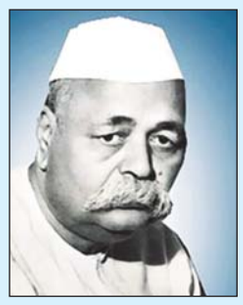

गोविंद बल्लभ पंत का जन्म 10 सितंबर 1887 कोअल्मोड़ा जिले के खूंट गांव के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। पिता की बचपन में मृत्यु हो गई। वह नाना बद्रीदत्त जोशी के साथ इलाहाबाद चले गए। यहीं पर पढ़ाई की। वह कांग्रेस के स्वयंसेवक का कार्य करते थे। उन्होंने 1907 में बीए और 1909 में कानून की डिग्री हासिल की।

भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत आधुनिक उत्तर भारत के निर्माता के रूप में याद किये जाते हैं। वह देश भर में सबसे अधिक हिन्दी प्रेमी के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने 4 मार्च, 1925 को जनभाषा के रूप में हिन्दी को शिक्षा और कामकाज का माध्यम बनाने की जोरदार मांग उठाई थी। महात्मा गांधी ने कहा था कि राष्ट्र भाषा के बिना देश गूंगा है। मैं हिन्दी के जरिए प्रान्तीय भाषाओं को दबाना नहीं चाहता किन्तु उनके साथ हिन्दी को भी मिला देना चाहता हूँ। पंत जी के प्रयासों से हिन्दी को राजकीय भाषा का दर्जा मिला। पंत जी ने हिन्दी के प्रति अपने अत्यधिक प्रेम को इन शब्दों में प्रकट किया है- हिन्दी के प्रचार और विकास को कोई रोक नहीं सकता। हिन्दी भाषा नहीं भावों की अभिव्यक्ति है।

पंत जी ने राजकीय सेवा की पारिवारिक परम्परा से हट कर देश सेवा के लिए अपने सम्पूर्ण जीवन को समर्पित कर दिया था। वे प्रखर वक्ता, नैतिक तथा चारित्रिक मूल्यों के उत्कृष्ट राजनेता, प्रभावी सांसद और कुशल प्रशासक थे। जमींदारी उन्मूलन उनकी सरकार का साहसिक निर्णय था जिससे लाखों किसानों का भाग्य बदल गया और वे उस जमीन के मालिक बन गए जिस पर हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद भी उनका कोई अधिकार नहीं था। निर्बलों के कल्याण, कमजोर को आर्थिक, सामाजिक न्याय और प्रदेश में नियोजित विकास की नींव रखने के लिए उन्हें सदैव स्मरण किया जाएगा।

एक वकील के रूप में आपके बारे में जग जाहिर था कि वह सिर्फ सच्चे केस लेते थे। वह झूठ पर आधारित मुकदमे स्वीकार नहीं करते थे। उन्होंने काकोरी कांड, मेरठ षड्यंत्र के क्रांतिकारियों के अलावा प्रताप समाचार पत्र के सम्पादक श्री गणेश शंकर विद्यार्थी के उत्पीड़न के विरोध में अदालतों में प्रभावशाली ढंग से पैरवी की थी। उन्होंने शक्ति नाम से एक साप्ताहिक समाचार पत्र निकाला जिसमें वह कुमायूँ की समस्याओं को उजागर करते थे। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने कुली बेगारी प्रथा के विरोध में अभियान चलाया। वह कलम के एक साहसी एवं वीर योद्धा भी थे। उन्होंने अपनी कलम को भी अंग्रेजी शासन को उखाड़ फेंकने के लिए एक सशक्त हथियार बनाया। पंत जी बाद में कुली बेगार कानून के खिलाफ साहसपूर्वक लड़े। कुली बेगार कानून में था कि लोकल लोगों को अंग्रेज अफसरों का सामान फ्री में ढोना होता था। पंत इसके विरोधी थे। अल्मोड़ा में एक बार मुकदमे में बहस के दौरान उनकी मजिस्ट्रेट से बहस हो गई। अंग्रेज मजिस्ट्रेट को भारतीय वकील का कानून की व्याख्या करना बर्दाश्त नहीं हुआ। मजिस्ट्रेट ने गुस्से में कहा, मैं तुम्हें अदालत के अन्दर नहीं घुसने दूंगा। पंत जी ने पूरे साहस के साथ कहा, मैं आज से तुम्हारी अदालत में कदम नहीं रखूंगा। पंत जब वकालत करते थे तो एक दिन वह चैंबर से गिरीताल घूमने चले गए। वहां पाया कि दो लड़के आपस में स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में चर्चा कर रहे थे। यह सुन पंत जी ने युवकों से पूछा कि क्या यहां पर भी देश-समाज को लेकर बहस होती है। इस पर लड़कों ने कहा कि यहां नेतृत्व की जरूरत है। पंत जी ने उसी समय युवाओं की आवाज बनने के संकल्प के साथ से राजनीति में आने का निश्चय कर लिया। वह दिसम्बर 1921 में महात्मा गान्धी के आह्वान पर असहयोग आन्दोलन में शामिल होकर खुली राजनीति में उतर आये। पंत जी ने 1914 में काशीपुर में प्रेमसभा की स्थापना करवाई और इन्हीं की कोशिशों से ही उदयराज हिन्दू हाईस्कूल की स्थापना हुई। 1916 में पंत जी काशीपुर की नोटीफाइड ऐरिया कमेटी में लिए गए। नेहरू जी को उनकी प्रखर बुद्धि तथा बहुमुखी प्रतिभा पर बहुत भरोसा था।

गठबंधन और अखिलेश के लिए घोसी जीत के मायने

मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल'

घोसी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की जीत से यूपी के सियासी समीकरण तेजी से बदलने की संभावना है! वैसे तो इस उपचुनाव का प्रदेश सरकार के अंकगणित पर सीधा प्रभाव तो नहीं पड़ेगा लेकिन उपचुनाव में जीत से विपक्ष को सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने का मौका मिल जाएगा। दारा सिंह चौहान पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से ही विधायक निर्वाचित हुए थे जिन्होंने हाल ही में विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया इसी कारण यह उपचुनाव हुआ। भाजपा ने जहां दारा सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाया वहीं समाजवादी पार्टी ने अपने पुराने नेता पूर्व विधायक सुधाकर सिंह पर दांव लगाया था जिसे उन्होंने जीत हासिल कर सदन में सपा की सदस्य संख्या को बरकरार रखा है। बीते दो सप्ताह राष्ट्रीय राजनीति की दृष्टि से बेहद चर्चित रहे। एक तरफ वन नेशन वन इलेक्शन वहीं दूसरी ओर इंडिया और भारत की बहस तेज हो गई। इतना ही नहीं दक्षिण के तमिलनाडु राज्य में मंत्री स्टालिन के सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी भी उपचुनाव के दौरान चर्चा के केंद्र में रही। इन मुद्दों को लेकर एनडीए और इंडिया गठबंधन मतदाताओं को अपने पाले में लाने के लिए तर्क गढ़ते रहे। चुनावी फैसला आने के बाद इसके प्रभाव का विश्लेषण किया जा सकता है। जो भाजपा के लिए अनुकूल नहीं दिखा।

समाजवादी पार्टी की जीत में कई निर्णयों का सकारात्मक असर रहा। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का चुनावी जनसभा, परिवार की एकता के रूप में प्रो. रामगोपाल यादव और शिवपाल यादव द्वारा चुनावी प्रबंधन संभालने के साथ गांवों में चौपालों का सम्बोधन का उपचुनाव पर बड़ा असर पड़ा। प्रशासन द्वारा समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं पर दबाव और रेड कार्ड के मुद्दे पर मुखर विरोध करते हुए लखनऊ में निर्वाचन आयोग में राजेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में सपा प्रतिनिधिमंडल एवं घोसी में स्थानीय स्तर पर इलेक्शन ऑब्जर्वर से शिवपाल यादव की अगुवाई में विधायकों के दल द्वारा मांग पत्र दिए जाने के प्रयासों से कार्यकर्ताओं का मनोबल मजबूत हुआ। जिससे सपा के आधार वोटर उत्साह से वोट दिए। यूपी उपचुनावों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनावी जनसभा के स्थान पर पार्टी संगठन को ही सक्रिय किए रहते थे। लेकिन मैनपुरी चुनाव के बाद उन्होंने अपनी रणनीति बदली। घोसी में अखिलेश यादव के चुनाव प्रचार में शामिल होने से जहां एक ओर पार्टी कैडर का मनोबल बढ़ा वहीं सत्ताधारी भाजपा पर दबाव पड़ा। जिससे मुख्यमंत्री की चुनावी सभा के साथ दोनों उपमुख्यमंत्री सहित एक दर्जन से भी अधिक मंत्री चुनाव क्षेत्र में डटे रहे। बावजूद इसके भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा।

घोसी जीत को कई मुद्दों पर स्पष्टता के तौर पर भी देखा जा सकता है। सपा की विजय ने अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) अभियान और जातीय जनगणना की मांग पर मुहर लगाया। साथ ही विपक्षी एकता को लेकर बने इंडिया गठबंधन को मनोवैज्ञानिक बढ़त दिला दिया। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने घोसी उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की तरफ से समर्थन जारी किया उसका भी चुनावी परिणाम पर असर पड़ा। हालांकि बसपा की दलित समाज से की गई अपील का प्रभाव देखने को नहीं मिला। बल्कि विपक्ष की ओर से एक प्रत्याशी होने का लाभ सपा को मिला।

बाईस के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को पूर्वांचल से महत्वपूर्ण जीत मिली थी जिसका परिणाम सीटों की बढ़ोत्तरी के रूप में दिखाई दिया। जिसको लेकर सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर अपने समाज के वोटों को लेकर बड़ा दावा करते हैं। लेकिन इस जीत ने उनके दावों की हवा निकाल दिया। हाल ही में भाजपा के साथ गठबंधन की घोषणा के बाद चुनावी प्रचार में उन्होंने सपा प्रत्याशी के करारी हार की घोषणा किया था लेकिन यह बयान भी हकीकत में नहीं बदल पाया। घोसी और यहाँ के समीपवर्ती जिले राजभर बहुल आबादी के है। बीते कुछ वर्षों में राजभर वोटों की राजनीति के नाम पर अति पिछड़ी जातियों में अपने मुखर बयान के कारण ओम प्रकाश राजभर चर्चा में आए। राजभर वोटों पर सुभासपा की पकड़ को इस चुनाव परिणाम ने कमजोर साबित कर दिया। जिसका परिणाम सुभासपा के राजनैतिक भविष्य, भाजपा के साथ गठबंधन और मंत्रिमंडल में शामिल होने की अटकलों को प्रभावित करेगा।

भाजपा प्रत्याशी दारा चौहान की चुनावी हार ने सत्ता के साथ चिपके रहने वाले नेताओं के विषय में जनता की राय का संकेतक ही समझा जा सकता है। सभी दलों की सवारी करते हुए बिना विचारधारा, दल और जनता की चिंता करने वाले नेताओं के लिए भी यह परिणाम एक सबक की भांति है। इस हार ने अति पिछड़ीं जातियों के नेता जो जाति की चुनावी सौदेबाजी करते हुए सिर्फ अपनी राजनैतिक महत्वाकांक्षा को पूरा करने में सक्रिय रहते हैं।उन्हे निराश कर दिया। अति पिछड़ी जातियों के नेताओं के भविष्य की दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण स्थापित करेगा। जिसका बड़ा स्वरूप लोकसभा चुनाव में बड़े दलों का अति पिछड़ी जाति के नेताओं से होने वाले गठबंधन पर पड़ेगा। या यूं कहे कि जाति के वोटों की सौदेबाजी करने वाले दलों की भूमिका कमजोर होगी।

घोसी उपचुनाव में भाजपा की हार में कई कारक उभरकर सामने आए हैं। मुख्यमंत्री के प्रभाव क्षेत्र पूर्वांचल में कई जातियों के कद्दावर मंत्रियों की सक्रियता का कोई ठोस प्रभाव नहीं पड़ना बीजेपी के लिए चिंताजनक है। पिछले विधानसभा चुनाव के पूर्व गुजरात काडर सिविल सेवा से राजनीति में आए यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री एके शर्मा अपने गृह जनपद में भूमिहार समाज के वोटों को भाजपा के पक्ष में कराने में असफल रहे। भाजपा द्वारा पार्टी के मूल नेताओं के स्थान पर सपा से आए विधायक को प्रत्याशी बनाने से भी घोसी उपचुनाव में रोष उभरकर सामने आया। केंद्र और राज्य में दूसरी बार सत्ता में आई भाजपा के लिए अपने असन्तुष्ट नेताओं और कार्यकर्ताओं को सहेजना कठिन होता जा रहा है। यह चुनावी परिणाम भाजपा में शक्ति असंतुलन का संदेश देने की भी कोशिश है। जिससे भाजपा के मूल कैडर की उपेक्षा का समाधान निकाला जा सके। यह उपचुनाव महंगाई, बेरोजगारी को लेकर जनता के आक्रोश के रूप में भी देखा जा सकता है। जिसपर दो सौ रुपये घरेलू सिलेंडर का दाम कम करने का भी असर नहीं पड़ा। इन चुनौतियों का लोकसभा चुनाव में सत्ताधारी दल के परिणाम और इंडिया गठबंधन के भविष्य पर क्या असर पड़ेगा यह देखना रोचक होगा?

हिन्द स्वराज

हिन्दुस्तान की दशा-2 (भाग-5)

गतांक से आगे...

प्रश्न-लेकिन दोनों कौमों के कट्टर वैर का क्या?

उत्तर-कट्टर वैर शब्द दोनों के दुश्मन ने खोज निकाला है। जब हिन्दू-मुसलमान झगड़ते थे तब वे ऐसी बातें भी करते थे। झगड़ा तो हमारा कब का बंद हो गया है। फिर कट्टर वैर काहे का? और इतना याद रखिये कि अंग्रेजों के आने के बाद ही हमारा झगड़ा बन्द हुआ ऐसा नहीं है। हिन्दू लोग मुसलमान बादशाहों के मातहत और मुसलमान हिन्दू राजाओं के मातहत रहते आये हैं। दोनों को बाद में समझ में आ गया कि झगड़ने से कोई फायदा नहीं, लड़ाई से कोई अपना धर्म नहीं छोड़ेंगे और कोई अपनी जिद भी नहीं छोड़ेंगे। इसलिए दोनों ने मिलकर रहने का फैसला किया। झगड़े तो फिर से अंग्रेजों ने शुरू करवाये। मियाँ और महादेव की नहीं बनती इस कहावत का भी ऐसा हो समझिये। कुछ कहावतें हमेशा के लिए रह जाती हैं और नुकसान करती ही रहती हैं। हम कहावत की धुन में इतना भी याद नहीं रखते कि बहुतेरे हिन्दुओं और मुसलमानों के बाप-दादे एक ही थे, हमारे अन्दर एक ही खून है। क्या धर्म बदला इसलिए हम आपस में दुश्मन बन गये? धर्म तो एक ही जगह पहुँचने के अलग-अलग रास्ते हैं। हम दोनों अलग-अलग रास्ते लें, इससे क्या हो गया उसमें लड़ाई काहे की ? और ऐसी कहावते तो शैवों और वैष्णवों में भी चलती हैं; पर इससे कोई यह नहीं कहेगा कि वे एक-राष्ट्र नहीं हैं। वेदधर्मियों और जैनों के बीच बहुत फर्क माना जाता है, फिर भी इससे वे अलग राष्ट्र नहीं बन जाते। हम गुलाम हो गये हैं, इसीलिए अपने झगड़े हम तीसरे के पास ले जाते हैं। जैसे मुसलमान मूर्तिका खंडन करने वाले हैं, वैसे हिन्दुओं में भी मूर्तिका खंडन करने वाला एक वर्ग देखने में आता है। ज्यों-ज्यों सही ज्ञान बढ़ेगा त्यों-त्यों हम समझते जायेंगे कि हमें पसन्द न आने वाला धर्म दूसरा आदमी पालता हो, तो भी उससे वैर भाव रखना हमारे लिए ठीक नहीं; हम उसपर जबरदस्ती न करे।

क्रमशः ...

द्रविड़ राजनीति के जवाब में मोदी का कलई वणक्कम

संजय तिवारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 अप्रैल 2018 को तमिलनाडु के कांचीपुरम् में डिफेन्स एक्सपो का उद्घाटन करने गये थे। अपने भाषण की शुरुआत उन्होंने कलई वणक्कम् से किया। तमिल में कलई वणक्कम् का अर्थ होता है सुप्रभातम। इसके बाद उन्होंने तमिल के महान कवि थिरुवल्लुवर की एक कविता की पंक्तियां भी पढ़ी, थोट्टानैथु थूरुम मनारकेनी मांधारकु, कत्रनैथु थूरुम अरिवु। अर्थात रेत और मिट्टी में आप जितनी गहराई में उतरते हैं, आप नीचे झरने तक पहुंचते हैं। जितना अधिक आप सीखते हैं, ज्ञान की मुक्त धाराएं बहती हैं। कांचीपुरम न केवल शंकराचार्य की पीठ के लिए विख्यात है बल्कि अलगाववादी द्रविड़ राजनीति के जनक कहे जानेवाले रामास्वामी पेरियार की नास्तिकता का संदेश देनेवाला केन्द्र भी है। उस कांचीपुरम में जब नरेन्द्र मोदी ने महान तमिल राज्य के लोगों को कलई वणक्कम् किया तो बहुत देर तक तालियों की गूंज होती रही। संभवत: तालियों की यह गूंज चेन्नई के मैलापुर तक पहुंची जहां डीएमके का संचालन करनेवाला करुणानिधि का परिवार रहता है।

अगस्त 2018 में जब करुणानिधि का निधन हुआ तो पीएम मोदी ने ट्वीट किया हमने एक ऐसा मास लीडर खो दिया जिनका जीवन गरीबों और वंचितों के लिए समर्पित था। इतना ही नहीं, जब करुणानिधि का स्वास्थ्य बहुत खराब हो गया था तब नवंबर 2017 में मोदी उनका कुशलक्षेम पूछने उनके आवास पर भी गये थे। एक ऐसी पार्टी जिसकी जड़ें आरएसएस में निहित हो उस पार्टी के पीएम द्वारा यह अपनापन पाकर डीएमके नेता भले अभिभूत हुए हों लेकिन चिंता भी जरूर गहराई होगी। क्या मोदी तमिलनाडु में अपनी पार्टी भाजपा की जड़ें जमाना चाहते हैं? जयललिता के निधन के बाद जिस तरह से मोदी की एआईएडीएमके के साथ नजदीकियां बढ़ीं, उसका फायदा भाजपा को सिर्फ दिल्ली में ही नहीं होनेवाला था। राज्य में पहली बार भाजपा को दो द्रविड़ दलों में से एक का पुरजोर समर्थन मिल रहा था जिसकी बदौलत भारतीय जनता पार्टी तमिलनाडु में राजनीतिक उपस्थिति महसूस करा सकती थी। लेकिन पीएम मोदी सिर्फ करुणानिधि परिवार से मिलने या उनकी मृत्यु पर शोकसंवेदना प्रकट करने वाली औपचारिकता तक सीमित नहीं रहे। वो तमिल राजनीति में उत्तर दक्षिण के गहरे विभाजन को समझते हैं। उन्हें संभवत: इस बात का भी बखूबी अहसास था कि तमिलनाडु में संस्कृत और तमिल के बीच विभाजक रेखा खिंची हुई है जिसे सिर्फ तभी मिटाया जा सकता है जब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तमिल भाषा और तमिल संस्कृति का

गुणगान किया जाए।

समय समय पर मोदी को जब भी मौका मिला तमिल भाषा और तमिल संस्कृति ही नहीं चोल राजवंश की भूरि भूरि प्रशंसा करते रहे। सितंबर 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिये अपने भाषण में तमिल को विश्व की प्राचीनतम भाषा बताते हुए तमिल कवि कनियन पुंगुदरानर की एक कविता का उल्लेख किया यदुम ऊरे यावरुम केलिर, जिसका अर्थ है हम सभी स्थानों और सभी के हैं। मोदी ने तमिल कविता का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमाओं से परे अपनेपन की यह भावना भारत के लिए अद्वितीय है। इसके अगले महीने 11 अक्टूबर 2019 को प्रधानमंत्री मोदी ने महाबलीपुरम में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का स्वागत किया। यहां वो पारंपरिक तमिल वेशभूषा में पहुंचे थे जो इस बात का संकेत था कि वो भारत की तमिल संस्कृति का कितना सम्मान करते हैं। इसी साल जनवरी में दिल्ली में छात्रों से बात करते हुए उन्होंने तमिल को दुनिया की सबसे पुरानी भाषा बताया। इसी साल जुलाई महीने में पीएम मोदी जब फ्रांस के दौरे पर थे तब एक बार फिर उन्होंने भारतीय समुदाय के लोगों से संवाद करते हुए कहा था कि तमिल दुनिया की सबसे पुरानी भाषा है। एक भारतीय होने के नाते हम सबको इस बात पर गर्व होना चाहिए। हालांकि उनके इस बयान के बाद संस्कृत के जानकार लोगों ने आपत्ति भी दर्ज कराई लेकिन इससे मोदी के उस तमिल एकता अभियान को कोई खास फर्क नहीं पड़ता जो वो बीते तीन दशक से चला रहे हैं। नब्बे के दशक में मोदी खुलकर श्रीलंका के तमिल टाइगर्स का समर्थन करते थे। इसके बाद कन्याकुमारी से कश्मीर तक डॉ मुरली मनोहर जोशी ने जो यात्रा निकाली थी उसका संयोजन भी मोदी ही कर रहे थे।

अपने लंबे राजनीतिक अनुभव से मोदी समझते हैं कि तमिलनाडु की द्रविड़ कटुता को कम करना है तो तमिल भाषा और संस्कृति के साथ अपने आप को एकाकार दिखाना होगा। जिस तरह से सदियों पहले आदि शंकराचार्य ने उत्तर दक्षिण और शैव वैष्णव के बंटवारे को कम करने के लिए न केवल संस्कृत में प्रचुर साहित्य की रचना की बल्कि काशी को कांचीपुरम से जोड़ा। दक्षिण और उत्तर के लोगों के बीच एकता के जो सूत्र शंकराचार्य ने प्रतिपादित किये थे मोदी उन्हीं सूत्रों को मजबूत करना चाहते हैं। केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से पिछले साल नवंबर 2022 में काशी में तमिल संगमम का आयोजन किया गया था जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने किया था। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भी निमंत्रित गया था लेकिन वो नहीं आये। लेकिन इससे मोदी को फर्क नहीं पड़ता। एक कदम और आगे बढते हुए उन्होंने नए संसद भवन में चोल राजवंश में राजदंड के रूप में प्रयुक्त होनेवाले सेंगोल की स्थापना की। सी राजगोपालाचारी ने जिस सेंगोल को 1947 में तमिल इतिहास से खोज निकाला था उसे प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा कक्ष में स्थापित करवा दिया। यहां यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि द्रविड़ राजनीति करनेवाले लोग चोल राजवंश के तमिल शासक होने पर गर्व तो करते हैं लेकिन चोल राजाओं को हिन्दू शासक मानने से परहेज करते हैं। पिछले साल अक्टूबर में राजराजा चोला के जीवन पर आधारित फिल्म पोन्नियिन सेल्वन रिलीज हुई थी तो कमल हासन ने यह कहकर विवाद पैदा कर दिया था कि राजराजा हिन्दू शासक नहीं थे। वो शैव थे। इस विवाद पर उस समय डीएमके नेता टीकेएस एलंगोवन ने कहा था कि दक्षिण भारत में शैव और वैष्णव का विवाद सब जानते हैं। इसके लिखित प्रमाण भी मौजूद हैं। राजराजा चोला शैव राजा थे इसलिए उन्हें हिन्दू राजा कहना गलत होगा।

दक्षिण भारत के दो राज्यों आंध्र प्रदेश और केरल में वैष्णव धर्म पर्याप्त प्रचलन में है और यहां ऐसा कोई विरोध भी नहीं है लेकिन तमिलनाडु और कर्नाटक में शैव मत का जोर ज्यादा रहा है। आज भी डीएमके या फिर द्रविड़ अलगाववाद की राजनीति करनेवाले नेता कहते ही हैं कि नरसिंह के रूप में विष्णु ने हिरण्यकशिपु की हत्या इसलिए कर दी क्योंकि वो शिव की पूजा करते थे। ऐसे गहरे विभाजन के बीच उत्तर में तमिल संस्कृति के प्रतीक चिन्हों को स्थापित करके मोदी उसी खाईं को पाटने की कोशिश कर रहे हैं। चोल राजवंश की विरासत सेंगोल हो या फिर नटराज की प्रतिमा। मोदी ने बहुत योजनापूर्वक उन प्रतीकों को भारत राष्ट्र का प्रतीक बनाकर दिल्ली में स्थापित करवा दिया है। संसद में सेंगोल के बाद अब जी20 शिखर सम्मेलन के लिए चुने गये भारत मंडपम में 20 टन वजनी नटराज को स्थापित करके महान तमिल संस्कृति को कलई वणक्कम् किया है, जो अलगाववादी द्रविड़ राजनीति को तमिलनाडु की जमीन पर सूक्ष्म रूप से कमजोर ही करेगा।

क्या है ग्लोबल साउथ जिसका लीडर है भारत

अभिनय आकाश

भारत जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। दो दिवसीय कार्यक्रम दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम में चल रहा है। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व नेताओं का स्वागत किया। भारत ने अपने राष्ट्रपति पद की शुरुआत में ग्लोबल साउथ की आवाज़ बनने की कसम खाई थी और तब से वह अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। पीएम ने भारत को ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में पेश किया है। मनीकंट्रोल के साथ एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में मोदी ने कहा कि जैसे ही हम जी20 के अध्यक्ष बने, हमने वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट का आयोजन किया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि हम उन लोगों को शामिल करने के लिए एक आवाज थे जो खुद को इससे बाहर महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसा राष्ट्र हैं जो विश्व को एक परिवार के रूप में देखता है। हमारा ल20 का आदर्श वाक्य ही यही कहता है। किसी भी परिवार में, हर सदस्य की आवाज़ मायने रखती है और दुनिया के लिए भी यही हमारा विचार है। ग्लोबल साउथ शब्द का प्रयोग एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के लिए किया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरोप, रूस, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से विकसित देशों को ग्लोबल नॉर्थ कहा जाता है। भारत ने वर्षों से संयुक्त राष्ट्र की बैठकों और सम्मेलनों सहित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर वैश्विक दक्षिण देशों को परेशान करने वाले मुद्दों को उठाया है। अपनी स्वतंत्रता के बाद के वर्षों में भारत ने तीसरी दुनिया की एकजुटता का समर्थन करते हुए, उस समय की महान शक्ति की राजनीति में उलझने से बचने के लिए विकासशील देशों के लिए पैंतरेबाज़ी के लिए अधिक जगह और व्यापक विकल्प सुनिश्चित करने के लिए गुटनिरपेक्ष आंदोलन का नेतृत्व किया। ग्लोबल साउथ का तात्पर्य कम आय वाले देशों या अमीर उत्तरी देशों की तुलना में अपेक्षाकृत कम समाजिक आर्थिक और औद्योगिक विकास वाले देशों से है। ग्लोबल साउथ का देश होने के कई निहितार्थ हो सकते हैं, जिसमें उच्च शिशु मृत्यु दर और निम्न जीवन प्रत्याशा से लेकर निम्न शिक्षा दर, उच्च स्तर की गरीबी और विदेश में बेहतर जीवन की तलाश में प्रवास करने की उच्च प्रवृत्ति शामिल होती है। वैश्विक थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) स्ट्रैटेजिक स्टडीज प्रोग्राम के साथ यूरोप के एसोसिएट फेलो शायरी मल्होत्रा ने फरवरी में लिखा कि ग्लोबल नॉर्थ के देशों के साथ नई दिल्ली के घनिष्ठ संबंध और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ इसकी समान चुनौतियां इसे एक अद्वितीय स्थिति में रखती हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के पूर्व सलाहकार अशोक मलिक ने डॉयचे वेले (डीडब्ल्यू) को बताया कि भारत का रणनीतिक लक्ष्यों और मूल्यों के मामले में पश्चिम के साथ गहरा संबंध है। इसलिए भारत ने विकसित दुनिया के जी20 सदस्यों और ग्लोबल साउथ के बीच एक सेतु बनने की कोशिश की है। भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कसम खाई कि जी20 शिखर सम्मेलन के अंत में नई दिल्ली के नेताओं की घोषणा %ग्लोबल साउथ की आवाज को प्रतिबिंबित% करेगी। कांत ने कहा कि हम चाहते थे कि दुनिया जलवायु कार्रवाई और जलवायु वित्त के संदर्भ में हरित विकास का नेतृत्व करे। इसके कई घटक थे जिन्हें हम चलाना चाहते थे और इसलिए, हरित विकास, जलवायु कार्रवाई, जलवायु वित्त हमारी तीसरी प्राथमिकता थी। क्योंकि एसडीजी और जलवायु कार्रवाई दोनों के लिए वित्त की आवश्यकता होती है।

यूपी की दर्जन भर लोकसभा सीटों ने बढ़ा रखी है भाजपा नेतृत्व की चिंता

स्वदेश कुमार

भारतीय जनता पार्टी के नेता भले ही सार्वजनिक रूप से अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा कर रहे हों, लेकिन अंदर खाने की खबर यही है कि फिलहाल बीजेपी आलाकमान 68-70 सीटों से आगे जीत का अनुमान नहीं लगा पा रहा है। बीजेपी मुस्लिम बाहुल्य कुछ सीटों पर हमेशा से कमजोर रही है तो कई मौजूदा सांसद जनता के बीच अपनी खराब छवि के चलते पार्टी के लिए बोझ बन गए हैं। अब आलाकमान को यह तय करना है कि ऐसे सांसदों का क्या किए जाये जो इस बार बीजेपी के लिए जीत की गारंटी नहीं रह गए हैं। यह सब बातें बीजेपी के आंतरिक सर्वे में भी सामने आ चुकी हैं। इसीलिए पार्टी ने कुछ लोकसभा सीटों के प्रत्याशी बदलने का भी मन बना लिया है। सूत्र बताते हैं कि पार्टी के आंतरिक सर्वे में करीब 16 सीटें ऐसी मिली हैं, जहां पर पार्टी की स्थिति अत्यंत कमजोर है। इन सीटों पर जीत के लिए पार्टी को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन अच्छी बात यह कि इन सीटों पर भी बीजेपी हार की संभावना के बीच भी लड़ती हुई नजर आयेगी। पार्टी के भीतर कुछ सांसदो का टिकट काटे जाने की चर्चा शुरू होते ही उन सांसदों ने दिल्ली से लेकर लखनऊ तक में बैठे अपने आकाओं के यहां दौड़ लगाना शुरू कर दिया है, जिनकी टिकट बंटवारे में अहम भूमिका रहती है। लेकिन बीजेपी आलाकमान इन सब बातों को अनदेखा करते हुए मिशन 80 पूरा करने में लगा है। उत्तर प्रदेश में मिशन 2024 के तहत पार्टी सभी 80 सीटों पर जीत की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा की कोशिश सहयोगी दलों से बेहतर समन्वय स्थापित कर चुनावी मैदान में उतरने की है। टिकट बंटवारे के समय एनडीए के सहयोगियों के बीच में किसी प्रकार की खींचतान का न होना, इस बार सकारात्मक संदेश दे रहा है। दूसरी तरफ, विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए में सीटों को लेकर दावेदारी बढ़ने लगी है। बीजेपी इस बात से भी खुश है कि बसपा सुप्रीमो मायावती विपक्षी गठबंधन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती दिख रही हैं। बसपा के उम्मीदवार चुनावी मैदान में किसी भी दल के प्रत्याशी का खेल ऊपर-नीचे कर सकते हैं। मायावती का चुनावी मैदान में उतरना विपक्षी गठबंधन के लिए किसी भी स्थिति में सही नहीं होगा। विपक्ष मान रहा है कि आमने-सामने का मुकाबला हो तभी भाजपा को हराना संभव हो पाएगा। ऐसे में विपक्ष को एक पाले में लाना होगा। वहीं, भाजपा 50 फीसदी से अधिक वोट शेयर हासिल करने के लिए लोकसभा क्षेत्रवार अपनी रणनीति तैयार करने में जुट गई है। भाजपा का पहला लक्ष्य 2014 में जीती हुई सीटों को वापस हासिल करना है। वर्ष 2014 में भाजपा ने 71 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, सहयोगी अपना दल-एस को 2 सीटों पर जीत मिली थी। उस चुनाव में समाजवादी पार्टी को 5 और कांग्रेस को 2 सीटें मिली थीं। लेकिन, 2019 के चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन के कारण बसपा के सीटों की संख्या बढ़कर 10 हो गई। कांग्रेस एक सीट पर सिमटी। सपा ने एक बार फिर 5 सीटों पर जीत हासिल की। भाजपा के सीटों की संख्या घटकर 62 रह गई। अपना दल-एस ने अपने 2 सीटों के आंकड़े को बरकरार रखा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा यूपी की हारी हुई सीटों को रेड जोन में रखा है। साथ ही, जिन सीटों पर सांसदों का परफॉर्मेंस खराब है, उसे भी रेड जोन में रखते हुए तैयारियां चल रही हैं।

हिंदू संस्कृति का विरोधी साबित हो रहा विपक्षी गठबंधन

मृत्युंजय दीक्षित

रामेश्वरम तीर्थ क्षेत्र की धरती तमिलनाडु, एक ऐसा राज्य जो अनेक भव्य एवं दिव्य मंदिरों के माध्यम से सनातन हिंदू संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है वहां के एक राजनैतिक दल ने सनातन धर्म के प्रति निंदनीय, घृणा से भरा और भड़काऊ वक्तव्य देकर भारत की राजनीति को आक्रोष और आक्रामकता से भर दिया है, पूरे देश से तमिलनाडु की द्रमुक सरकार को भंग करने की मांग तक सामने आ रही है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और राज्य के युवा कल्याण और खेल मामलों के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन हिन्दू धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया आदि से करते हुए कहा कि सनातन धर्म का विरोध नहीं अपितु इसका पूरी तरह से उन्मूलन कर दिया जाना चाहिए। बयान का समर्थन करते हुए कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि कोई भी धर्म जो समानता को बढ़ावा नहीं देता है या यह सुनिश्चित नहीं करता है कि आपके पास मानव होने की गरिमा है वह धर्म नहीं है। आरजेडी नेता मनोज झा ने भी उदयनिधि के बयान का शर्मनाक तरीके से स्वागत किया है।

उदयनिधि ने जिस प्रकार हिंदू सनातन समाज के उन्मूलन की बात कही है उससे यह साफ हो गया है कि मोदी व भाजपा को हराने के लिए बना आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन पूरी तरह से सनातन विरोधी गठबंधन बनकर उभर रहा है। जहाँ जहाँ इस गठबंधन में शामिल दलों या उनके नेतृत्व वाली सरकार हैं वहाँ वहाँ ऐसी गतिविधियां चल रही हैं जो सनातन विरोधी हैं। आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन के उत्तर प्रदेश में साथी समाजवादी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य व समाजवादी पार्टी के लोग हिंदू धर्म संस्कृति का लगातार अपमान कर रहे हैं। बिहार में राजद कोटे के शिक्षा मंत्री ने रामचरितमानस को नफरती ग्रंथ बताकर मुस्लिम तुष्टिकरण किया था और अभी आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन की बैठक में जाने से पहले बिहार की नीतीश सरकार ने दीपावली व रक्षाबंधन सहित कई हिंदू पर्वों के अवकाश को ही समाप्त कर दिया और वह भी तब जबकि बिहार में कई स्कूलों में शुक्रवार के दिन स्कूलों में अवकाश रहता है।

कांग्रेस के नेता पहले ही कई अवसरों पर अपना सनातन हिन्दू संस्कृति विरोधी चरित्र उजागर कर चुके हैं। चुनावों के समय कोट के ऊपर जनेऊ धारण करने वाले दत्तात्रेय गोत्रीय कांग्रेस नेता राहुल गांधी सनातन हिन्दू समाज का उपहास करने के लिए हिंदू बनकर मंदिर जाने का दिखावा करते हैं और फिर बयान देते हैं कि जो लोग मंदिर जाते हैं वो लड़कियां छेड़ते हैं। आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन में द्रमुक कांग्रेस का एक बड़ा सहयोगी है। जब कांग्रेस पार्टी दिखावे के लिए उदयनिधि के बयान से अपने को अलग करती है तब बहुत ही षड्यंत्रकारी नजर आती है क्योंकि यह वही पार्टी है जो भगवान राम व रामसेतु को काल्पनिक बताती है। इसके नेता राहुल गांधी विदेश में जाकर मुस्लिम लीग जिसने भारत विभाजन के समय हिंदुओं के साथ खून की होली खेलकर सबसे बड़े नरसंहार को अंजाम दिया था और आजादी के बाद उप्र के मुरादाबाद सहित कई दंगों में कराए थे उसको सबसे बड़े सेक्युलर दल का तमगा देते हैं। आजादी के बाद से अब तक सनातन हिन्दू संस्कृति का अपमान व तिरस्कार सबसे अधिक कांग्रेस पार्टी की ओर से ही किया गया है अत: उसका उदयनिधि के बयान की निंदा करना मात्र एक दिखावा है। वास्तव में उदयनिधि जैसे लोगों को कांग्रेस का संरक्षण प्राप्त है। आई.एन.डी.आई.ए.गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी घोर सनातन हिंदू विरोधी हैं। अभी जब मुंबई में इस गठबंधन की बैठक चल रही थी तो उन्होंने अतिथि सम्मान में लगाया जा रहा टीका लगवाने से साफ मनाकर दिया था। बंगाल में आए दिन हिंदुओं के साथ हिंसा की घटनाएँ हो रही हैं। जब ममता बनर्जी दोबारा मुख्यमंत्री बनी थीं तब चुनाव परिणाम आने के बाद से ही सनातन हिंदू समाज को व्यापक हिंसा का सामना करना पड़ा था। एक बड़ी बात है कि ममता बनर्जी की पार्टी की ओर से उदयनिधि की सांकेतिक निंदा भी नहीं की गयी जबकि वो कांग्रेस के कथित मोहब्बत के मॉल में अपनी एक दुकान खोलकर भारत की प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रही हैं। तमिलनाडु के खेल राज्य मंत्री उदयनिधि ने जो नफरती बयान दिया है वह एक बहुत ही सोची समझी साजिश और तुष्टीकरण रणनीति का ही एक भाग है। उदयनिधि के बयान के कई कारण हो सकते हैं क्योंकि वर्तमान में अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। काशी में ज्ञानवापी और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का प्रकरण भी सनातन हिंदू समाज के पक्ष में ही जाने वाला है। संपूर्ण विश्व में भारत व भारतीय संस्कृति का डंका बज रहा है। विश्व के 8 देशों में भारतीय मूल के शासनाध्यक्ष बन चुके हैं। अमेरिका में दीपावली पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा हुई है। अमेरिका के जॉर्जिया में अक्टूबर माह को हिंदू विरासत माह घोषित किया गया है। जब से भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आयी है तब से मुस्लिम राष्ट्रों में भी सनातन हिन्दू समाज के मंदिरों का निर्माण होने लगा है जिसके कारण इन सनातन विरोधी मानसिकता वाले लोगों ने महागठबंधन बनाकर सनातन हिन्दू समाज को अपमानित करने का अभियान प्रारम्भ कर दिया है और चुनावों तक यह अनवरत जारी रहने वाला है। तमिलनाडु के खेल राज्य मंत्री स्टालिन का यह बयान राज्य की सनातन हिन्दू विरोधी राजनैतिक कारकों का भी परिणाम है। तमिलनाडु की दो ध्रुवीय राजनीति सदा से ही ब्राह्मण व सनातन विरोधी रही है। द्रमुक का उदय कांग्रेस पार्टी के गर्भ से ही से ही हुआ है। पिछले वर्षों में राज्य में भारतीय जनता पार्टी का भी कुछ प्रभाव दिखने लगा है। अन्नामलाई के जुझारू नेतृत्व के कारण हाल ही में वहाँ भाजपा ने एक देश एक लोग पदयात्रा प्रारम्भ की है जो राज्य की सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। भाजपा की यह पदयात्रा रामेश्वरम से प्रारम्भ की गयी जिसका शुभारम्भ गृहमंत्री अमित शाह ने किया था।

घोसी का रिजल्ट मायावती और भाजपा के लिए झटका!

राजेंद्र कुमार

उत्तर प्रदेश की घोसी विधानसभा सीट पर हुआ उपचुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती के लिए एक बड़ा झटका है। घोसी सीट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की धार्मिक और कड़क सीएम की इमेज का जादू जनता पर नहीं चला। और न ही बसपा मुखिया मायावती की अपील पर घोसी की जनता ने ध्यान दिया। परिणाम स्वरूप इस सीट से चुनाव लड़ने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान चुनाव हार गए। उन्हे समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार सुधाकर सिंह ने 42 हजार से अधिक वोटों से चुनाव हरा दिया है। सपा के सुधाकर सिंह के सामने योगी-मोदी और मायावती का फैक्टर भी फेल हो गया। सपा नेताओं ने सुधाकर सिंह की जीत को इंडिया गठबंधन की जीत बताया है।

फिलहाल घोसी के चुनाव परिणाम यह बता रहे हैं कि यूपी में इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलयांस (इंडिया) की पहली लैंडिंग सफल रही है। ऐसे में अब बसपा सुप्रीमो मायावती को इस चुनाव परिणाम से सबक लेना चाहिए। क्योंकि मायावती के चुनावी प्रयोग से बसपा के वोट बैंक में सपा ने सेंध लगा दी है। घोसी में बसपा के मतदाताओं ने सुधाकर सिंह के पक्ष में मतदान किया है। बसपा का दलित वोट भाजपा को नहीं गया और गेस्ट हाउस कांड का मुद्दा उठाकर सपा को दलितविरोधी बताने की भाजपा नेताओं की योजना घोसी में फेल हो गई। इसलिए भाजपा को भी अब अपनी चुनावी रणनीति की खामियों पर ध्यान देना होगा, अन्यथा लोकसभा चुनाव में यूपी से सबसे अधिक सीटें जीतने का उनका मिशन फेल हो जाएगा।

घोसी विधानसभा चुनावों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करते हुए लखनऊ के सीनियर जर्नलिस्ट कुमार भावेश कहते हैं कि घोसी की जनता ने सूबे के लोगों के मूड को बताया है। यह चुनाव भाजपा और बसपा दोनों के लिए अलार्म है। इन दोनों ही दलों को अपनी चुनावी रणनीति के बारे में अब सोचना चाहिए। घोसी की जनता ने इन दोनों दलों पर अपना अविश्वास जता दिया है। जनता ने बता दिया है कि मोदी-योगी किसी भी दलबदलू को चुनाव मैदान में उतार देंगे तो वह उन्हे वोट देने के बारे में आँख मूँद कर फैसला नहीं लेगी। इसी प्रकार घोसी के लोगों ने मायावती को यह संदेश दिया है कि वह दलित समाज को वोट बैंक के रूप में प्रयोग करने की राजनीति बंद करे। दलित समाज किसे वोट दे किसे नहीं यह बताना बंद किया जाए। मायावती ने घोसी में बसपा समर्थकों से नोटा पर वोट देने की अपील की थी। इसके साथ ही उन्होंने एनडीए और इंडिया गठबंधन से दूरी बनाने का ऐलान किया था। लेकिन घोसी में बसपा मतदाताओं ने मायावती की अपील पर ध्यान नहीं दिया।

भावेश कहते हैं कि घोसी में सबसे ज्यादा वोटर दलित है और फिर मुसलमान। इस वोट बैंक के भरोसे

ही कम्युनिस्टों की धरती रहे घोसी में बसपा चुनाव जीतती रही है। वर्ष 1993 में भी बसपा यहां से जीती थी। इसके बाद भाजपा से बसपा में आए फागू चौहान इस सीट चुनाव जीते थे। परन्तु बसपा के लिए अब घोसी पहले जैसा नहीं रहा है। यहां भी बसपा के वोट बैंक में सेंध लग रही है और इंडिया गठबंधन ने इस चुनाव में बसपा के वोटों में सेंध लगाई दी है। मायावती की अपील के बाद नोटा में दो हजार से भी कम वोटों का पड़ना यह दर्शाता है कि घोसी में उनके समर्थकों ने उनकी अपील पर ध्यान नहीं दिया। जबकि इसी घोसी में वर्ष 2017 में बसपा के अब्बास अंसारी को लगभग 81 हजार वोट मिले थे। इसके बाद वर्ष 2019 के उपचुनाव में 50000 और बीते साल विधानसभा के चुनाव में बसपा के वसीम इकबाल को 54 हजार वोट मिले थे। ऐसे में अब मायावती को तय करना होगा कि कि वह एनडीए के साथ रहेंगी या या इंडिया गठबंधन के। इसलिए मायावती को अगर देश की राजनीति में प्रासंगिक रहना है तो इधर या उधर जाना ही होगा।

भावेश कहते हैं कि मायावती की अपील के बाद भी दलित समाज का वोट सपा के उम्मीदवार को गया। दलित समाज का वोट मिले बिना सुधाकर सिंह का जीत हासिल करना मुश्किल था। दलित और मुस्लिम समाज का वोट सपा को मिला तो जिसके चलते योगी सरकार के पूरी ताकत लगाने के बाद भी दारा सिंह चौहान चुनाव जीत नहीं सके। भावेश के अनुसार, घोसी में अखिलेश का पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) सफल रहा है। इसकी दो वजह रही हैं। पहली वजह सपा की चुनावी रणनीति रही। जिसके चलते शिवपाल सिंह यादव ने घोसी के चुनाव प्रचार को लीड किया। सपा के नेता और पदाधिकारी लोगों के घर घर गए। भाषा पर संयम रखा, वही दूसरी तरफ ओम प्रकाश राजभर जैसे नेताओं ने अखिलेश यादव तथा यादव समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। सरकार के मंत्रियों ने क्षेत्र में कैंप कर सत्ता की ताकत दिखाई और चुनाव से पहले सीएम योगी और पार्टी के बड़े नेताओं ने गेस्ट हाउस कांड का मुद्दा उठाकर सपा को दलितविरोधी बताया।

भाजपा नेताओं की यह सारी कवायद महंगाई जैसे तमाम मुद्दों से परेशान जनता पर असर नहीं डाला सकी। यहीं नहीं घोसी में भाजपा का पसमांदा समाज को जोड़ने का मिशन भी नाकाम रहा। यहीं वजह है कि राज्यसभा और लोकसभा में सांसद रहे घोसी में दारा सिंह चौहान बुरी तरह हार गए। साफ है दलित और मुसलमान वोट भाजपा अखिलेश ही रणनीति के चलते नहीं मिला।

भावेश कहते हैं कि घोसी के चुनाव परिणाम ने बसपा मुखिया मायावती की राजनीतिक खामियों को उजागर करने के साथ ही भाजपा के सहयोगी दलों सुभासपा, निषाद पार्टी और अपना दल (एस) की राजनीतिक ताकत की भी पोल खोल दी है। सुभासपा के मुखिया ओम प्रकाश राजभर जो बीते विधान सभा चुनावों में भाजपा की आलोचना करते हुए सपा के साथ चुनाव लड़ने पहुँच गए थे, वह अपने को पूर्वांचल का बड़ा नेता कहते है। उनके इसी दावे से प्रभावित होकर भाजपा ने उन्हे अपने साथ फिर जोड़ा है, लेकिन घोसी में ओम प्रकाश राजभर अपनी बिरादरी का वोट भी पूरा दारा सिंह चौहान को दिला नहीं सके। घोसी उपचुनाव परिणाम से पता चलता है कि ओमप्रकाश राजभर का पॉलिटिकल शेयर प्राइस हवा में ज्यादा है, जमीन पर कम। अगर राजभर, नाई, कुम्हार, कोईरी और निषादों ने वोट किया होता तो दारा सिंह चौहान इतने बड़े अंतर से चुनाव नहीं हारते। यहीं हाल अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के नेताओं का भी रहा है, इन दोनों दलों के मुखिया घोसी में चुनाव प्रचार तो खूब किए लेकिन उनके समर्थकों ने इतना वोट भाजपा के दारा सिंह चौहान को नहीं दिया कि वह चुनाव जीते सके।

भादौ के रविवार को अजा एकादशी

इस योग में सूर्य और विष्णु पूजा से बढ़ती है समृद्धि और आरोग्य

हिंदू धर्म में एकादशी का बहुत महत्व होता है। साल में कुल 24 एकादशी पड़ती है। यानि हर महीने 2 एकादशी पड़ती हैं। एक कृष्ण पक्ष में और दूसरी शुक्ल पक्ष की पड़ती है। भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी को अजा एकादशी कहा जाता है। इस बार एकादशी 10 सितंबर, 2023 रविवार के दिन पड़ेगी। इस एकादशी को अजा एकादशी कहते हैं।

इस दिन विष्णु जी की पूजा का विधान है। अजा एकादशी का व्रत विष्णु जी को समर्पित है। इस दिन व्रत रखने से जातकों को शुभ फल की प्राप्ति होती है और समस्त पापों से मुक्ति मिल जाती है। आइए जानते हैं अजा एकादशी के दिन व्रत और पूजा करने का शुभ मुहूर्त।

साल 2023 में अजा एकादशी का व्रत 10 सितंबर, 2023 रविवार के दिन रखा जाएगा।

एकादशी तिथि प्रारंभ- 9 सितंबर 2023 शाम 7:17 मिनट पर शुरु होगी

एकादशी तिथि समाप्त- 10 सितंबर 2023 रात 9:28 मिनट पर समाप्त होगी

पारण का समय- 11 सितंबर 2023 सुबह 6:04 मिनट से 8:33 मिनट तक कर सकते हैं।

कैसे करें अजा एकादशी के दिन पूजा ?

अजा एकादशी के दिन प्रातः काल स्नान कर लें। मंदिर और पूजा स्थल को साफ कर विष्णु जी की मूर्ति स्थापित करें।

व्रत का संकल्प लें और विष्णु जी को नमस्कार करें।

विष्णु जी की पूजा में फूल, नारियल, सुपारी, फल, लौंग, अगरबत्ती, घी, पंचामृत भोग, तेल का दीपक तुलसी, दाल, चंदन जरूर रखें।

पूजा करें, और विष्णु जी की आरती करें।

व्रत कथा जरुर पढ़ें।

अगले दिन व्रत का पारण करें

द्वादशी के दिन जरुरतमंदों को भोजन कराएं और दक्षिणा दें।

इसके बाद आप अपना व्रत फल खाकर खोल सकते हैं।

अजा एकादशी के दिन प्रातः काल स्नान कर लें।
मंदिर और पूजा स्थल को साफ कर विष्णु जी की मूर्ति स्थापित करें।
व्रत का संकल्प लें और विष्णु जी को नमस्कार करें।
विष्णु जी की पूजा में फूल, नारियल, सुपारी, फल, लौंग, अगरबत्ती, घी, पंचामृत भोग, तेल का दीपक तुलसी
, दाल, चंदन जरूर रखें।
पूजा करें, और विष्णु जी की आरती करें।
व्रत कथा जरुर पढ़ें।
अगले दिन व्रत का पारण करें
द्वादशी के दिन जरुरतमंदों को भोजन कराएं और दक्षिणा दें।
इसके बाद आप अपना व्रत फल खाकर खोल सकते हैं।

इस मंदिर में भोग नहीं लगाने पर दुबली हो जाती है श्रीकृष्ण की मूर्ति, रहस्यमयी है मंदिर

आज हम आपको एक अनोखे कृष्ण मंदिर के बारे में बताते हैं जो दक्षिण भारत में स्थित है। इस मंदिर की रहस्यमय कहानी किसी को भी हैरान कर सकती है। दरअसल, इस मंदिर में स्थापित प्रभु श्री कृष्ण की प्रतिमा आहिस्ता-आहिस्ता दुबली हो रही है। चलिए आज हम आपको इस मंदिर के बारे में सारी जानकारी देते हैं। प्रभु श्री कृष्ण का यह खूबसूरत सा मंदिर केरल के कोट्टायम में स्थित है। यह जगह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और न सिर्फ स्थानीय लोग बल्कि देश और दुनिया भर की अलग-अलग जगह से आने वाले पर्यटक यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

मंदिर का इतिहास और कथा:-

स्थानीय लोगों के अनुसार ये मंदिर 1500 वर्ष पुराना है तथा तभी से इसे चमत्कारी और रहस्यमयी माना जाता है। कुछ लोग तो यह भी बोलते हैं कि इस मंदिर का निर्माण इंसान ने नहीं बल्कि भगवान ने स्वयं किया था। इस मंदिर से एक दिलचस्प पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। जिसके अनुसार, वनवास के चलते यहां पर पांडव श्री कृष्ण की प्रतिमा की पूजन अर्चन किया करते थे। वो प्रातः शाम यहां पर दीप प्रज्वलित कर कन्हैया को भोग चढ़ाते थे। जब वो यहां से गए तो प्रतिमा को उन्होंने यही छोड़ दिया तथा उसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी पूजन अर्चन आरम्भ की और देखते ही देखते ये मंदिर मशहूर हो गया। वही इस मंदिर से जुड़ी एक चौंकाने वाली बात यह भी है कि यहां मौजूद प्रभु श्री कृष्ण की प्रतिमा दुबली हो रही है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान को भूख लगती रहती है तथा समय पर यदि उन्हें भोग नहीं लग पाता तो उनकी भूख अधिक बढ़ जाती है तथा प्रतिमा दुबली होने लगती है। मंदिर में सुबह शाम दो समय भगवान की आरती की जाती है तथा दिन में तकरीबन 10 बार भोग लगाया जाता है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि बार-बार भोग लगाए जाने के कारण श्री कृष्ण की भूख बढ़ती जा रही है। वही इस मंदिर से एक और विचित्र मान्यता जुड़ी हुई है। 24 घंटे में इसे सिर्फ 2 मिनट के लिए बंद किया जाता है। जानकारी के अनुसार, यदि यहां ताला खोलने में 2 मिनट से अधिक का वक़्त लगता है तो उसे तोड़ दिया जाता है जिससे श्री कृष्ण को भोग लगाने में देरी न हो पाए। श्रद्धालुओं के बीच ये मंदिर बशुत लोकप्रिय है तथा वो अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां पहुंचते हैं।

वास्तु दोष दूर करना हो या आर्थिक तंगी, घर में इस तरह रखें कपूर, अपनाएं ये 6 उपाय

कपूर का इस्तेमाल पूजा के समय खूब किया जाता है। आरती के दौरान कपूर जलाकर आरती की जाती है। ऐसा करना बेहद शुभ होता है। पूजा सफल मानी जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कपूर घर के वातावरण को शुद्ध करता है। घर में फैली नकारात्मकता को दूर कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है कपूर। क्या आप जानते हैं कि कपूर घर के वास्तु दोषों को भी दूर करता है? सुख-शांति, सुख-समृद्धि और धन दौलत में इजाफा कर सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि आप घर में रेगुलर कपूर जलाते हैं तो आर्थिक समस्याएं दूर हो सकती हैं। घर में धन की कभी कमी नहीं होती है। इसका इस्तेमाल किस तरह से करना चाहिए, कौन-कौन से कपूर के उपाय अपनाने चाहिए, ये जान लेना भी जरूरी है।

कपूर से जुड़े उपाय अपनाकर देखें

1. यदि आप आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं तो धन प्राप्ति के लिए गुलाब के फूल में कपूर का एक टुकड़ा रखें। शाम होने पर इस फूल को जलाएं और दुर्गा मां पर चढ़ा दें। आपको अवश्य लाभ होगा।
2. पूजा घर में कपूर को रखना शुभ माना गया है। पूजा घर में कपूर रखने से ऊर्जा का संचार होता है, इससे घर का वातावरण साफ और शुद्ध होता है, नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इससे घर के सदस्यों को मानसिक रूप से शांति का अहसास होता है।
3. आप चाहते हैं कि घर में बरकत बनी रहे तो रात में सोने से पहले एक चांदी की कटोरी में चार-पाच लौंग और एक-दो कपूर जलाकर रख दें। इससे घर में सुख-शांति बनी रहेगी, कभी भी धन धान्य की कमी नहीं होगी। कुछ दिनों तक कपूर के इस उपाय को आजमकार अवश्य देखें।
4. यदि आप प्रतिदिन सुबह स्नान करके पूजा-पाठ करते हैं तो एक कपूर अवश्य जलाएं। घर का वातावरण शुद्ध होने के साथ ही कई समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है। इतना ही नहीं, आप घी में कपूर को रखकर जलाएं, घर में खुशहाली आने के साथ ही तरक्की की राह भी खुलती है।
5. प आप प्रतिदिन घर के मुख्य द्वार पर सुबह कपूर जलाकर रख दें तो इससे घर के अंदर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। घर में क्लेश ना हो, शांति और सुकून कायम रहे तो बेडरूम में कपूर का एक टुकड़ा रखें। इससे रात में बिना किसी बाधा के नींद भी अच्छी आएगी। कमरे में कपूर रखने से शादीशुदा जिंदगी में खुशहाली छाई रहती है, रिश्ते मजबूत बने रहते हैं।
6. आपकी जिंदगी में आर्थिक समस्याएं चल रही हैं तो कपूर के उपाय आजमाएं। घर की तिजोरी में कपूर का एक टुकड़ा रख दें। इससे धन आगमन के योग बन सकते हैं। फिजूल खर्च नहीं होगा। आप अपने पर्स, जेब में भी कपूर रख सकते हैं। इससे भी लाभ होगा, आर्थिक स्थिति सुधरने लगेगी। धन अगमन होने के रास्ते खुल सकते हैं।

आपकी कुंडली में है पितृदोष, तो धन रुकेगा नहीं और होती रहेगी घर में कलह

पितृपक्ष 30 सितंबर से शुरू होकर अश्विन महीने की अमावस्या यानी 14 अक्टूबर तक रहनेवाला है। अगर आपकी कुंडली में पितृदोष है तो पितृपक्ष में कुछ उपाय कर इससे मुक्ति पाया जा सकता है। कुंडली में पितृदोष होने से कमाया हुआ धन भी खर्च हो जाता है और दिन-ब-दिन परेशानियां बढ़ती जाती हैं। ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि कुंडली में पितृदोष के निवारण के लिए पितृपक्ष सबसे शुभ माना जाता है। इन दिनों में कुछ उपाय करने मात्र से सारी समस्या समाप्त हो जाती है।

पितर के नाराज हो जाने से कुंडली में पितृदोष पड़ता है और चीजें अशुभ होने लगती हैं। पितर के नाराज होने से उसका सीधा असर वंश पर पड़ता है। वहीं जब कुंडली में पितृदोष शांत रहता है तो घर परिवार भी शांति रहती है और धन आवगमन होता रहता है। परिवार में कलह का कारण पितृदोष भी हो सकता है। इन सभी चीज़ों से छुटकारा के लिए पितृपक्ष में कुछ उपाय करना जरूरी है।

क्या है पितृदोष के लक्षण

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि अगर आप की कमाई अच्छी हो रही है फिर भी धन आपके पास रुक नहीं रहा है। परिवार में लगातार कलह बढ़ती जा रही है। घर में पीपल का पेड़ उगा हुआ है। तो

जान लें कि आपकी कुंडली में पितृदोष लिखा हुआ है। इसके साथ ही सबसे बड़ी बात यह है कि जब कुंडली में सूर्य और राहु एक साथ विराजमान हो जाएं तो पितृदोष होना स्वभाविक होता है।

करें ये 7 उपाय

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष के दौरान पीपल के पेड़ को जल देकर अक्षत, फूल और काला तिल अर्पित करें।

पितृपक्ष के दौरान रोजाना सुबह उठकर स्नान कर दक्षिण दिशा में मुंह कर पितरों को प्रणाम करना चाहिए।

पितृपक्ष के दिनों में रोजाना शाम को पीपल के पेड़ के नीचे घी का दिया अवश्य जलाएं। इससे पितर प्रसन्न होते हैं।

पितृपक्ष के दौरान नाग स्तोत्र और महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें। इससे पितृदोष से जल्द ही मुक्ति मिल जाती है।

पितृपक्ष के दौरान सोमवार के दिनों में भोलेनाथ को दही-हल्दी का लेप लगाकर 21 आंक का फूल अर्पित करें। इससे परिवार में कलह खत्म हो जाती है और पितृदोष से मुक्ति मिलती है।

पितृपक्ष के दिनों में रोजाना सुबह-शाम घर में कर्पूर जलाएं। इससे पितृदोष से छुटकारा मिलता है।

पितृपक्ष के दिन किसी भी गरीब या ब्राह्मण भोज अवश्य कराएं। इससे पितर प्रसन्न होते हैं और पितृदोष से छुटकारा मिलता है।

यहां बिना पीतांबरी पहने नहीं होती शनिदेव की पूजा भक्तों की हर मुराद होती है पूरी, महिलाएं ना चढ़ाएं तेल!

देवनागरी से मात्र 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कालंद्री गांव में शनि महाराज का विशाल एवं भव्य मंदिर स्थित है, जिसकी प्राण प्रतिष्ठा विक्रम संवत 2072 सन 2015 में क्षत्रिय घाची समाज द्वारा की गई थी। इस मंदिर में स्नान करके पवित्र होकर पीतांबरी पहनकर ही तेल चढ़ाया जा सकता है। मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने से श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होती है। मंदिर में शनिवार को आसपास के क्षेत्र सहित दूर-दराज के श्रद्धालुओं भी हजारों की संख्या में दर्शन करने पहुंचते हैं।

यहां हजारों की संख्या में भक्तजन दर्शन करने आते हैं और मन्नत मांगने आते हैं। लोग यहां पैदल चलकर शनि महाराज के मंदिर में आते हैं। स्थानीय लोगों का ऐसा मानना है कि जो यहां पैदल चलकर शनि महाराज के दर्शन के लिए आता है, उसकी हर मनोकामना सूर्यपुत्र पूरी करते हैं। दर्शनार्थी द्वारा सूर्य

देव पर चढ़ाए जाने वाले तेल के विवरण में इस मंदिर में सनातनी धर्मशास्त्र अनुसार महिलाओं का तेल चढ़ाना वर्जित माना गया है।

महिलाएं ना चढ़ाएं शनिदेव को तेल

कहा जाता है कि यदि शनि देव की मूर्ति पर महिलाएं तेल चढ़ती हैं तो उन पर शनि महाराज की नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव पड़ता है। ऐसी मान्यता है कि जो पुरुष यहां शनि महाराज की मूर्ति पर तेल चढ़ना चाहता है, उससे पूर्व उसे मंदिर में स्नान करके पवित्र होकर पीतांबरी पहनकर ही तेल चढ़ाया जा सकता है। इस मान्यता में मंदिर में पारंपरिक संस्कृति को बेहद अच्छे तरीके से देखा जा सकता है। इस मंदिर परिसर में श्री राम दरबार एवं श्री हनुमान जी का मंदिर भी स्थित है।

मंदिर में हैं ये सुविधाएं

किसी प्रकार की दुर्घटना से कोई जनहानि न हो और इस परिस्थिति से जल्द निवारण के लिए मंदिर ट्रस्ट द्वारा 24×7 एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध है। इस मंदिर परिसर में मंदिर ट्रस्ट द्वारा भोजनशाला भी चलाई जाती है और छात्रावास का भी संचालन किया जाता है। जिसमें विभिन्न स्थानों से छात्र-छात्राएं पढ़ने के लिए यहां आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आर्ट ऑफ लिविंग के पदाधिकारियों ने राज्यपाल से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में आर्ट ऑफ लिविंग छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को वाशिंगटन डी.सी., यूएसए में आयोजित होने वाले चौथे विश्व संस्कृति महोत्सव में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ आर्ट ऑफ लिविंग ट्रस्ट के अपेक्स मेम्बर श्री दीपेन्द्र दीवान, व्यक्तित्व विकास केंद्र ट्रस्ट के अपेक्स मेम्बर श्री सुधाकर राव और वरिष्ठ प्रशिक्षक श्री मुकेश निहाल उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में आज बनेगा योगासन का वर्ल्ड रिकॉर्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के तहत् सेतुबंध आसन का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने लगभग 2 हजार योग साधकों ने आज सुबह रायपुर के बूढ़ापारा स्थित स्वर्गीय बलबीर जुनेजा इंडोर स्टेडियम में पूर्वाभ्यास किया। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा 10 सितंबर को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक सेतुबंध आसन का सामूहिक प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए हजारों लोगों द्वारा सामूहिक योगाभ्यास कर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना स्थान दर्ज कराया जाएगा। योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा लोगों को योग के महत्व के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ योग आयोग पहले भी गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना स्थान बना चुका है। सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में आधे घंटे तक सेतुबंध आसन के साथ-साथ अन्य आसनों, प्राणायामो तथा ध्यान का अभ्यास भी कराया जाएगा। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के प्रतिभागी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लेंगे। 2 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने सामूहिक योगाभ्यास के लिए पंजीयन कराया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिकगण भी शामिल होंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से योग के रिकॉर्ड प्रदर्शन में शामिल होने का आव्हान किया है।

ट्रांसपोर्ट चेम्बर मिला अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी से

रायपुर। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा आटोमोटिव फिटनेस सेंटर खोले जाने के पश्चात वाहनों की फिटनेस करने में ट्रक व ट्रेलर यूनियनों द्वारा लगातार आ रही शिकायतों को मध्य नजर रखते हुए चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ट्रांसपोर्ट चेम्बर ने ट्रक व ट्रेलर यूनियनों के पदाधिकारी के साथ एक टीम का गठन किया व टीम द्वारा औचक ऑटोमोटिव फिटनेस सेंटर जाकर ट्रक मालिकों व ट्रक ड्राइवर को हो रही परेशानियां के बारे में समझा। उसके पश्चात सभी परेशानियों व विसंगतियों को विस्तृत रूप से अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को एक ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया। जिनमें से प्रमुख शिकायतें स्पीडोमीटर जांच, वायु प्रदूषण जांच, हॉर्न जांच, बढ़ी हुई फिटनेस की फीस एवं प्रमुख मांग सलोट अलॉटमेंट को लेकर थी। परिवहन अधिकारी श्रीमान कीर्ति मानसिंह राठौर जी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए ऑटोमेटिक फिटनेस सेंटर के अधिकारी को बुलाकर तत्काल आ रही परेशानियों को दूर करने के निर्देश दिए व आश्वस्त किया की भविष्य में दोबारा यह समस्याएं नहीं होगी। कुछ शिकायतों का समाधान प्रशासन से विचार-विमर्श करने का आश्वासन दिया।

विश्व साक्षरता दिवस और चुनावी पाठशाला का हुआ आयोजन

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय कालीबाड़ी की वूमेन रिड्रेसल सेल, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत चुनावी पाठशाला व विश्व साक्षरता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई जिसमें विजेता छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री हरिकृष्ण जोशी अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायपुर, विशिष्ट अतिथि के रूप में हिमांशु भारती, जिला शिक्षा अधिकारी एवं डॉक्टर कामिनी बावनकर, जिला परियोजना अधिकारी रायपुर व चुन्नीलाल शर्मा सहायक परियोजना अधिकारी रायपुर उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती मां के प्रतिमा पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन कर रही कार्यक्रम अधिकारी रात्रि लहरी ने कार्यक्रम के उद्देश्य व महाविद्यालय में स्वयंसेवकों द्वारा स्वीकृत कार्यक्रम के अंतर्गत संपन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में तय हुए नाम

■ **18 सितंबर या उसके बाद पहली लिस्ट जारी होगी**

रायपुर। छत्तीसगढ़ चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। ऐसे में बसपा, बीजेपी, आप के बाद अब कांग्रेस प्रत्याशियों की बड़ी लिस्ट आ सकती हैं। कांग्रेस हाईकमान जल्द ही इस पर फैसला ले सकता है। आज या कल कांग्रेस प्रत्याशियों की लिस्ट जारी हो सकती है। हालांकि सूत्रों का ये भी कहना है कि कांग्रेस 18 सितंबर या उसके बाद पहली लिस्ट जारी करेगी। इससे पहले शुक्रवार को सीएम हाउस में प्रदेश कांग्रेस की बैठक हुई। इसके बाद पार्टी के स्क्रीनिंग कमेटी की भी बैठक हुई।

शुक्रवार की देर रात तक स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक चली पर कई नामों पर सहमति नहीं बन पाई। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन, सीएम भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा, डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। इस बैठक के बाद भी प्रत्याशियों के नामों को लेकर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है। चर्चा है कि दिल्ली से पार्टी की सर्वे रिपोर्ट आने के बाद चयन में बदलाव हो सकता है। अजय माकन रायपुर से प्रत्याशियों का नाम लेकर हाईकमान को भेजेंगे फिर केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद पहली लिस्ट जारी होगी। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में फिर से पैनल बनाए गए हैं। कुछ नामों को अलग से जोड़ा गया है। छानबीन समिति की रिपोर्ट और ब्लॉक स्तर के पैनल पर भी चर्चा हुई है। बताया जा रहा है कि 12 सितम्बर को केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक होनी है। इसके बाद ही पार्टी इस पर कोई फैसला लेगी। हालांकि सियासी गलियारे में इस बात की भी चर्चा है कि करीब 35 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए गए हैं।

इन नामों पर बनी सहमति

जिन नामों पर स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में सहमति बन पाई है, उसमें भूपेश बघेल पाटन से, टीएस सिहंदेव अंबिकापुर से, चरणदास महंत सक्ती से, ताम्रध्वज साहू दुर्ग ग्रामीण से, रविंद्र चौबे साजा से, मोहम्मद अकबर कवर्धा से, शिव डहरिया आरंग से, गुरु रुद्रकुमार नवागढ़ से, जय सिंह अग्रवाल कोरबा से अनिला भेडिया डौंडी लोहारा से, मोहन मरकाम कोंडागांव से, उमेश पटेल खरसिया से, कवासी लखमा कोंटा से और अमरजीत भगत सीतापुर पर सहमति बन चुकी है। केवल पार्टी की मुहर लगनी बाकी है। सूत्रों के मुताबिक भूपेश कैबिनेट के सभी मंत्रियों को टिकट मिलने वाला है।

कई विधायकों के कट सकती है टिकट

सियासी गलियारे में इस बात की चर्चा है कि कांग्रेस के 71 विधायकों में से कई विधायकों की टिकट कट सकते हैं। इसमें उनके खराब परफॉर्मेंस को मुख्य वजह मानी जा रही है। वहीं कई विधायकों के सीट भी बदले जा सकते हैं। इनमें धनेंद्र साहू अभनपुर, संतराम नेताम केशकाल, अमितेष शुक्ल राजिम, विकास उपाध्याय रायपुर पश्चिम, शैलेश पांडे बिलासपुर, विक्रम मंडावी बीजापुर आदि शामिल हैं।

इधर आप की लिस्ट जारी

दूसरी ओर शुक्रवार की रात को छत्तीसगढ़ आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली सूची में कुल दस उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा गया है। विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी दूसरी बार छत्तीसगढ़ में किस्मत आजमा रही है। दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाने के बाद पार्टी ने अब छत्तीसगढ़ में फोकस किया है। इससे पहले छत्तीसगढ़ में बसपा ने 8 अगस्त को 9 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी।

इसके बाद बीजेपी ने 17 अगस्त को 21 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी। वहीं राज्य में सत्ता पर आसीन कांग्रेस ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की लिस्ट जारी नहीं की है। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि कांग्रेस 9 या 10 सितंबर को अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर सकती है।

बस्तर में कांग्रेस के कई विधायकों की कट सकती है टिकट?

जगदलपुर। ऐसा माना जाता है कि छत्तीसगढ़ की सियासत का रास्ता बस्तर से होकर गुजरता है। क्योंकि जिस दल ने बस्तर की सीटों पर कब्जा किया,उसकी सरकार बनाने की संभावना सबसे ज्यादा रहती है।पिछली बार 2018 के विधानसभा चुनाव में बस्तर की 12 में से 12 सीटें कांग्रेस के कब्जे में आई। वहीं प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है।इसलिए इस बार होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एक बार फिर बस्तर का गढ़ जीतने की तैयारियों में जुटी है। हमने इस बारे में बस्तर के राजनीति के जानकारों से जाना कि इस बार संभाग में कांग्रेस की क्या स्थिति है।

12 सीटों को दोबारा जीतना चाहेगी कांग्रेस- राजनीति के जानकार मनीष गुप्ता का कहना है कि बस्तर में 12 विधानसभा सीटें हैं। कांग्रेस बस्तर की 12 सीटों पर काबिज है। इस बार भी कांग्रेस बस्तर की 12 विधानसभा सीट को जीतना चाहेगी।कांग्रेस पार्टी ने टिकट वितरण को लेकर एक योजना तैयार किया है।जिसमें विधानसभा सीट के दावेदारों ने ब्लॉक लेवल पर अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। इसके बाद आवेदन जिला स्तर से होते हुए राज्य स्तर तक पहुंचा।फिर स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में टिकटों का वितरण के लिए यह गया। लेकिन कमजोर प्रत्याशियों के टिकट जरुर कटेंगे। मनीष गुप्ता ने कहा आज की स्थिति में कांग्रेस की आंतरिक सर्वे के अनुसार जो

विधायक पार्टी की कसौटी पर खरे उतरे हैं। उन्हें दोबारा टिकट मिलेगा।वहीं जिन सीटों पर बीजेपी के प्रत्याशी के मुकाबले कांग्रेस का दावेदार कमजोर दिखेगा उनकी टिकट कटेगी।

कमजोर विधायकों की कटेगी टिकट- राजनीतिक जानकार और वरिष्ठ पत्रकार संजीव पचौरी ने बताया कि बस्तर की 12 विधानसभा सीटों पर जो विधायक हैं। उनमें 3 सीट ऐसी हैं। जिस पर कांग्रेस पार्टी चेहरा बदल सकती है। क्योंकि उनकी स्थिति क्षेत्र में कमजोर मानी जा रही है। संजीव पचौरी ने कहा बस्तर जिले के चित्रकोट विधानसभा में विधायक को जितना कम करना चाहिए था उतना कम नहीं हुआ है। अंतागढ़ विधानसभा में विधायक को सक्रिय रूप से क्षेत्र में काम करना चाहिए था। लेकिन विधायक ने नहीं किया। कांकेर विधानसभा ऐसी विधानसभा है जहां लोग काफी जागरूक हैं। क्योंकि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विधायकों का काम विधानसभा में कमजोर है। इसलिए कांकेर में भी बदलाव की गुंजाइश बन सकती है।

4 विधानसभा सीटों के विधायकों पर संशय- वहीं राजनीतिक के जानकार सुधीर जैन के मुताबिक बस्तर के 12 विधानसभा सीट पर 8 सीटें ऐसी हैं। जहां कांग्रेस अपने प्रत्याशियों को बरकरार रखेगी। लेकिन 4 सीटों पर पार्टी परिवर्तन कर सकती है। जिनमें एक दंतेवाड़ा सीट है। बस्तर में कहीं परिवारवाद का मुद्दा है। कहीं बहुत अधिक प्रतिस्पर्धा है, तो कहीं हिंदुत्व का मुद्दा है। कुछ विधानसभा में विधायकों की निष्क्रियता भी है।

सुधीर जैन ने कहा बस्तर विधानसभा और कोंटा विधानसभा से केवल सिंगल नाम गया है। ये दोनों सीट भी कांग्रेस की जीती हुई सीट है।कोंटा के विधायक कवासी लखमा मंत्री हैं। उनको हराना मुश्किल है। कवासी लखमा अपने कार्यक्षेत्र में सक्रिय हैं।बस्तर विधानसभा के विधायक लखेश्वर बघेल भी अपने क्षेत्र में काफी सक्रिय हैं।इसलिए 12 में से दो सीटों पर कांग्रेस की जीत पक्की लग रही है।

आपको बता दें कि बस्तर आदिवासी क्षेत्र है। यहां शिक्षित लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। यही कारण है कि यहां राष्ट्रीय मुद्दा ज्यादा मायने नहीं रखता है। लेकिन बस्तर की जनता प्रत्याशी, पार्टी और कार्यकर्ताओं के रवैये को अच्छी तरह से परखना जानता है। यही वजह है कि पिछली बार जनता ने एक सिरे से बीजेपी को नकारते हुए संभाग की सभी सीटें कांग्रेस की झोली में डाली।

बस्तर से सत्ता परिवर्तन का संदेश पूरे प्रदेश में होगा प्रसारितः केदार

■ **12 की शाम जगदलपुर में होगी सभा**

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी की 12 सितम्बर को आदिशक्ति पीठ दंतेवाड़ा से आरंभ होने वाली परिवर्तन यात्रा की तैयारियों में युद्धस्तर पर जुट गयी है। गृहमंत्री अमित शाह भाजपा की परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ करेंगे। भाजपा जिला कार्यालय में शुक्रवार को परिवर्तन यात्रा की तमाम तैयारियों की रुपरेखा को अंतिम रूप देने वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिसमें भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप, किरण देव, भाजपा जिला अध्यक्ष रुपसिंह मण्डावी, संतोष बाफना, श्रीनिवास राव मद्दी व अन्य मौजूद थे। जगदलपुर विधानसभा के लिये किरण देव एवं संतोष बाफना को प्रभारी बनाया गया है।

कश्यप ने बताया कि दंतेवाड़ा से आरंभ होकर परिवर्तन यात्रा उसी दिन शाम 12 सितम्बर को जगदलपुर पहुंचेगी। परिवर्तन यात्रा के जगदलपुर पहुंचने पर यहां पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव शामिल होंगे। परिवर्तन यात्रा का स्वागत डिमरापाल से भारतीय जनता युवा मोर्चा मोटर साइकिल रैली के साथ अगवानी करते हुये जगदलपुर पहुंचेगा। शाम करीब 6 बजे सीरासार भवन के समक्ष भाजपा की सभा आयोजित होगी। बस्तर से सत्ता परिवर्तन का बड़ा संदेश समूचे छत्तीसगढ़ में प्रसारित होगा।

13 को कांग्रेस करेगी रेल रोको आंदोलनः वोरा

■ **लगातार रद्द होती ट्रेनों से आमजन को हो रही परेशानी**

रायपुर। लगातार रद्द होती ट्रेन एवं रेलवे को निजी हाथों में सौंपने के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी आगामी 13 सितंबर को रेल रोको आंदोलन निकालने जा रही है। इसी मुद्दे को लेकर प्रदेश कांग्रेस सभी जिलों में प्रेस वार्ता कर रही है। इसी के तहत आज दुर्ग शहर के विधायक एवं छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष अरुण वोरा ने राजीव भवन रायपुर में प्रेस वार्ता कर केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रेसवार्ता के दौरान रायपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे एवं रायपुर शहर कांग्रेस के सभी ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित थे।

वोरा ने कहा बिना कोई ठोस कारण बताएं अचानक ट्रेन रद्द की कर दी जाती है जिससे बुजुर्ग ,महिलाएं पढने वाले बच्चों को काफी तकलीफ हो रही है , पिछले 3 सालों में 67382 ट्रेनों को रद्द किया गया है। भाजपा द्वारा लगातार जो छूट आम जनता को दी गई थी उन्हें समाप्त किया जा रहा है ट्रेनों में किराया को बेतहाशा विधि की गई ,

प्लेटफार्म टिकट को भी कई गुना बढ़ा दिया गया। उन्होंने कहा कि मोदी और शाह के अधिनायक वाद से डर से भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि जनता के प्रति अपने कर्तव्य निभाने से भाग रहे हैं। छत्तीसगढ़ की जनता ने भाजपा के नौ सांसदों को लोकसभा में चुनकर भेजा है ताकि वह जनता की आवाज संसद में उठा सके लेकिन आज छत्तीसगढ़ भाजपा के 9 सांसद मौन है उन्हें लोगों की समस्या दिखाई नही दे रही है वह केवल जी हुजूरी करने पर व्यस्त हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रों के माध्यम प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली ट्रेनिंग की संचालन व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है लेकिन छत्तीसगढ़ के प्रति केंद्र की अपेक्षा और भेदभाव और व्यवस्था लगातार जारी है।

इस साल 125 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की आशा: बघेल

■ **छत्तीसगढ़ सरकार ने धान खरीदी का रिकॉर्ड बनाया**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से गोधन न्याय योजना के अंतर्गत ऑनलाईन राशि वितरण कार्यक्रम में हितग्राहियों के बैंक खातों में 23 करोड़ 93 लाख रूपए अंतरित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल बारिश अच्छी हो रही है और उत्पादन भी अच्छा होने की उम्मीद है। हमारी सरकार हर साल धान खरीदी का रिकॉर्ड बनाया है। इस साल हमें आशा है कि 125 लाख मीट्रिक धान खरीदी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बार भी छत्तीसगढ़ से चावल खरीदी का कोटा घटा दिया है, हमारे बारदाने का कोटा भी कम कर दिया है। मैंने इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि गौठानों में चार रूपए लीटर की दर से गौमूत्र खरीदकर महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं इससे ब्रह्मास्त्र और जीवामृत तैयार कर रही है, जिसे किसानों को रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसान अब महंगे पेस्टीसाइट के बदले जैविक कीटनाशक ब्रह्मास्त्र और जीवामृत का उपयोग करने लगे हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम में

बटन दबाकर गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में 23 करोड़ 93 लाख रूपए ऑनलाईन राशि अंतरित की। जिसमें गोबर विक्रेताओं को 5.36 करोड़ रूपए, गौठान समितियों को 1.63 करोड़ रूपए एवं स्व-सहायता समूहों की 1.14 करोड़ रूपए की लाभांश राशि के साथ ही स्व-सहायता समूहों को 12.32 करोड़ रूपए तथा सहकारी समितियों को 1.23 करोड़ रूपए की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि और स्वावलंबी गौठान समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्यों को 2.25 करोड़ रूपए की मानदेय राशि शामिल है। शनिवार को गोधन न्याय योजना के तहत हितग्राहियों को 29 करोड़ 93 लाख रूपए के भुगतान के बाद अब तक कुल 581.24 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शनिवार को गौठानों में 15 अगस्त से 31 अगस्त तक क्रय किए गए 2.68 लाख क्विंटल गोबर के एवज में गोबर विक्रेताओं को 5.36 करोड़ रूपए का ऑनलाइन भुगतान किया। गौठानों में अब तक 133.22 क्विंटल गोबर की खरीदी हो चुकी है, जिसकी एवज में पशुपालन किसानों को 261.08 करोड़ रूपए का भुगतान भी किया जा चुका है। 9 सितम्बर को 5.36 करोड़ रूपए के भुगतान के बाद गोबर क्रय की कुल राशि 266.44 करोड़ रूपए हो गई है। गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को 09 सितम्बर को भुगतान की जाने वाली 2.77 करोड़ रूपए की राशि के बाद इनको होने वाले भुगतान की राशि 275.01 करोड़ रूपए हो गई है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल इस मौके पर गोबर से कम्पोस्ट खाद के उत्पादन से जुड़े स्व-सहायता समूहों को कम्पोस्ट खाद के विक्रय पर प्रति किलोग्राम एक रूपए के मान से कुल 12 करोड़ 32 लाख रूपए तथा सहकारी समितियों को प्रति किलो 10 पैसे मान से कुल 1 करोड़ 23 लाख रूपए प्रोत्साहन राशि के रूप में ऑनलाईन जारी की। मुख्यमंत्री स्वावलंबी गौठानों के 42 हजार 644 सदस्यों को मानदेय के रूप में 2 करोड़ 25 लाख रूपए उनके बैंक खातों में अंतरित किए।

गौरतलब है कि गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी के मामले में स्वावलंबी गौठान समितियों की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है।

कांग्रेस के अभेद्य किले खरसिया में सेंधमारी करने भाजपा की रणनीति

रायगढ़। छत्तीसगढ़ राज्य में 90 विधानसभा सीटें हैं. लेकिन इन 90 विधानसभा सीटों में से कुछ सीटें ऐसी हैं. जिन्हें किसी भी पार्टी के लिए जीतना पहाड़ चढ़ने जैसा है। इन सीटों पर जिस दल या विधायक का कब्जा है,उसे हराने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ता है।लेकिन नतीजा नया नहीं होता। ऐसी ही एक हाईप्रोफाइल सीट है खरसिया।जब से ये सीट अस्तित्व में आई है।तब से इस सीट से कांग्रेस अजेय ही रही है। आज तक कांग्रेस ने इस विधानसभा में हार का मुंह नहीं देखा।हाल ही में बीजेपी ने इस सीट से अपने प्रत्याशी का ऐलान किया है। बीजेपी को उम्मीद है कि अबकी बार खरसिया का रिकॉर्ड पार्टी जरुर तोड़ेगी।

महेश साहू खरसिया से भाजपा प्रत्याशी- बीजेपी ने 21 विधानसभा के उम्मीदवारों की लिस्ट की घोषणा की थी। जिसमें खरसिया विधानसभा क्षेत्र के महेश साहू को बीजेपी ने उम्मीदवार बनाया है। महेश साहू बीजेपी के कर्मठ नेता हैं। पिछले 10 साल से साहू समाज की बागडोर महेश साहू के हाथों में है।सहज और सरल स्वभाव के कारण हर वर्ग के अंदर महेश साहू की पैठ देखी गई है।

इनका संबंध खरसिया के उद्योगपति, किराना व्यापारी, किसान यहां तक की समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति से भी है। जिससे खरसिया

विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशी को कमतर नहीं आंका जा सकता।मौजूदा समय में खरसिया में कांग्रेस के कई पदाधिकारी पार्टी से नाराज भी चल रहे हैं।यदि चुनाव में उनको साधा नहीं गया तो नतीजा कुछ भी हो सकता है। खरसिया विधानसभा कांग्रेस के लिए अजेय सीट मानी जाती है। इस विधानसभा से अब तक कांग्रेस प्रत्याशी की हार नहीं हुई है। जब छत्तीसगढ़ की स्थापना नहीं हुई थी तब 1988 में यहां के विधायक लक्ष्मी पटेल को इस्तीफा दिलवाया गया और उपचुनाव हुए। जिसमें कांग्रेस ने अर्जुन सिंह और भारतीय जनता पार्टी ने दिलीप सिंह जूदेव को मैदान में उतरा था। उस समय दिलीप सिंह जुदेव बीजेपी के स्टार प्रचारक भी थे।लेकिन अर्जुन सिंह ने दिलीप सिंह जूदेव को हरा दिया।तब से लेकर 2018 के चुनाव तक ना जाने कितने प्रत्याशी कांग्रेस के सामने आए और गए लेकिन जीत नसीब नहीं हुई।खरसिया में कुल मतदाता की संख्या 2 लाख 518 है, जिसमें से पुरुष मतदाता 1 लाख 907 और महिला मतदाता 99 हजार 587 है। इसके अलावा थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 24 है। खरसिया विधानसभा के जातीय समीकरण की बात करें तो कहने को तो यह सामान्य सीट है,लेकिन पिछड़ा वर्ग के वोटर्स का दबदबा है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)

:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्य के लिये छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में श्रेणी-डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण :- बेमेतरा जिले के विकासखंड साजा में जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल ग्राम नलजल योजनाओं के अंतर्गत UPVC pipe 6 kg पाईप लाईन जोड़ने, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण बाउण्ड्रीवाल, क्लोरीनेटर सिस्टम, क्लोरीनेटर रूम, इलेक्ट्रीसिटी कनेक्शन, घरेलू नल कनेक्शन इत्यादि दिये गये शेड्यूल के अनुसार।

स. क्र.	सिस्टम नम्बर	निविदा सू.क्र.	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	146810	162	खपरीलोधी एकल ग्राम (कुम्हीगुड़ा समूह) नलजल योजना सिंघनपुरी एकल ग्राम (कुम्हीगुड़ा समूह) नलजल योजना	57.61
2	146811	163	सिंघनपुरी एकल ग्राम (कुम्हीगुड़ा समूह) नलजल योजना (द्वितीय निविदा)	52.95

1. बिड प्रारंभ की तिथि - **08.09.2023**
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - **15.09.2023**

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 08.09.2023 से देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

जी-05072/6

टी एस सिंहदेव को सलाम ठोंकने वाले एकाएक बढ़े

राजनीति का खेल भी बड़ा अजूबा होता है। इसमें पावर को सलाम किया जाता है। कांग्रेस हाईकमान ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव को 16 सदस्यीय कांग्रेस चुनाव समिति का सदस्य बनाकर उनका कद बढ़ा दिया है। टिकट वितरण वाली कांग्रेस की सर्वोच्च कमेटी में टी एस सिंहदेव को सदस्य बनाए जाने से उन्हें सलाम ठोंकने वाले एकाएक बढ़ गए हैं। टी एस सिंहदेव के बंगले में विधानसभा चुनाव के लिए टिकट के दावेदारों का हुजूम लगने लगा है। चर्चा है कि टी एस सिंहदेव के बंगले पहुँचने वालों में कुछ वर्तमान विधायक और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी बताने वाले लोग हैं। कुछ ऐसे विधायक भी हैं, जो सिंहदेव के खिलाफ झंडा उठाए हुए थे , लेकिन टिकट के लिए उन्हें टी एस के बंगले की तरफ रुख करना पड़ रहा है। कहते हैं कि विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची राज्य समिति से अनुमोदन होने के बाद भी अंतिम निर्णय कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति को करना है। सीईसी में किसी के नाम पर क्रास लग गया तो वह टिकट से वंचित हो जाएगा। इस कारण मुखालफत करने वाले भी टीएस के शरण में जाने को मजबूर हो गए हैं। अब तो देखना यह है कि कुछ महीने पहले तक अपनी ही सरकार में कड़वा घूंट पीने वाले टी एस सिंहदेव विरोधियों पर दया करते हैं या उन्हें बलि का बकरा बनाते हैं।

कही-सुनी

रवि भोई

सिंहदेव और महंत की जुगलबंदी

छत्तीसगढ़ की राजनीति में उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत की जुगलबंदी आजकल चर्चा का मुद्दा बन गया है। आमतौर पर विधानसभा अध्यक्ष किसी मंत्री से मिलने के लिए उनके बंगले नहीं जाते हैं। कहते हैं डॉ. चरणदास महंत नौ सितंबर को सिंहदेव से भेंट के लिए उनके बंगले गए और दोनों के बीच काफी देर तक गुफ्तगू हुई। कांग्रेस की राजनीति में दोनों को दिग्विजय सिंह का करीबी माना जाता है। महंत अभी छत्तीसगढ़ कांग्रेस में सबसे सीनियर लीडर हैं। वे संयुक्त मध्यप्रदेश में मंत्री रह चुके हैं। टी एस सिंहदेव की माता देवेंद्रकुमारी सिंहदेव मध्यप्रदेश में मंत्री और उनके पिता एम एस सिंहदेव मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव रह चुके हैं। दिग्विजय सिंह के मुख्यमंत्रित्वकाल में एम एस सिंहदेव राज्य योजना मंडल के उपाध्यक्ष थे।

रिकार्ड बना गए टामनसिंह सोनवानी

टामनसिंह सोनवानी छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष से 8 सितंबर को रिटायर हो गए। सोनवानी साहब ने आने वाले अध्यक्ष के लिए कोई काम पेंडिग नहीं रखा। राज्य सेवा परीक्षा 2022 की चयन सूची भी अपने रिटायरमेंट के दो दिन पहले जारी करवा दिया। बताते हैं सोनवानी साहब के कार्यकाल में 4167 पदों के लिए 51 परीक्षाओं का आयोजन हुआ और सभी के नतीजे भी आ गए। टामनसिंह सोनवानी करीब तीन साल और तीन महीने छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष रहे। इस दौरान 150 से अधिक पदोन्नति समिति की बैठकें भी हुई। वैसे तो छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग शुरू से चर्चा में रहा, पर टामनसिंह सोनवानी का कार्यकाल कुछ ज्यादा ही चर्चित रहा। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा के लोग सोनवानी साहब के खिलाफ सड़क पर भी उतरे। टामनसिंह सोनवानी के कार्यकाल को अफसरों और नेताओं के पुत्र-पुत्रियों और रिश्तेदारों के अधिसंख्य चयन के लिए याद किया जाएगा। अब पीएससी का नया अध्यक्ष कौन बनता है, इसका सभी को इंतजार है। कहा जा रहा है कि सरकार किसी प्रशासनिक अधिकारी को ही पीएससी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने के मूड में है।

क्या ईडी बम और फूटेगा?

राज्यभर में चर्चा है कि ईडी 11 से 14 सितंबर के बीच छत्तीसगढ़ में बड़ी कार्रवाई कर सकती है। लोगों का मानना है कि ईडी के डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा अपने कार्यकाल खत्म होने के पहले बड़ी कार्रवाई कर केंद्र सरकार को खुश कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ में ईडी ने कोयला, शराब, चावल घोटाले की जाँच कर रही है। महादेव एप के जरिए ऑनलाइन सट्टे के मामले में भी कदम बढ़ाए हैं। जल जीवन मिशन और डीएमएफ में भी एफआईआर दर्ज किया है। अब ईडी किस मामले को लेकर बम फोड़ती है, इसका सभी को इंतजार है। कहा जा रहा है बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने के मकसद से करीब एक हफ्ते रायपुर के ईडी दफ्तर के स्टाफ में बदलाव किया गया। निचले स्तर के कई स्टाफ इधर से उधर किए गए हैं। अब देखते हैं चर्चा का नतीजा क्या निकलता है ?

भाजपा के प्रत्याशी संकट में

भाजपा ने विधानसभा चुनाव के करीब तीन महीने पहले छत्तीसगढ़ में 21 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। कहते हैं अब तीन महीने पहले प्रत्याशी बनना भावी विधायकों को भारी पड़ रहा है। कुछ लोगों ने तो चुनाव प्रचार करना दूर, अपना मोबाईल तक बंद कर दिया है। कहा जा रहा है कि इन लोगों ने चंदा देने से बचने के लिए ऐसा किया है। प्रत्याशी बनने के बाद इन नेताओं के पास गणेश उत्सव और अन्य त्यौहारों के लिए चंदा मांगने वालों की कतार लग गई है। चर्चा है कि चंदा मांगने वालों के चलते इनका प्रत्याशी बनने का उत्साह फिलहाल तो काफुर हो गया है।

घर से ही दफ्तर चला रहे हैं एक अफसर

चर्चा है कि एक आईएएस अफसर आजकल घर से ही दफ्तर चला रहे हैं। कहते हैं कि अधिकारी महोदय पहले लंबी छुट्टी पर थे। छुट्टी से लौटने के बाद दफ्तर पर कदम नहीं रखा है। घर से दफ्तर का कामकाज निपटा रहे हैं। अफसर के जिम्मे सरकार ने मलाईदार विभाग सौंप रखा है, फिर भी दफ्तर से दूरी लोगों को समझ में नहीं आ रहा है। वैसे कुछ महीने पहले तक अफसर के पास कई महत्वपूर्ण विभाग थे, लेकिन एक केंद्रीय एजेंसी की टेढ़ी नजर के चलते सरकार ने धीरे-धीरे एक-एककर विभाग घटाते गए और अब एक ही विभाग बचा है।

बिना रजिस्ट्रार के रविशंकर यूनिवर्सिटी

कहते हैं राज्य की सबसे पुरानी और बड़ी सरकारी पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी पिछले एक हफ्ते से बिना रजिस्ट्रार के ही चल रही है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेन्द्र कुमार पटेल को सरकार ने 31 अगस्त को वहां से हटाकर आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय में पदस्थ कर दिया। बताते हैं सरकार के आदेश का पालन करने की जगह शैलेन्द्र पटेल मेडिकल लीव पर चले गए, साथ में सरकार के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील भी कर दी । चर्चा है कि एक जाँच रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने पटेल को रविवि से हटाने का फैसला किया। सरकार ने पटेल की जगह किसी दूसरे की पोस्टिंग का आदेश अब तक जारी नहीं किया है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक हैं।)

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

अध्यक्ष खड़गे ने भाजपा को दिखाया आईना : दीपक बैज

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भाजपा को आईना दिखा कर गये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस अध्यक्ष की सभा के बाद भाजपा बौखला गयी है। मोदी सरकार के कुशासन वायदा खिलाफी को उठाकर खड़गे जी ने देश के आम आदमी की समस्याओं को आवाज दिया। उन्होंने केंद्र सरकार के द्वारा छत्तीसगढ़ में ईडी, आईटी के दुरूपयोग के खिलाफ आवाज उठाकर कांग्रेस अध्यक्ष ने बता दिया कि भाजपा की इन अलोकतांत्रिक गतिविधियों को कांग्रेस जनता के बीच लेकर जायेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने छत्तीसगढ़ मॉडल की तारीफ कर यह भी बता दिया कि आने वाले चुनाव में भाजपा के दुष्प्रचार के खिलाफ कांग्रेस का विकास ही चुनावी मुद्दा होगा। कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं व्यक्ति विकास की दिशा में किये गये नीतिगत ठोस उपायों के बदौलत प्रदेश के 40 लाख लोग गरीबी रेखा से बाहर आये है। रमन सरकार के दौरान 40 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते थे। भूपेश सरकार बनने के बाद कृषि क्षेत्र लाभकारी हुआ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि 74 लाख राशन कार्ड बना है। 44 लाख परिवार बिजली बिल हाफ योजना का लाभ उठा रहे हैं।

खड़गे और कांग्रेस को उनका गुरु घंटाल मुबारकः चंदेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सीखने की सलाह देने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि खड़गे जी कह रहे हैं कि भूपेश बघेल ने पांच साल में जो किया है, वह मोदी ने क्यों नहीं किया, खड़गे जी ठीक कह रहे हैं। भूपेश बघेल ने 5 साल में जो भ्रष्टाचार कराने का काम किया है, वह मोदी जी भला कैसे कर सकते हैं। मोदी सरकार में भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं है, इस पर खड़गे को आश्चर्य होता है इसलिए वे भूपेश बघेल का नमूना पेश करते हुए कह रहे हैं कि जो कांग्रेस सरकार ने 5 साल में किया, वो मोदी ने क्यों नहीं किया। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि हम कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से पूछना चाहते हैं कि जो काम मोदी सरकार ने 9 साल में कर दिए, वे कांग्रेस की सरकार ने पचास साल में क्यों नहीं किए? देश का विकास क्यों नहीं होने दिया? देश की महिलाओं को शौचालय क्यों नहीं दिए? सभी गरीबों के लिए आवास क्यों नहीं बनाए? महिलाओं को चूल्हे के धुएं से मुक्ति क्यों नहीं दिलाई, शाह बानो को मिला न्याय अन्याय में तब्दील क्यों किया, तीन तलाक खत्म क्यों नहीं किया, देश को अंग्रेजों की गुलामी की मानसिकता में जकड़कर क्यों रखा? वोट बैंक की राजनीति में अल्पसंख्यक समुदाय और बहुसंख्यक समुदाय को दो हिस्सों में क्यों बांटा? भारत माता के कलेजे के दो टुकड़े क्यों किए? कश्मीर समस्या क्यों पैदा की? धारा 370 क्यों लागू की थी? सेना को कमजोर बनाये रखने की साजिश रचने का काम कौन करता रहा है।

भाजपा दुराचार जैसी घटना पर भी सेलेक्टिव पॉलिटिक्स करती है : शुक्ला

रायपुर। कथित कानून व्यवस्था और महिला अपराधों के लिये भाजपा का राजभवन जाना भाजपा की अवसरवादिता है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद महिलाओं के प्रति अपराधों में कमी आई है। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं 2018 के बाद छत्तीसगढ़ में महिलाओं के प्रति अपराधों में 68 प्रतिशत तक कमी आई है। संगठित अपराधों में 72 प्रतिशत तक कमी आई है। राज्य में नक्सल अपराधों तक में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। रमन राज की अपेक्षा बलात्कार और छेड़छाड़ की घटनायें गौण हुई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपाई तथाकथित अपराधों को लेकर बेशर्मीपूर्वक राजभवन गये थे। प्रदेश की जनता भूली नहीं कि कैसे रमन राज में झलियामारी, आमाडोला जैसी घटनायें होती थी। झलियामारी में तो 6 से 14 तक की मासूम बच्चियों के साथ महीनों अनाचार की घटनाएं हुई और रमन सरकार घटना की रिपोर्ट नहीं होने दे रही थी, कांग्रेस के आंदोलन के बाद एफआईआर हुआ था। रमन राज में 27000 से अधिक बच्चियां लापता हो गयी थी, हर रोज 6 बलात्कार की घटनाएं भाजपा शासन काल में होती थी जिसमें अब कमी आई है।

अपनी राजनीति चमकाने राजभवन गएः वर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि अपनी राजनीति चमकाने राजभवन गए भाजपाइयों की हकीकत छत्तीसगढ़ की जनता जानती है। भाजपा नेताओं के बदनियती के चलते ही जन सरोकार के सर्वाधिक महत्वपूर्ण, आरक्षण विधेयक 9 महीने से अधिक समय से उसी राजभवन लंबित है। भाजपाईयों के षडयंत्र के चलते ही छत्तीसगढ़ के बहुसंख्यक आबादी को उसके शिक्षा और रोजगार के अधिकार को प्रभावित करने वाला 76 प्रतिशत आरक्षण से वंचित रखा गया है। छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं के षडयंत्रों के चलते ही नवीन आरक्षण विधेयक, जिसमें छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिये 32 प्रतिशत आरक्षण, अनुसूचित जाति के लिये 13 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये 27 प्रतिशत और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले सामान्य वर्ग (ईडब्लूएस) के लिये 4 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है। वह पिछले 9 महिने से राजभवन में कैद है। आए दिन तथ्यहीन, आधारहीन आरोप लगाकर बात-बात पर राजभवन जाते हैं, वे यह क्यों नहीं बताते की आरक्षण से इतनी नफ़रत क्यों है? छत्तीसगढ़ में मुद्दाविहीन भाजपाई संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग केवल अपनी राजनीति चमकाने के लिए करते रहे हैं। यदि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को जन सरोकारों से मतलब होता तो महामहिम राज्यपाल से आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर करने की अपील करते। केवल अपने राजनीति एजेंडे को पूरा करने ही भाजपाई आज राजभवन गए थे।

कुमारी सैलजा ने लिया नवनियुक्त प्रवक्ताओं की बैठक

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग की बैठक प्रभारी कुमारी सैलजा ने लिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा ने संचार विभाग के नए प्रवक्तओं से सुझाव लिए और कुछ निर्देश भी दिया। कुमारी सैलजा ने बैठक में उपस्थित वरिष्ठ प्रवक्ताओं, प्रवक्ताओं, टीवी पैनलिस्ट और मीडिया कोऑर्डिनेटरों से कहा कि भाजपा में प्रवक्ता से लेकर बड़े नेता यहां तक की मोदी भी बेझिझक झूठ बोलते हैं। कांग्रेस पार्टी का संस्कार झूठ बोलने का नहीं है इसलिए हम झूठ नहीं बोल सकते लेकिन हमें पूरी दमदारी से और मजबूती से सच के साथ होकर उनकी झूठी बातों का खंडन करना है। मीडिया पर अपने द्वारा कही गई बातों को सोशल मीडिया पर भी अधिक से अधिक प्रसारित करना है। सभी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रेस वार्ताओं और तात्कालिक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मुद्दों की जानकारी रखना है। कुमारी सैलजा ने कहा भाजपा के 15 साल के कार्यकाल की असफलता और हमारे 5 साल के कार्यकाल की उल्लेखनीय सफलता को जन-जन तक पहुंचना है। स्वतंत्र विचारकों को भी कांग्रेस पार्टी से जोड़ना होगा और साथ ही डॉक्टर, प्रोफेसर, वकील जैसे पेशे से जुड़े लोगों को भी मीडिया विभाग में जोड़ना है। रायपुर राजधानी के अलावा अन्य दूरस्थ जिलों के कार्यकर्ताओं को अवसर दिए जाने पर कुमारी शैलजा ने खुशी जाहिर कि साथ ही और अधिक संख्या में महिलाओं को संचार विभाग में अवसर दिए जाने की बात उन्होंने कही।

अपराधों को लेकर राज्यपाल को सरकार के खिलाफ ज्ञापन सौंपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के नेतृत्व में प्रदेश की राजधानी से लेकर हर शहर-नगर और गाँवों में लगातार बढ़ रहे अपराधों के परिप्रेक्ष्य में शनिवार को राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से मिलकर प्रदेश के कुशासन, बढ़ते अपराधों, महिला असुरक्षा आदि मुद्दों पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ ज्ञापन सौंपा। भाजपा ने प्रदेश के संवैधानिक संरक्षक होने के नाते राज्यपाल से महिलाओं पर हो रही दरिंदगी जैसे छेड़छाड़, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार और बलात्कार के बाद हत्या, मासूम बच्चियों के साथ अनाचार को रोकने में अयोग्य, अक्षम और भ्रष्ट सरकार पर कार्रवाई के लिए निर्देश देकर जनता की सुरक्षा प्रदेश को एवं अपराधियों-आतंकियों के चंगुल से मुक्त कराने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने सरकार से रिपोर्ट मंगाने का भरोसा दिलाया : साव

बाद में पत्रकारों से चर्चा करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि हमने राज्यपाल को प्रदेश की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया है। रक्षाबंधन के दिन दो बेटियों के साथ, शिक्षक दिवस के दिन आदिवासी शिक्षिका के साथ, राजधानी के पॉश इलाके देवेंद्र नगर में महिला के साथ सामूहिक अनाचार की घटनाएँ होती हैं, सुकमा में एक पाँच वर्ष की मासूम बच्ची के साथ अनाचार किया जाता है, और प्रदेश की कांग्रेस सरकार हाथ-पर-हाथ धरे बैठी है। श्री साव ने कहा कि राज्यपाल ने भाजपा के ज्ञापन के परिप्रेक्ष्य में इस विषय पर संज्ञान लेकर राज्य सरकार से रिपोर्ट मंगाने और आवश्यक कार्रवाई की पहल करने का भरोसा दिलाया है।

जुआ-सट्टा और शराब की वजह से आपराधिक घटनाएँ बढ़ी : डॉ. रमन

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि आज जो छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति है, उससे हम सभी ने मिलकर राज्यपाल को अवगत कराया है। कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी जर्जर हो गई है कि रोज दिनदहाड़े खुलेआम बलात्कार, हत्या, चोरी, लूट, हिंसा की वारदातें घट रही हैं। जशपुर में एक आदिवासी शिक्षिका के साथ सामूहिक बलात्कार की शर्मनाक घटना हुई। राजधानी के देवेंद्रनगर, राजधानी से लगे मंदिर हसौद में सामूहिक बलात्कार की घटनाओं से प्रदेश शर्मसार है। बस्तर में तो हालात इतने शर्मनाक हैं कि सुकमा के पोटाकेबिन में पाँच साल की बच्ची के साथ हुए अनाचार के मामले में न तो विधिसम्मत एफआईआर हुई, न ही कार्रवाई हुई। डॉ. सिंह ने कहा कि यह बेहद दुःखद है कि इस प्रकार की घटनाओं को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन के संरक्षण में इस प्रकार के आपराधिक व असामाजिक तत्व बच रहे हैं। इन सारे पहलुओं को लेकर हम सबने राज्यपाल से भेंट करके आग्रह किया है कि वे प्रदेश सरकार से इन घटनाओं पर सख्ती से जवाब मांगें। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रदेश में जुँआ-सट्टा और शराब की वजह से इस प्रकार की आपराधिक घटनाएँ बढ़ रही हैं ।

क्या खड़गे बिगड़ी का मॉडल पूरे देश में बताएंगे?- डॉ. सरोज

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व सांसद डॉ. सरोज पांडेय ने राज्यपाल से भेंट के बाद पत्रकारों को कहा कि छत्तीसगढ़ में जिस प्रकार कानून-व्यवस्था की खराब हो रही है, हमने राज्यपाल को इस बारे में बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर भी निशाना साधते हुए डॉ. पांडेय ने सवाल दागा कि कांग्रेस अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मॉडल को सब जगह बताकर आगे बढ़ाने की बातें कर रहे हैं, तो क्या कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे छत्तीसगढ़ में बिगड़ी हुई कानून-व्यवस्था, बलात्कार, हत्याओं के मॉडल को पूरे देश में बताएंगे? क्या इसकी अन्य राज्यों से तुलना करेंगे? दौरे पर आए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से उन्होंने (डॉ. पांडेय ने) 9 सवाल किए थे, उन प्रश्नों से वे भागते रहे।

स्वास्थ्य मशीनरी हर संकट से निपटने के लिए तैयार : सीएम बघेल

■ **मुख्यमंत्री ने 700 बिस्तर क्षमता वाले नए चिकित्सालय भवन का किया भूमिपूजन**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर के पंडित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय में 700 बिस्तर क्षमता वाले नए एकीकृत चिकित्सालय भवन का भूमिपूजन किया। चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध अस्पताल के लिए 322 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक सर्वसुविधायुक्त चिकित्सालय भवन का निर्माण शीघ्र प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में महाविद्यालय के हीरक जयंती समारोह का शुभारंभ भी किया। आज से ठीक 60 साल पहले 9 सितम्बर 1963 को रायपुर के शासकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई थी। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव, संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. प्रीतम राम, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री कुलदीप जुनेजा, विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा, महापौर श्री एजाज ढेबर, रायपुर नगर निगम के सभापति श्री प्रमोद शर्मा और रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा दोनों कार्यक्रमों में शामिल हुईं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भूमिपूजन कार्यक्रम और हीरक जंयती के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि रायपुर मेडिकल कॉलेज एवं इससे संबद्ध चिकित्सालय को आज की जरूरत के हिसाब से विकसित करना है। उन्होंने सभी प्राध्यापकों, स्टॉफ, छात्र-छात्राओं और भूतपूर्व विद्यार्थियों को मेडिकल कॉलेज के 60 वर्ष पूरे करने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

भूपेश पर भरोसा है तो उनके पर क्यों कुतर रही है कांग्रेस

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने सरकार प्रायोजित भरोसे के सम्मेलन पर सवाल उठाते हुए कहा है कि कांग्रेस में भरोसे का संकट है। कांग्रेस पार्टी में किसी को किसी पर भरोसा नहीं। जनता का भरोसा भी कांग्रेस पूरी तरह खो चुकी है। इसलिए कांग्रेस जनता का पैसा बर्बाद करके भरोसे का सम्मेलन कर रही है। भूपेश बघेल बतायें कि क्या उन्होंने बजट में भरोसे के सम्मेलन के लिए प्रावधान किया है? आखिर वे किस मद के पैसे उड़ाकर भरोसा जीतने की व्यर्थ कोशिश कर रहे हैं? क्या गोठानों की तरह इसमें भी केंद्रीय मद की रकम से होली खेली जा रही है। कांग्रेस जिस तरह भ्रष्टाचार की कालिख से पुती हुई है, उसका रंग रूप निखरने वाला नहीं है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे छत्तीसगढ़ आकर खोखले दावे कर रहे हैं कि 5 साल में वादे पूरे कर दिए गए हैं। जो काम भूपेश बघेल सरकार ने किया है, वे उस पर संतोष व्यक्त कर रहे हैं तो जनता इस पर परिहास करते हुए कह रही है कि कांग्रेस की संस्कृति में भ्रष्टाचार को ही काम माना जाता है। पूरे देश में भूपेश बघेल की सरकार इस काम में अव्वल है। उनके करीबी अफसरों और कांग्रेस नेताओं के घरों से भ्रष्टाचार का अकूत धन छापों में निकल रहा है। ये जेल जाते हैं तो जमानत तक नसीब नहीं हो रही। क्योंकि इनके खिलाफ पुख्ता सबूत अदालत के सामने पेश होते हैं। कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व भूपेश बघेल की इसी योग्यता पर लट्टू हैं और मोर की तरह नाच रहे हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को भूपेश बघेल से चुनावी खर्चा भी चाहिए और उनका चरित्र उजागर हो जाने से वह घबराहट में भी है। इसलिए भूपेश बघेल को पीछे कर टीएस सिंहदेव और दीपक बैज को आगे किया जाता है।

विधायक के सामने पार्षद ने की छाया पार्षद की लात घुसो से पिटाई

दुर्ग। दुर्ग नगर निगम के स्वास्थ्य प्रभारी एवं एमआईसी सदस्य हमीद खोखर जो की केलाबाड़ी वार्ड के पार्षद भी है उनके ऊपर सत्ता का नशा कुछ ऐसा चढ़ा है कि वह अपने विधायक अरुण वोरा एवं कांग्रेस सदस्यों के सामने ही छाया पार्षद मतीन शेख की लात घुसे से गुस्से में पिटाई करने लगे। जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

मामले में जब दुर्ग विधायक अरुण वोरा छाया पार्षद मतीन शेख को समझाइए देने के लिए उन्हें अपने पास बुलाए और अपने बाजू में बैठाकर आपसी समझाइस के लिए बात करने लगे तो तो वहां पहुंचकर भी हमीद खोखर के द्वारा अपने ही विधायक से हुल्लड़ बाजी करते हुए दोनों के बीच कुर्सी में जबरदस्ती बैठ गए। जिसका वीडियो भी तेजी से सोशल मीडिया में वायरल हो चुका है । आपको बता दें कि दुर्ग शहर विधायक 2 दिन पहले उक्त वार्ड में हमर क्लिनिक योजना के तहत क्लीनिक के लिए भूमि पूजन करने पहुंचे थे । जहां कुछ लोगों ने इस क्लीनिक का विरोध करना शुरू कर दिया , जिसके बाद बहस बढ़ गई और पूरा वाक्य हो गया। वही वीडियो में बढ़ते हुए विवाद को देखते हुए दुर्ग विधायक वहां से बैरंग लौट गए लेकिन इस दोनों मामले का वीडियो वायरल होने के बाद आम जनमानस में केलाबाड़ी के पार्षद हमीद खोखर की क्या छवि रहेगी या इसका क्या असर होगा यह आने वाले विधानसभा चुनाव में जरूर देखने को मिलेगा। लेकिन इन सब बातों से एक चीज जाहिर होती है कि सत्ता का नशा अच्छे-अच्छे पर चढ़ता है जैसा कि इस पार्षद पर भी चढ़ चुका है। और इन सब पूरी बातों में एक मजे की बात यह भी है कि जिस वार्ड में यह पूरा मामला हुआ हमीद खोकहर उस वार्ड के पार्षद भी नहीं है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.